संस्कार - 6

पाठ - 1
मुझे शक्ति दो

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) ईश्वर **(ख)** सुरभि **(ग)** देशहित

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) तुम्हीं सूर्य हो, हो तुम्हीं चन्द्रतार
तुम्हीं ने सभी सृष्टि को है पसारा।
गगन, भूमि, जल, अन्न फल-फूल सारा।
किसी से न न्यारे, न कुछ तुम न्यारा।
(ख) मुझे शक्ति दो, गीत गाऊँ तुम्हारे।
मुझे भक्ति हो, काम आऊँ तुम्हारे।।
मुझे आग दो, देश का हित करूँ मैं।।
मुझे त्याग दो, देश के हित मरुँ मैं।।

3. सही उत्तर पर सही (५) का चिह्न लगाइए-

(क) मुझे शत्रु-सेना मे आग लगा देने की शक्ति दो। **(ख)** मेरे अंदर सब कुछ बलिदान कर देने का साहस भर दो।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) अखिल विश्व में दिव्य सत्ता व्याप्त है। **(ख)** कवि ईश्वर से गीत गाने की शक्ति की याचना करता है। **(ग)** मुझे आग दो, देश का हित करूँ मैं। मुझे त्याग दो, देश के हित मरूँ मैं।।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

गगन - आकाश, नभ। **भूमि -** भू, धरा। **पवन -** वायु, समीर। **फूल -** पुष्प, सुमन। **जल -** पानी, सलील। **विश्व -** संसार, जगत

3. तक मिलाते हुए दो-दो अन्य शब्द लिखिए-

सत्ता - पत्ता, गत्ता। **तारा -** मारा, सारा। **करूँ -** मरूँ, गाऊँ। **शक्ति -** भक्ति, मुक्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ हैं। उन दोनों अर्थों को स्पष्ट करते हुए वाक्यो में प्रयोग कीजिए-

कल - (आने वाला), भविष्यत् काल में आने वाले कल का पता चलता है। (श्रेष्ठ) सरिता अपने दोनों बहनों में श्रेष्ठ है। **फल -** (लाभ), तुम्हें अपने कार्य का लाभ अवश्य मिलेंगा। (चार फल) अंश के पास चार फल है। **जल -** (पानी) पीने का पानी स्वच्छ होना चाहिए। (नक्षत्र) ग्रह नक्षत्रों का जीवन पर प्रभाव पछता है। **दल -** (सेना) महाराणा प्रताप ने मुगलों की सेना के साथ युद्ध किया। (समूह) सूर्य गैसों के समूह से मिलकर बना है।

5. कविता में चार स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

भूमि - सूर्य हमारी भूमि से साढ़े तेरह लाख गुना बढ़ा है। **सुरभि -** कोमल की बहन का नाम सुरभि है। **दिव्य -** अखिल विश्व में दिव्य सन्ता व्यापत है। **सृष्टि -** ईश्वर ने सृष्टि की रचना की है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) सोहनलाल द्विवेदी **(ख)** ईश्वर को **(ग)** देश के उत्तर

1. सोहनलाल द्विवेदी की अन्य कविताएँ पुस्तकालय से लेकर पढ़िए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 2
न्याय

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों से सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) चोरी करने की **(ख)** बंकिमचंद्र चटर्जी **(ग)** सिपाही

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) बर्दवान (ख) चिंता (ग) आधा-आधा (घ) मुकदमा (ङ) विश्वासघात (च) चोरी, झूठ बोलने के

3. सही कथन के सामने सही (✓) ओर गलत कथन के सामने गलत (✗) का निशान लगाइए-

(क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗ (च) ✓

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) बंकिम बाबू ने ब्राह्मण का बयान सुना तो वे ताड़ गए कि वास्तव में चोरी पुलिस के सिपाही ने ही की है, यह बिल्कुल निर्दोष है। इसी कारण उन्होंने पहले दिन की कार्यवाही स्थगित कर दी। (ख) बंकिम बाबू ने वास्तविकता जानने के लिए स्वयं प्रत्यक्ष प्रमाण निकालने की युक्ति अपनाई। (ग) ब्राह्मण ने चोरी में सिपाही का साथ नहीं दिया क्योंकि जिस व्यक्ति ने उसे खाने के लिए खाना तथा रहने के लिए आश्रय दिया, वह उसके साथ (घ) भूखा-प्यासा और विपत्ति से त्रस्त होने के कारण ब्राह्मण का सिर चकराने लगा। (ङ) बंकिमचंद्र चटर्जी के द्वारा निकाली गई युक्ति के कारण ब्राह्मण को न्याय मिला।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. सही मिलान कीजिए-

(क) सामने (ख) जानकारी (ग) ऊपर कहा गया (घ) आज्ञा (ङ) मुसीबत (च) मुसीबत

4. निम्नलिखित वाक्यों में अकर्मक और सकर्मक क्रिया छाँटकर लिखिए-

(क) सकर्मक (ख) सकर्मक (ग) सकर्मक (घ) सकर्मक (ङ) अकर्मक

5. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द भेद भी लिखिए-

(क) कोलकाता, व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) मुकदमा, जातिवाचक संज्ञा (ग) मजिस्ट्रेट, जातिवाचक संज्ञा (घ) ब्राह्मण, व्यक्तिवाचक संज्ञा (ङ) अदालत, व्यक्तिवाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए लिखिए-

(क) **सम्मुख -** बंकिमचंद्र चटर्जी के सम्मुख एक ब्राहम्ण को लाया गया। (ख) ब्राह्मण को सूचना मिली कि उसका पुत्र बीमार है। (ग) ब्राह्मण के पास घर जाने के लिए कोई साधन नहीं था। (घ) ब्राह्मण बिलकुल निर्दोष है। (ङ) पुलिस की गवाही से ब्राह्मण को सम्मान-सहित मुक्त कर दिया। (च) बंकिम बाबू ने ब्राह्मण की बात पर विश्वास कर लिया।

7. निम्नलिखित शब्दों को सही क्रम में रहखकर साकर्मक वाक्य बनाइए-

(क) ब्राह्मण को अदालत में उपस्थित किया गया। (ख) ब्राह्मण को सूचना मिली की उसका पुत्र बीमार है। (ग) ब्राह्मण के पास घर आने के लिए कोई साधन नहीं था। (घ) ब्राह्मण बिलकुल निर्दोष है। (ङ) पुलिस की गवाही से ब्राह्मण को सम्मान-सहित मुक्त कर दिया। (च) बंकिम बाबू ने ब्राह्मण की बातर पर विश्वास कर लिया।

7. निम्नलिखित शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए-

(क) ब्राह्मण को अदालत में उपस्ति किया गया। (ख) मुझे चिंता में नींद न आ सकी। (ग) मुझे कलंकित होना पड़ रहा है। (घ) यह तो भारी विश्वासघात था। (ङ) सपिाही को चारी के अपराध में कड़ा दंड दिया।

8. निम्नलिखित वाक्यों में आई अशुद्धियों को दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए-

(क) उनके सम्मुख एक ब्राह्मण को उपस्थित किया गया। (ख) मैंने साहस करके उसका पीछा किया। (ग) यह बिल्कुल निर्दोष है। (घ) यदि फाँसी भी मिलेगी तो भुगत लूँगा। (ङ) सिपाही को कड़ा दंड दिया गया।

9. निम्नलिखित वाक्यो में से अव्यय शब्द छाँटकर लिखिए-

(क) कि (ख) और (ग) के सिपाही (घ) के किनारे (ङ) भारी

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) अदालत की (ख) तार के द्वारा (ग) संदूक (घ) बुद्धिमत्ता और समझदारी के द्वारा

2. प्रस्तुत पाठ के आधार पर ब्राह्मण की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट करते हुए एक

अनुच्छेद लिखिए।

स्वयं कीजिए।

3. पुस्तकालय में बंकिमचंद्र चटर्जी की न्यायप्रयता से संबंधित अन्य कथाओं का संकलन कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 3
मंत्र तंत्र

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) अच्छा **(ख)** शिकायत करने **(ग)** कुछ भी नहीं

2. रिक्त स्थानों को भरिए-

(क) कुमार **(ख)** जीवहत्या **(ग)** चोर **(घ)** जमीन-जायदाद

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) गाँव में कुमार ने एक चबूतरा तैयार किया। **(ख)** कुमार के कार्यों से प्रभावित ग्रामीण अपना खुरपा, हँसुआ, कुदाल लेकर घर से बाहर होते और चौरस्ते पर या और कहीं अगर काठ-पत्थर रहता तो हटा देते। **(ग)** गाँव के मुखिया को लोगों का भलेमानस बनना पसंद नहीं आया क्योंकि उससे उसकी आमदनी खत्म हो गई थी। **(घ)** वास्तव में कुार का मंत्र-तंत्र कभी झूठा न बोलना, लड़ाई-झगड़ा न करना तथा सबको अपना मित्र समझना था।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

राजा - बाजा, **तीस** - बीस, **धूल** - फूल, **गाँव** - छाँव, **बाँधकर** - माँगकर, **मंत्र** - तंत्र

3. किसने कहा?

(क) मुखिया ने **(ख)** राजा ने **(ग)** कुमार ने **(घ)** कुमार ने

4. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार एक वाक्य में बदलकर लिखिए-

(क) मुखिया राजा के पास जाकर बोला। **(ख)** उसने एक स्थान से धूल-मिट्टी हटाकर साफ कर दिया। **(ग)** हाथी चिंघाड़कर पीछे लौट लाया।

5. निम्नलिखित को पढ़िए-

धूल और मिट्टी, लड़ाई और झगड़ा ऊँची या नीची, लड़के और लड़कियाँ

6. निम्नलिखित वाक्यों में कारक-चिह्न शुद्ध करके वाक्यो को दोबारा लिखिए-

(क) आओ, तुम्हें किताब दूँ। **(ख)** पुल पर दो गाड़ियों की टक्टर हो गई। **(ग्र)** राम के तीन भाई थे। **(घ)** देवदत्त ने तीन चलाया। **(ङ)** व्यवसाय से दोनों ही चिकित्सक थे।

7. दो शब्दों के योग से जोड़ा बनाने वाले शब्द, युग्म-शब्द कहलाते हैं। ये मुख्यतः चार प्रकार के होते हैंः

धूल - मिट्टी, **आमोद** - प्रमोद, **कर** - कराके, **एक** - एक

8. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार बदलकर लिखिए-

(क) वे जीव-हिंसा नहीं करेंगे। **(ख)** वे लोगों के लिए घर बनाएँगें। **(ग)** गाँव का मुखिया बार-बार सोचेगा।

सह-शैक्षिक आकलन

(क) कुमार कभी जीव हिंसा नहीं करता था। झूठ नहीं बोलता था और लड़ाई-झगड़ा नहीं करता था तथा सबको अपना मित्र समझता। **(ख)** अपनी आमदनी खत्म होने के कारण मुखिया ने गाँव वालों की शिकायत की। **(ग)** राजा से सज़ा का आदेश पाकर भी कुमार ने ग्रामीणों को राजा के प्रति क्रोधित न होने की तथा उनके प्रेम करने की सलाह दी।

पाठ - 4
हमारा पर्यावरण

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) बाग-बगीचों की **(ख)** ऑक्सीजन **(ग)** पेड़-पौधे

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) पर्यावरण का अर्थ है- 'हमारे चारों ओर भौतिक वस्तुओं का घेरा।' पर्यावरण में कई वस्तुएँ आ जाती हैं, हमारे चारों ओर वायु का घेरा, भूमि, पानी, पेड़-पौधे, सूर्य का ताप आदि। **(ख)** शुद्ध वायु ग्रहण करेन के लिए लोग प्रातः काल बाग-बगीचों की सैर करते हैं। **(ग)** वायु में ऑक्सीजन ओर नाइट्रोजन की मात्रा सबसे अधिक होती है। **(घ)** अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुद्ध वायु का सेवन हमारे लिए आवश्यक है। **(ङ)** वायु के दूषि होने के अनेक कारण हैं- कल-कारखनों की चमिनियों से निकलता धुआँ, सड़कों पर चलने वाले वाहनों से निकलता हुआ धुआँ तथा गंदगी के कारण उनसे निकले वाले विषैले तत्व से था। **(च)** पेड़-पौधे, कार्बन-डाइ-आक्सॉइड को ग्रहण करके तथा ऑक्सीजन प्रदान करके वायु को शुद्ध करते है। **(छ)** वाहनों, कल-कारखानों, मशीनों, लाउडस्पीकरों, रेलों, हवाई जहाजों आदि से ध्वनि-प्रदूषण होता है। **(ज)** पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें अपने घरों का कूड़ा-करकट उसके लिए बनाए गए स्थान पर ही फेंकना चाहिए तथा अपने आसपास के स्थानों, सड़कों तथा सर्वाजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए। साथ ही अधिक-से-अधिक वृक्ष लगवाने चाहिए और पर से लगे हुए वृक्षों को हानि नहीं पहुँचानी चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए-

(क) सास - शीला अपनी सास का बहुत सम्मान करती है। **साँस -** जब हम साँस लेते है तो ऑक्सीजन हमारे फेफड़ों में जाती है। **(ख) आदि -** हमारे चारों और वायु का घेरा, भूमि, पानी, पेड़-पौधे, सूर्य का ताप आदि। आदी - वह फिजू की बातें करने का बड़ा आदि है। **(ग)** तुम सुबह से बाहर क्यों खेल रहे हो। **बाहर -** फूलों की बहार पूरे बगीचे में छाई हुई है।

3. कोष्ठक में दिए शब्दों में उपयुक्त रूप द्वारा रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए-

(क) शुद्धता **(ख)** आवश्यकता **(ग)** उपयोगिता **(घ)** कर्तव्यपरायण

4. 'दुर्गंध' शब्द में 'दुर्' उपसर्ग का तथा 'औद्योगिक' शब्द में 'इक' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

'दुर' उपसर्ग

बल + दुर् = दुर्बल, **लभ + दुर्** = दुर्लभ, **जन + दुर्** = दुर्जन, गम + दुर् = दुर्गम

'इक' प्रत्यय

व्यापार + इक = व्यापारिक, **परिवार + इक** = पारिवारिक, **दिन + इक** = दैनिक, **धर्म + इक** = धार्मिक

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) भौतिक - हमारे चारों और भौतिक वस्तुओं का घेरा। **(ख)** बहुत-से लोग बाग-बगीचे और पार्क आदि में भ्रमण करते हैं। **(ग)** पेड़-पौधे वायु को शुद्ध करने में महत्वपूर्ण कार्य करते है। **(घ)** पीपल, नीम तथा तुलसी का पौधा वायु को शुद्ध करने में सहायक होते हैं। **(ङ)** जल के अभाव में जीवन का कल्पना नहीं की कल्पना नहीं की जा सकती। **(च)** भोजन के उपयोगी तत्व जल में घुलकर ही हमारे शरीर का पोषण करते हैं।

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए-

जल - पानी, सुगंधवाला, **मात्रा -** संख्या, **गली -** सँकरा, पतला मार्ग, **फल -** लाभ, चार फल

7. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

जीवाणु - जीव + आणु, **स्वच्छ -** स्व + अच्छ, **अत्यंत -** अत्य + अंत, **सर्वाधिक** - सर्व + अधिक

8. निम्नलिखित वौयों में से कारक-चिह्न छाँटिए-

(क) का **(ख)** के लिए, का **(ग)** पर **(घ)** के, में, की **(ङ)** का

9. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

पर्यायवरण - प् + र् + य् + आ + व् + अ + र् + ण्। **स्वास्थ्य -** स् + व् + आ + स् + थ् + य् + अ। **नितांत -** न् + इ + त् + आ अं + त् + अ। **चिमनी -** च् + इ + म + न ई। **प्रदान -** प् + र + द् + आ + न्। **कारखाना -** क् + आ + र् + ख् + आ + न् + आ

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

स्वयं कीजिए।

1. **पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले प्रमुख कारकों के नाम लिखिये।**
   स्वयं कीजिए।
2. **जल-प्रदुषण को रोकने के लिए विभिन्न अभियान चलाये जा रहे हैं? उनके बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 1

स्वयं कीजिए।

पाठ - 5
जेब खर्च

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित प्रश्नों से सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**
   (क) पाँच **(ख)** चोट लगने के कारण **(ग)** साहूकार
2. **किसने कहा?**
   (क) साहूकार ने **(ख)** नन्हे मेई की माँ ने **(ग)** मेई ने **(घ)** माँ ने
3. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-**
   श्रीमान - श्रीमति, **युवक** - युवती, **आदमी** - औरत, **सम्राट** - सम्राज्ञी, **विद्वान** - विदुषी, **माँ** - बाप, **लेखक** - लेखिका, **बेटा** - बेटी, **कवि** - कवयित्री, **साधु** - साध्वी
4. **निम्नलिखित शब्दों में समाथार्थी शब्द लिखिए-**
   अचरज - आश्चर्य, **अश्रु** - आँसू, **वस्त्र** - कपड़े, **सहायता** - मदद, **द्वार** - दरवाजा, **गृह** - घर, **रजनी** - रात्रि, **सुबह** - प्रातः
6. **निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए-**
   (क) का **(ख)** पर **(ग)** से **(घ)** ने, में
7. **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**
   घटना - यह घटना दो साल पहले की है। **प्रतीक्षा** - मेरी अपनी माँ की प्रतीक्षा कर रहा था। **जेबखर्च** - मेरी की माँ ने उसे जेबखर्च के लिए पाँच पैसे दिए। **सुरक्षित** - यह तो सचमुच ही एक सुरक्षित स्थान है।
8. **पाठ में विलोम शब्द ढूँढकर लिखिए-**
   अनेक - एक, **अंत** - प्रारंभ, **असुरक्षित** - सुरक्षित, **नकद** - उधार, **सरलता** - कठिनता, **प्रश्न** - उत्तर

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) जेब खर्च के लिए **(ख)** बाद में काम आने के लिए। **(ग)** हाँ, बचे हुए पैसे से उसने अपनी माँ की सहायता की।

1. **छोटी-सी बचत के द्वारा नन्हें मेई ने अपनी माँ का कर्ज़ चुका दिया। हम बिजली और पानी की बचत कैसे करें कि बिजली तथा पनी की समस्या कम हो जाए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **ऐसी कौन-कौन सी हैं जिनकी बचत से सबको लाभ मिल सकता है?**
   स्वयं कीजिए।

पाठ - 6
एकता की शक्ति

अभ्यास

शैक्षिक-आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**
   (क) सुकरात ने **(ख)** महापापी **(ग)** एकता की
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
   (क) एकता **(ख)** पाँच प्राकृतिक **(ग)** विमान **(घ)** अणु बम **(ङ)** एकता
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**
   (क) सुकरात ने अपने शिष्यों से पूछा, ''बताओ, किस वस्तु में सबसे अधिक शक्ति होती है?'' एक शिष्य ने उत्तर दिया, ''सबसे अधिक शक्ति धन में होती है।'' दूसरे शिष्य बोला, ''पद में भी नहीं,

सबसे अधिक राजा या बादशाह में होती है।'' **(ख)** लेखक ने सबसे अधिक शक्ति एकता में बताई है क्योंकि संसार के सारे काम एकता से ही पूर्ण होते हैं। **(ग)** विमान आकाश में बड़ी तेजी से दौड़ता है। उसकी गति की तीव्रता को देखरक मन में आश्चर्य होता है। पर जानते हो, वह किसके बल पर दौड़ता है? यदि तुम विमान के ढाँचे और इंजान को खोलकर देखे उसमें अपने कल-पुर्जे लगे हुए दिखाई पड़ेंगे। जब तक वे कल-पूर्जे एकजुट होकर काम करते रहते हैं तभी एक विमान दौड़ता है। **(घ)** अपने घर, समाज और देश की एकता के लिए लड़ी को मजबूत बनाना चाहिए। **(ङ)** स्वामी रामतीर्थ ने कहा कि ''भारतवासियों उठो, एकता के सुत्र में बँध जाओ। एकता ही तुम्हें गुलामी के बंधनों से छुड़ा सकती है।'' तथा विवेकानंद ने दोनों हाथों को उठाकर घोषणा की थी कि कुछ मत कहो। तुम्हारे रोगों की यही महौषधि है।'' **(ङ)** शांति प्राप्त करने का भगवान बुद्ध ने उपाय बताया कि यदि तुम शांति प्राप्त करना चाहते हो, तो अपने घर लौट जाओ। पहले सबसे साथ मिलकर आत्म-विकास करो, फिर मेरे पास आओ।''

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. सही मिलान कीजिए-

(क) एकता में **(ख)** एकता से **(ग)** सफलता है **(घ)** आत्मा **(ङ)** एकता

3. निम्नलिखित पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए-

प्रस्तुत पंक्ति के द्वारा लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि सबसे अधिक शक्ति एकता में होती है। यह सभी सुखों की माँ होती है। संसार में अगणित छोटी-छोटी चीजें हैं जो आपस में मिलकर ही शक्ति, सुख और सफलता बनी हुई है।

4. निम्नलिखित वाक्यों में से मुख्य तथा सहायक क्रिया को छाँटकर लिखिए-

(क) पुराणों में ऐसी कथाएँ, सहायक-मिलती रही हैं। **(ख)** पाँचों तत्व एक साथ मिलकर, सहायक अपना-अपना काम करते हैं। **(ग)** उसके आसपास के नगरों और गाँवों को, सहायक-खाक बना देता है। **(घ)** एकता ही तुम्हें गुलामी के बंधनों से, सहायक-छुड़ा सकती है। **(ङ)** विमान की गति को देखकर, सहायक - आश्चर्य होता रहा।

5. पाठ में पाँच जातिवाचक व पाँच व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए-

जातिवाचक - ऋषि, देश, मनुष्य, शिष्य, भारतीय

व्यक्तिवाचक - सुकरात, भगवान बुद्ध, स्वामी रामतीर्थ, अगस्त्य, विवेकानंद

6. निम्नलिखित वाक्यों में से वर्तमानकाल के वाक्यों के सामने सही (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) ✓ **(ख)** ✓ **(ग)** ✓ **(घ)** ✓ **(ङ)** ✓

4. दिए गए पाठ में से पाँच तत्सम तथा पाँच तद्भव शब्दों को छाँटकर लिखिए-

तत्सम - गृह, क्षण, रोग, कुटुंब, शस्त्र

तद्भव - धर, पल, बीमारी, परिवार, हथियार

8. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) विद् वानरों को मान-अपमान का कोई भय नहीं होता। **(ख)** गांधी जी ने देश-विदेश की यात्रा की। **(ग)** आपस में मिल-जुलकर रहने को एकता कहते हैं। **(ग)** हमें आपस में वैर-विरोध को छोड़ देना चाहिए। **(ङ)** परिश्रमी लोग किसी कार्य को छोटा-बड़ा नहीं समझते हैं। **(च)** विमान में अनेक कल-पुर्जे लगे हुए दिखाई देते हैं। **(छ)** भीड़ को देखकर उसके हाथ-पैर काँपने लगे।

9. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए-

(क) कुछ **(ख)** ये **(ग)** तुमने **(घ)** वह **(ङ)** उसे **(च)** मेरा, मुझे **(छ)** तुम्हारे

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) पृथ्वी, जल, पावक, गगन, समीर **(ख)** छोटे-छोटे कणों का एक समूह।

1. आपके मित्र आपस में लड़ रहे हैं लेकिन आप शांति और एकता चाहते हैं। अपने मित्रों के साथ इसी विषय पर एक वार्तालाप (संवाद) लिखिए।

स्वयं कीजिए।

2. एकता के महत्व को स्पष्ट करने वाली एक छोटी-सी घटना अथवा कहानी लिखिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 7
दोहे

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) कुम्हार के **(ख)** हर जगह **(ग)** वर्षा ऋतु में

2. दोहों को पूर्ण कीजिए-

(क) साँई इतना दीजिए, जाने कुटुम समाय।
मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाय।।

(ख) तिनका कबहुँ न निंदिए, जो पाय तर होय।
कबहुँ उड़ि आँखिन परे, पीर घनेरी होय।।

(ग) 'रहिमन' धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।।

(घ) पाव देखि रहिम मन, कोइला साधे मौन।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कबीर जी ने गुरू को कुम्हार और शिष्य को घड़ा इसलिए बताया है क्योंकि गुरू घड़ी-घड़ी अपने ज्ञान के द्वारा अपने शिष्य के दोषों को दूर करते रहते हैं। **(ख)** कबीर जी ईश्वर से केलव इतना माँग रहे हैं जिसमें उनके परिवार का कोई सदस्य भूखा न रहे तथा कोई साधु उनके दर से भूख न जाए। **(ग)** प्रेम के विषय में रहीम ने कहा है कि प्रेम एक धागे के सामन होता है इसे कभी नहीं तोड़ना चाहिए क्योंकि यदि यह एक बार टूट जाये तो इसे जोड़ने पर इसमें गाँठ फिर भी रह जाती है। जहाँ काम आवे सुई, कहा करै तलवारि।। रहीम के इस दोहे से 'तिनका कबहुँ न निंदिए' तुलना की जा सकती है क्योंकि कभी भी किसी को छोटा-बड़ा नहीं समझना चाहिए। कभी-कभी एक छोटी-सी वस्तु भी हमारा बहुत बड़ा कार्य सरल उतना सकती है। **(ङ)** कोयल ओर मेंढक के विषय में रहीन जी कहते हैं कि वर्षा ऋतु में कोयल मौन साधे रहती है जबकि मेंढक बक-बक करते रहते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

खोट - चोट, **समाय** - जाय, **माँहि** - यून, **सून** - चून

3. किन दोहों में निम्नलिखित आश्य की अभिव्यक्ति हुई है-

(क) कस्तूरी कुंडलि बसे, मृग ढूँढे बन माँहि।
ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखे नाँहि।।

(ख) 'रहिमन' धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर न जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।।

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द दोहें से चुनकर लिखिए-

असाधु - साधु, **प्रशंसा** - निंदा, **घृणा** - प्रेम, **टूटना** - जुड़ना, **बड़े** - छोटे, **मुखर** - शांत

5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

मनुष्य - मनुज, मानव। **विपत्ति** - आपत्ति, संकट। **मित्र** - सखा, दोस्त। **प्रेम** - स्नेह, अनुराग, **पावस** - वर्षा ऋतु, बंसत ऋतु। **पानी** - जल, नीर

6. निम्नलिखित शब्दों के मानक रूप लिखिए-

सिष - शिष्य, **कुटुम** - कुटुंब, **जुग** - युग, **आँखिन** - आँखें, **सून** - सूखा, **साँचे** - सच्चे, **बकता** - बोलने वाला, **कबहुँ** - कभी भी, **साँई** - स्वामी, **नाउँ** - नाम, **मीत** - मित्र, **मानुष** - मनुष्य

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कबीर जी ने हाथ के मनके को छोड़ देने के लिए कहा है क्योंकि माला जपते-जपते हैं फिर भी कुछ हासिल नहीं होता। **(ख)** तिनके की निंदा नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह तो पहले सही पैरों के नीचे होता है। **(ग)** नहीं

पाठ - 8
कर्मनिष्ठ

अभ्यास

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित में सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

(क) बहुरूपिया **(ख)** बड़े पेड़ के नीचे **(ग)** धन

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) बहुरूपियों **(ख)** रईस **(ग)** भीड़ **(घ)** कुटिया के सामने **(ङ)** सेठाानी का, संयोग

3. सही कथन के सामने सही (4) और गलत कथन के सामने गलत (8) का निशान लगाइए-

(क) 4 **(ख)** 4 **(ग)** 8 **(घ)** 8

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) बहुरूपिया धोबी तथा डाकिए का वेष धारण करता है। **(ख)** अपना यश चारों ओर फैलाने के लिए बहुरूपिए ने साधु का वेष बनाया। **(ग)** लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू हैं और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े-बड़े कष्ट दूर हो जाते हे। इन कारण साधु की ख्याति दूर-दूर फैल गई। **(घ)** धूनी की चुटकी-भर राख से साधु ने सेठ को ठीक किया। **(ङ)** साधु का जमीर जाग जाने के कारण उसके सेठ का घन लौटा दिया। **(च)** सेठ ने साधु के चरण पकड़कर कहा, ''महाराज, आपके उपदेशों से मुझ सच्चे ज्ञान की अनुभूति प्राप्त हुई है और इस संसार से मेरा मन फिर गया है। झूठ-कपट से मैंने जो धन कमाया है वह सब मैं आपके चरणों में रख रहा हूँ। इसका जो भी आप चाहें करें- गरीबों में बाँट दें या मंदिर बनवा दें। मुझे अपना शिष्य बना लें।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. सही मिलान कीजिए-

(क) व्यवसाय **(ख)** धनी **(ग)** बराबर **(घ)** जग **(ङ)** उपचार **(च)** नुकसान

3. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक शब्दों को छाँटकर लिखिए और उनके नाम भी लिखिए-

(क) का - संबंध कारक **(ख) की** - संबंध कारक **(ग) अरे** - संबोधन कारक **(घ) अहा** - संबोधन कारक **(ङ) को** -कर्म कारक

4. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-

आनंद + अनुभूति - आनंदनुभूति, **मस्तक + अभिषेक** - मस्तकभिषेक, **शेष + अंश** - शेषांश, **प्रसंग + अनुकूल** - प्रसंगानुकूल, **हर्ष + अतिरेक** - हर्षातिरेक

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यो में प्रयोग कीजिए-

(क) बहरूपिया विच्छिन रूप धारण करता था। **(ख)** बहुरूपिया ने माथे पर त्रिपुंड लगाकर साधु का रूप बनाया। **(ग)** तुम्हारा क्या वर्ण्य है? **(घ)** शत्रुधन एक क्षत्रिय थे। **(ङ)** शत्रुधन राम के सबसे छोटे भाई थे। **(च)** मीरा की पुत्री का नाम सुसुम्ना था।

6. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द अलग कीजिए-

राजस्थानी कथा - राजस्थानी, **वैरागी साधु** - वैरागी, **करोड़पति सेठ** - करोड़पति, बीमार **सेठानी** - बीमार, **अटूट आस्था** - अटूट, **असमी शांति** - असीम, सच्चा **ज्ञान** - सच्चा, **चतुर आदमी** - चतुर

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

स्वयं कीजिए।

1. क्या आपके कभी 'फैंसी ड्रेस कॉम्पटीशन' में भाग लिया है। इसमें बच्चे दूसरों का वेष धारण करते हैं। क्या वे बहुरूपिया हो सकते हैं?

स्वयं कीजिए।

2. आपने अपने शहर में रामलीला तो देखी होगी। वहाँ सभी कलाकार किसी-न-किसी का रूप धारण करते हैं। आप उनके बारे में क्या सोचते हैं? लिखिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 2

स्वयं कीजिए।

शैक्षिक मूल्यांकन - 1

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) ईश्वर **(ख)** सिपाही **(ग)** बाग-बगीचों की **(घ)** साहूकार ने **(ङ)** पेड़ के नीचे **(च)** तोता-मैना

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(क) प्यार **(ख)** कुटिया के सामने **(ग)** गहरी **(घ)** शुद्धि **(ङ)** कुमार

3. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के

सामने (✗) का निशान लगाइये-

(क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-**

(क) पर्यावरण में कई वस्तुओं का घेरा।' पर्यावरण में कई वस्तुएँ आ जाती हैं; जैसे- हमारे चारों ओर वायु का घेरा, भूमि, पानी, पेड़-पौधे, सूर्य का ताप आदि। **(ख)** सेठ ने साधु के चरण पकड़कर कहा, ''महाराज, आपके उपदेशों से मुझ सच्चे ज्ञान की अनुभूति प्राप्त हुई है और इस संसार से मेरा मन फिर गया है। झूठ-कपट से मैंने जो धन कमाया है वह सब मैं आपके चरणों में रख रहा हूँ। इसका जो भी आप चाहें करें- गरीबों में बाँट दें या मंदिर बनवा दें। मुझे अपना शिष्य बना लें। **(ग)** कबीर जी ईश्वर से केवल इतना माँग रहे हैं जिसमें उनके परिवार का कोई सदस्य भूख न रहे तथा कोई साधु उनके दर से भूखा न जाए। **(घ)** माँ कितनी कठिनाई और मेहनत से पैसे कमाती हैं। अगर मै। इन्हें बचाकर रख लूँ तो बाद में काम आएँगे। यह सोचकर नन्हें मेई ने पैसे बचाए थे। **(ङ)** वाहनों, कल-कारखानों, मशीनों, लाउडस्पीकरों, रेलों, हवाई जहाजों, आदि से ध्वनि-प्रदुषण होता है। **(ज)** पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें अपने घरों का कूड़ा-करकट उसके लिए बनाए गए स्थान पर ही फेंकना चाहिए तथा अपने आसपास के स्थानों, सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए। साथ ही अधिक-से-अधिक वृक्ष लगवाने चाहिए और पहले से लगे हुए वृक्षों को हानि नहीं पहुँचानी चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य प्रयोग करके अंतर स्पष्ट करिये-**

(क) सास - शीला अपनी सास का बहुत सम्मान करती है। **साँस -** जब हम साँस लेते है तो ऑक्सीजन हमारे फेफड़ों में जाती है। **(ख) आदि -** हमारे चारों और वायु का घेरा, भूमि, पानी, पेड़-पौधे, सूर्य का ताप आदि। **आदी -** वह फिजू की बातें करने का बड़ा आदि है। **(ग)** तुम सुबह से बाहर क्यों खेल रहे हो। **बहार -** फूलों की बहार पूरे बगीचे में छाई हुई है।

2. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिये-**

अचरज - आश्चर्य, **अश्रु -** आँसू, **वस्त्र -** कपड़े, **गृह -** घर, **द्वार -** दरवाजा, **रजनी -** रात्रि

3. **निम्नलिखित शब्दों की संधि करिये-**

आनंद + **अनुभूति -** आनंदनुभूति, **मस्तक** + **अभिषेक -** मस्तकभिषेक, **शेष** + **अंश -** शेषांश, **प्रसंग** + **अनुकूल -** प्रसंगानुकूल, **हर्ष** + **अतिरेक -** हर्षातिरेक

4. **तुक मिलाते हुए दो-दो अन्य शब्द लिखिए-**

सत्ता - पत्ता, कुत्ता। **तारा -** सारा, पारा। **शक्ति -** भक्ति, मुक्ति।

पाठ - 9
शहीद बकरी

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**

(क) भेड़िये के **(ख)** युवा बकरी को **(ग)** तोता-मैना

2. **उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए-**

(क) धूर्तता **(ख)** छटपटाता **(ग)** लहूलुहान **(घ)** मिला

3. **सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत कथन के सामने गलत (✗) का निशान लगाइए-**

(क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

(क) पर्वत को देखते हुए युवा बकरी सोचती रहती थी कि अत्याचारी से यों कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? वह पहाड़ से उतर कर किसी रोज़ बाड़े में भी कूद सकता है। शिकारी के भय से मूर्ख शुतुरमुर्ग रेत में गर्दन छुपा लेता है। तब क्या शिकारी उसे बख्श देता है? **(ख)** भेड़िए के मुँह में लगे खून तथा उसकी छटपटाहट को दखने के लिए युवा बकरी पहाड़ पर अकेली मई और वह वहाँ दिनभर स्वच्छंद विचरती, कूदती, फाँदती तथा चारताी रहताी। **(ग)** टक्कर खाने के कारण भेड़िया

किंकर्त्तव्यविमूढ़ हो गया था। **(घ)** मैना ने तोते की बात का जवाब दिया कि ''वही जो अत्याचारी का सामना करने पर पीड़ितों को मिलता है। बकरी मर ज़रूर गई है, परंतु भेड़िए को घायल करके मरी है। वह भी दूसरों पर अत्याचार करने के लिए जीवित नहीं रह सकेगा। सीने और मस्तक के घाव उसे सड़-सड़कर करने को बाध्य करेंगे। काश! बकरी के अन्य साथियों ने उसकी भावनाओं को समझा होता। छिपने की बजाय एक साथ वार किया होता तो आज बाड़े में कैदी जीवन व्यतीत करने की बजाय पहाड़ पर निःशंक और सवच्छंद विचरती होतीं।''

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित वाक्यों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) प्रस्तुत वाक्य में बकरी की द्वारा स्पष्ट किया गया है कि भोग्य सदैव से भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हें। भेड़िए के मुँह में हमारा खून लग चुका है, वह अपनी आदत से कभी बाज नहीं आएगा। **(ख)** प्रस्तुत वाक्य में बकरी भेड़िए के दाँव-पेंच देखने की लालसा और अपने अरमान पूरे कर चुकी थी और साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाती हुई बेचारी देर हो गई।

3. दो शब्दों, पदबंधों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द समुच्चय बोधक कहलाते हैं।

1. भेड़िए की रक्तरंजित आँखे, लपलपाती जीभ और आक्रमणकारी चाल से बकरी सब कुछ समझ गई थी। 2. बकरी मर जरूर गई है, परंतु भेड़िए को घायल करके मरी है। 3. बकरी के पैंने सींग उसके सीने में इतने जोर लगे कि वह चीख उठा। 4. साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाती हुई बेचारी ढेर हो गई अथवा मर गई।

4. कुछ पुल्लिंग शब्दों के साथ 'इन' प्रत्यय जोड़ देने से वे स्त्रीलिंग बन जाते हैं; जैसे-

मालिन, बाघिन, धोबिन, तेलिन, साँपिन

5. इन क्रिया-रूपों में 'आहट' प्रत्यय का प्रयोग करके क्रिया को ध्वन्यात्मक रूप में परिवर्तित कीजिए-

छटपटाना - छटपटाहट, **मुस्कराना -** मुस्कराहट, **खड़खड़ाना -** खड़खड़ाहट, **घबराना -** घबराहट, **लपलपाना -** लपलपाहट, **गुर्राना -** गुर्राहट

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) भेड़िए की धूर्तता से तंग आगकर चरवाहे ने बकरियाँ चराना बंद कर दिया। **(ख)** बाडे में कैद में रहकर जुगाली करना युवा बकरी को पसंद नहीं आया। **(ग)** अपने साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाकर बकरी भेड़िए को देखते ही उस पर टूट पड़ी।

2. पाठ में आए ये पास किस प्रकार के मानव चरित्रों को अभिव्यक्त करते हैं? उनके लिए उपयुक्त शब्द चुनकर उनके सामने लिखिए-

स्वयं कीजिए।

पाठ - 10
अनोखी शिक्षा

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) संपन्न **(ख)** सहिजन का **(ग)** उन्हें मेहनत करने के लिए विवश करना जिससे वे फिर से खुशहाल जीवन जी सके

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) संपन्न परिवार **(ख)** गरीबी दिन-दिन **(ग)** लंबी-लंबी, हरी-हरी **(घ)** मेहमान-खाना **(ङ)** भाई-बंद

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) जायदाद व धन-दौलत बरबाद हो जाने के कारण तथा कहीं कुछ नौकरी-चाकरी या काम-धंधा न करने के कारण परिवार के लोगों को खाने-पीने के लाले पड़ गए थे। **(ख)** उनके घर के पास बगीचे में एक सहिजन का पेड़ था। उसके फलने का मौसम था। बड़ी लंबी-लंबी और हरी-हरी सहिजन की फलियाँ लटक रही थीं। जब शाम हो जाती, चारों तरफ सन्नाटा छा जाता, तो उन चार भाइयों में से कोई एक उस पेड़ पर चढ़ जाता और फलियों को तोड़कर नीचे गिरा देता। कुछ रात बीते एक कुंजड़िन आती और फलियाँ खरीद कर ले जाती। इससे जो थोड़े-से पैसे मिल जाते, उन्हीं पर उस परिवार का गुजर चलता। **(ग)** भोजन कम होने के कारण मेहमान के साथ भोजन न करने के

लिए बड़े भाई ने बहाना बनाया कि ''आज मेरा सोमवार का व्रत है, मैं खाना नहीं खाऊँगा।'' दूसरे ने कहा कि ''मेरे पेट में दर्द उठ रहा है, डाक्टर ने खाने को मना किया है।'' तीसरे भाई ने कहा कि उसे अपने दोस्त के यहाँ दावत में जाना है। **(घ)** 'यह कितना अच्छा व प्रतिष्ठित खानदान है। झूठी बनावटी इज्ज़त के ख्याल से ये नौजवान लड़के खाने-पीने की तकलीफ बरदाश्त कर रहे हैं और मामूली सहिजन के पेड़ के भरोसे अपना गुजाग़ कर रहे हैं।'' **(ङ)** पेड़ कहने पर भाइयों ने काम काम ढँढ़ने का निर्णय लिया। **(च)** भाइयों ने बड़े प्रेम से आने नेककदम मेहमान की खातिरदारी की क्योंकि उस दिन उसने उनका सहिजन का पेड़ नहीं काटा, बल्कि उनकी काहिली और बदकिस्मती को काट दिया था।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. लिखिए, निम्न परिस्थतियाँ किस कारण उत्पन्न हुई?

(क) गरीबी के कारण **(ख)** भोजन न खाने के कारण **(ग)** उनकी हालत जानने के कारण **(घ)** ताकि मेहमान को उनकी, आर्थिक देशा का पता न चल **(ङ)** दुख के कारण सके।

3. निम्न पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से चारों भाइयों ने मेहमान से कहा कि उस दिन आपने हमारा सहिजन का पेड़ नहीं काटा, मानों हमारी काहिली और बदकिस्मती को काट कर फेंक दिया था। अगर आप हम पर तरस खाकर दस-पाँच मन अनाज हमारे घर भेज देते, तो हम और भी नीचे गिर जाते, पूरे बुजदिल बन जाते। आपने हमारे बगीचे का पेड़ गिराकर हमारी गिरी हुई किस्मत को ही ऊँचा उठा दिया।

4. पाठ में आए इन उर्दू शब्दों का हिन्दी रूप जानिए-

स्वयं कीजिए।

5. निम्नलिखित शब्दों को शब्दाकोष के क्रमानुसार लिखिए-

आज, आँगन, काहिली, कर्म, कुंजड़िन, दुनिया, दूरदर्शी, फलियाँ, बूढ़ी, बिल्ली, मेहमान, वक्त, शिकार

6. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द पाठ में से खोजकर लिखिए-

दूर की सोचने वाला - दूरदर्शी, **भूखों मरना -** गरीबी, **इज्जत करने वाला -** आदर्शवादी, **काम जानने वाला -** अनुभवी

7. स्वर अपने आप बोले जाते हैं जबकि व्यंजन की सहायता के बिना नहीं बोले जाते। जब इनमें स्वर मिलते हैं, तभी इनका उच्चारण होता है। स्वर से रहित व्यंजन इस प्रकार लिखे जाते हैं- क्, च्, प्, म्, य्, र्, स् आदि।

परिवार - प् + र् + इ + व् + आ + र् + अ।
मेहमान - म् + ए + ह् + म् + आ + न् + अ।
डाक्टर - ड् + आ + क् + ध् + आ + न् + ई।
प्रतिष्ठित - प् + र् + त् + इ + ष् + ठ् + इ + त् + अ। **दूरदर्शी -** द् + ऊ + र् + द् + र + श् + ई

8. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यामें प्रयोग कीजिए-

(क) किसी शहर में एक संपन्न परिवार रहता था। **(ख)** चारों भाई हुनरमंद और पढ़े-लिखे थे। **(ग)** चारों तरफ सन्नाटा छा गया। **(घ)** मेहमान को उन चारों की फिक्र होने लगी। **(ङ)** मेहमान बिना किसी आहट के बगीचे में सहिजन के पेड़ के पास पहुँचा। **(च)** पेड़ काटने के पीछे उसका इरादा खराब न था।

9. निम्नलिखित संज्ञाओं के लिए दो-दो विशेषण पाठ में से ढूँढकर लिखिए-

माँ - सयानी, बूढ़ी, **मेहमान -** इरादा, नेकनियती, **चारों -** अच्छी, इज्जत, **भाई -** हुनरमंद, पढ़े-लिखे, **इज्जत -** पुरानी, खानदानी, सहिजन की **फलियाँ -** लंबी-लंबी, हरी-हरी

10. निम्नलिखित वाक्यों में आई अशुद्धियों को दूर कीजिए और वाक्यों को दोबारा लिखिए-

(क) चारों भाई हुनरमंद व पढ़े-लिखे थे। **(ख)** उनके खाने-पीने के लाले-पड़ने लगे। **(ग)** उस पेड पर लंबी-लंबी हरी फलियाँ लटक रही थीं। **(घ)** उस बस्ती में चारों भाइयों की अच्छी इज्जत थी। **(ङ)** चारों भाईयों ने बड़े प्रेम से मेहमान की खातिरदारी की।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) चारों भाइयों का कोई भी काम-धंधा न कर पाने का प्रमुख कारण उनकी पुरानी खानदानी इज्जत थी। **(ख)** सहिजन के पेड़ की लंबी-लंबी और हरी-हरी फलियाँ तोड़कर और उन्हें बेचकर वे अपना निर्वाह करते थे। **(ग)** मेहमान पौ फटने से पहले ही घर से चला गया था क्योंकि उसने पेड़ को जड़ के पास से काट कर धरती पर गिरा दिया था। **(घ)** मेहमान ने पेड़ काट कर सही किया था। यदि वह पेड़ न काटता तो चारों भाई अपना पूरा जीवन पेड़ के सहारे ही व्यतीत करते।

1. **पता लगाइए कि सहिजन का पेड़ किस मौसम में फलता है और इसकी फलियाँ किस काम आती हैं?**

   स्वयं कीजिए।

2. **हम जीवन में उन्नति किस प्रकार कर सकते हैं, इस विषय को आधार बनाकर अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए।**

   स्वयं कीजिए।

पाठ - 11
आर्यभट

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**

   (क) कुसुमपुर **(ख)** चंद्रग्रहण **(ग)** योद्धा

2. **रिक्त स्थानों को भरिए-**

   (क) कुसुमपुर **(ख)** वेद्यधाला **(ग)** चंद्रमा, चंद्र ग्रहण **(घ)** 121 **(ङ)** चमकीला सितारा **(ङ)** चमकीला सितारा

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   (क) गंगा, सोन ओर गंडक नदियों के संगम पर भीड़ इकट्ठी हो रही थी क्योंकि उस दिन अपराह्न में सूर्य को ग्रहण लगने वाला था, भरी दोपहरी में धरती पर अंधकार छा जाने वाले था। **(ख)** ''पृथ्वी की छाया जब चंद्रमा पर पड़ती है, तो चंद्र ग्रहण होता है। इस प्रकार चंद्र जब पृथ्वी और सूर्य के बीच आता है और वह सूर्य को ढक लेता है, जब सूर्य ग्रहण होता है। आज भी ऐसा ही होने वाला ळे। कोई राहु नाम का राक्षस सूर्य को निगल जाता है- यह तो पुराण की कथा है।'' **(ग)** आर्यभट्ट दक्षिणापद में गोदावरी तटक्षेत्र के अश्मक जनपद में पैदा होने के कारण आश्मकाचार्य के नाम से प्रसिद्ध हुए। **(घ)** पृथ्वी के चक्कर लगाने का पता हमें क्यों नहीं चलता? **(ङ)** आर्यभटीय ग्रंथ की खोज डॉ0 भाऊ दाजी ने 1864 ई0 में की।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**

   (क) स्वयं कीजिए।

2. **वाक्यांशों का सही मिलान कीजिए-**

   (क) उस नगर में - बहुत-से बाग-बगीचे में, वहाँ कुछ दूसरे - प्रकार की चहल-पहल थी। वस्तुतः वहाँ। - वेधशाला थी।, मगर उसका सही - नाम आर्यभट ही था, गणित एवं ज्योतिष के - अध्ययन में उनकी गहरी रूचि थी।, आर्यभटीय में कुल - 121 श्लोक हैं।

3. **निम्नलिखित जातिवाचक शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए-**

   पिता - पितृत्व, **स्वस्थ -** स्वस्थता, **मित्र -** मित्रता, **युवा -** युवावस्था, **मनुष्य -** मनुष्यता, **पात्र -** पात्रता

4. **'आर्थभटीय- शब्द 'आर्यभट' में 'ईय' प्रत्यय जोड़कर बना है।**

   भारतीय - भारत, ईय। **विश्व विद्यालयीय -** विश्वविद्यालय + ईय, **रमणीय -** रमण + ईय, **राष्ट्रीय -** राष्ट्र + ईय, **कथनीय -** कथन + ईय, **रविवारीय -** रविवार + ईय

5. **'वह' सर्वनाम के एकवचन के रूप निम्नलिखित कारकों में लिखिए-**

   कर्ता - ने, **संप्रदान -** के लिए, **कर्म -** को, **अपादान -** से, **करण -** से

6. **निम्नलिखित वाक्यों में उचित कारक-चिह्नों की सहायता से पूरा कीजिए-**

   (क) ने **(ख)** में **(ग)** को **(घ)** में **(ङ)** के लिए **(च)** से

7. **कोष्ठक लिखे पद-भदों में से सही पद-रूप लिखकर निम्नलिखित वाक्यों में को पूरा कीजिए-**

   (क) आप **(ख)** चक्कर लगाती **(ग)** शीघ्रता **(घ)** तेजी से **(ङ)** बाहर

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) पाटलिपुत्र ओर कुसुमपुर **(ख)** पहले ग्रहण के विषय में लोग सोचते थे कि "जब राहु नाम का राक्षस सूर्य को निकल जाता है, तब ग्रहण लगता है।" **(ग)** शून्य सहित केवल दस अंक संकेतों से ही संख्याओं को व्यक्त करना।

1. **आर्यभट उपग्रह के बाद भारत ने और कौन-कौन से उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़े हैं? एक सूची तैयार कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **अंतरिक्ष-विज्ञान से जुड़े किन्ही तीन आधुनिक वैज्ञानिकों के नाम पता करके बताइए-**
   स्वयं कीजिए।

पाठ - 12
हमारी पृथ्वी

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नसिलखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**
   (क) लट्टू की तरह **(ख)** सूर्य के इर्द-गिर्द **(ग)** एक दिन में
2. **सही कथन के सामने सही (✓) ओर गलत कथन के सामेन (✗) का निशान लगाइए-**
   (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**
   (क) खाने के लिए भोजन, श्वास लेने के लिए वायु, पीने के लिए जल, आवास बनाने हेतु सामग्री तथा सहनीय तापमान। **(ख)** जब कोई स्थान सूर्य-प्रकार में प्रवेश करने लगता है, तो वहाँ सूर्योदय होता है। लगभग छः घंटे बाद वह स्थान सूर्य के निकटतम होता है तो वहाँ दोपहर हो जाती है। अगले छः घंटे के बाद वह स्थान सूर्य-प्रकाश से बाहर जाने लगता है तो वहाँ सूर्यास्त हो जाता है। **(ग)** जब पृथ्वी का उत्तरी अथवा दक्षिण भाग सूर्य की ओर झुका रहता है तब सूर्य की ओर झुके हुए पृथ्वी के भाग में ग्रीष्म ऋतु होती है। **(घ)** जब पृथ्वी का उत्तरी अथवा दक्षिणी भाग सूर्य की ओर झुका रहता है जब इसके विपरीत सूर्य से परे हटे हुए भाग में शीत ऋतु होती है। **(ङ)** बंसत ऋतु शीत ऋतु के पश्चात् आती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **प्रत्येक को उसके अर्थ से मिलाइए-**
   (क) काफी **(ख)** लगातार **(ग)** तालमेल **(घ)** उपस्थित **(ङ)** सहने योग्य
3. **नीचे दी गई प्रत्येक पंक्ति किसके विषय में कही गई हैं?**
   (क) परिभ्रमण **(ख)** घूर्णन **(ग)** सूर्यास्त
4. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**
   (क) अप्रभाव - श्रुति पर मेरी बातें अप्रभावित साबित हुई। **(ख)** सरल, बच्चों के लिए खेलने का कार्य बहुत सरल होता है। **(ग)** असहनीय, यह पीड़ा मेरे लिए असहनीय है। **(घ)** मरण, मेरे लिए आज का दिन मरण समान है। **(ङ)** ग्रीष्म, ग्रीष्म ऋतु में ठंडे पदार्थों का सेवन करना चाहिए। **(च)** अस्पष्ट, पत्र में प्रत्येक शब्द अस्पष्ट था।
5. **निम्नलिखित शब्दों में विशेषण बनाइए-**
   भूगोल - रूचिकर, **पर्वत -** ऊँचा, **वर्षा -** खुशहाल, **शीत -** लहर, **दिन -** गर्म, **चक्र -** धर
6. **निम्नलिखित शब्दों का एक-एक समानार्थी शब्द लिखिए-**
   निरंतर - लगातार, **सौर-मंडल -** ग्रह, **कठिन -** जटिल, **आकाश -** आसमान, **वर्तमान -** उपस्थित, **रात्रि -** रात
7. **वे शब्दांश जो शब्द के पीछे लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, 'प्रत्यय' कहलाते हैं; जैसे-**
   सहनीय - सहन + ईय, **चक्रीय -** चक्र + ईय, **दैनिक -** दिन + इक, **स्मरणीय -** स्मरण + ईय, **वार्षिक -** वर्ष + इक, **प्रकाशित -** प्रकाश + इत
8. **निम्नलिखित संज्ञाओं से विशेषण बनाइए-**
   सर्प - सर्पिल, **फेन -** फेनिल, **स्वप्न -** स्वप्निल, **बोझ -** बोझिल, **पंक -** पंकिल, **स्नेह -** स्नेहिल
9. **शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए-**

(क) पृथ्वी और मंडल के आठ ग्रहों में से एक है। **(ख)** पृथ्वी पर वे सभी विद्यमान है। **(ग)** वहाँ दिन लंबे और राते छोटी होती हैं। **(घ)** रात के पश्चात् पुनः दिन आ जाता है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) आठ **(ख)** घूर्णन **(ग)** पृथ्वी की दैनिक गति तथा उसके गोल आकार के कारण हमें दिन तथा रात के मध्य का अंतर पता चलता है। **(घ)** सूर्य के इर्द-गिर्द यात्रा करते हुए पृवी के उत्तरी तथा दक्षिणी भागों में ऋतुएँ बदलती रहती हैं। इस गति के कारण सूर्य के निकट वाला ग्रीष्म ऋतु से युक्त भाग धीरे-धीरे सूर्य से दूर होता जाता है तथा शीत ऋतु वाला दूरस्थ भाग धीरे-धीरे सूर्य के निकट होता जाता है। फलतः ग्रीष्म ऋतु वाले भाग में गर्मी कम होती जाती है तथा वहाँ एक-सी (न अधिक गरमी तथा न अधिक ठंडी) ऋतु आ जाती है। इसे 'पतझड़' कहते हैं। शीत ऋतु वाले भाग में ठंड कम होती जाती है तथा वहाँ भी एक-सी ऋतु आ जाती है जिससे 'वसंत ऋतु' कहते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

2. **प्रत्येक को उसके अर्थ से मिलाइए-**

   (क) काफी **(ख)** लगातार **(ग)** तालमेल **(घ)** उपस्थित **(ङ)** सहने योग्य

3. **नीचे दी गई प्रत्येक पंक्ति किसके विषय में कही गई है?**

   (क) परिभ्रमण **(ख)** घूर्णन **(ग)** सूर्यास्त

4. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

   (क) अप्रभाव - श्रुति पर मेरी बातें अप्रभावित साबित हुई। **(ख)** बच्चों के लिए खेलने का कार्य बहुत सरल होता है। **(ग) असहनीय -** यह पीड़ा मेरे लिए असहनीय है। **(घ) मरण -** मरे लिए आज का दिन मरण समान है। **(ङ) ग्रीष्म -** ग्रीष्म ऋतु में ठंडे पदार्थों का सेवन करना चाहिए। **(च) अस्पष्ट -** पत्र में प्रत्येक शब्द अस्पष्ट था।

5. **निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए-**

   भूगोल - रूचिकर, **पर्वत -** ऊँचा, **वर्ष -** खुशहाल, **शीत -** लहर, **दिन -** गर्म, **चक्र -** धर

6. **निम्नलिखित शब्दों का एक-एक समानार्थी शब्द लिखिए-**

   निरंतर - लगातार, **सौर-मंडल -** ग्रह, **कठिन -** जटिल, **आकाश -** आसमान, **वर्तमान -** उपस्थित, **रात्रि -** रात

7. **वे शब्दांश जो शब्द के पीछे लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, 'प्रत्यय' कहलाते हैं; जैसे-**

   निम्नलिखित शब्दों में से शब्द तथा प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए-

   सहनीय - सहन + ईय, **चक्रीय -** चक्र + ईय, **दैनिक -** दिन + इक, **स्मरणीय -** स्मरण + ईय, **वार्षिक -** वर्ष + इक, **प्रकाशित -** प्रकाश + इत

8. **कुछ संज्ञाओं के विशेषण उनके अंत में 'इल' प्रत्यय के रूप में लगाने से बनते हैं; जैसे-**

   निम्नलिखित संज्ञाओं से विशेषण बनाइए-

   सर्प - सर्पिल, **फेन -** फेनिल, **स्वप्न -** स्वप्निल, **बोझ -** बोझिल, **पंक -** पंकिल, **स्नेह -** स्नेहिल

9. **शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए-**

   (क) पृथ्वी और मंडल के आठ ग्रहों में से एक है। **(ख)** पृथ्वी पर वे सभी विद्यमान है। **(ग)** वहाँ दिन लंबे और राते छोटी होती हैं। **(घ)** रात के पश्चात् पुनः दिन आ जाता है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

1. **पृथ्वी को अद्वितीय ग्रह इसलिए माना गया है कि उस पर जीवित रहने के लिए सब साधन उपस्थित हैं। इन साधनों के विषय में पाँच-छः वाक्य लिखिए।**

   स्वयं कीजिए।

2. **इंटरनेट के माध्यम से पृथ्वी की कार्य-प्रणाली के विषय में और अधिक जानकारी इकट्ठा कीजिए।**

   स्वयं कीजिए।

पाठ - 13
इतने ऊँचे उठो

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) गगन के **(ख)** स्वर्ग-सा **(ग)** नूतन **(घ)** कुरूप को

2. पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) इतने ऊँचे उठो कि जिनता उठा गगन है
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से
सिंचित करो धरा, समता की भाववृष्टि से

(ख) सूरज, चाँद, चाँदनी, तारे
सब है प्रतिपल सथ हमारे
दो कुरूप को रूप सलोना
इतने सुंदर बनो कि जितना आकर्षण है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कवि समाज में जाति और धर्म का भेद-भाव, काले-गोर का भेद-भाव मिटाना चाहता है तथा सभी को शीतल बनाना चाहता है। **(ख)** नए परिवर्तन करने के लिए हमें पुरानी परम्पराएँ बदलनी चाहिए। **(ग)** अपनी चाह से हम इस धरती को स्वर्ग बना सकते है। **(घ)** कवि ने सभी को समान बनने के लिए कहाँ है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

(क) मोह-माया का। **(ख)** समता का। **(ग)** ठंडी हवा। **(घ)** युग की। **(ङ)** जाति-पाति, काले-गोरे तथा धर्म का। **(च)** प्रेरणास्त्रोत।

3. निम्नलिखित पंक्तियों में शब्दों पर ध्यान दीजिए-

इन सभी में 'लय' या 'तुक' है। 'लय' एवं 'तुक' को कविता का प्रथम गुण माना जाता है। कविता में से तुकांत शब्द छाँटिए तथा नीचे लिखिए-

दृष्टि - भावदृष्टि, **वेश -** दृवेष, **सँवारो -** उभारो, **लाना -** बनाना

4. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

गगन - आकाश, **पवन -** हवा, **हरि -** भगवान, **हाथ -** हस्त, **चंद्रमा -** चाँद, **सूर्य -** सूरज

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) नया परिवर्तन। **(ख)** हाँ **(ग)** एक दृष्टि से देखने से कवि का तात्पर्य है कि सभी को बिना जाति-पाति के भेदभाव, धर्म आदि के भेदभाव बिना देखिए। **(घ)** नई मूर्ति-रचन पा का। **(ङ)** सूरज, चाँद, चाँदनी, तारे।

1. कुछ ऐसे उपाय लिखिए, जिनके समान में व्याप्त कुरीतियाँ मिट जाएँ?

स्वयं कीजिए।

2. कारण जानने का प्रयास कीजिए कि हमारे समान में ये सब कुरीतियाँ क्यों व्याप्त हैं?

स्वयं कीजिए।

3. आप यदि इस देश के प्रधानमंत्री होते तो भ्रष्टाचार, बाल-विवाह, दहेज-प्रथा, कन्या-भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों पर कैसे रोक लगाते तथा कैसे इन्हं मिटाते? नीचे लिखिए-

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 3

स्वयं कीजिए।

पाठ - 14
बूढ़ा कुत्ता

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (4) का निशान लगाओ-

(क) आँखों **(ख)** प्रहरी **(ग)** सेंध

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) करुण-सजल नेत्रों **(ख)** फटकार **(ग)** की ठंडी जमी **(घ)** गाँव, खेत **(ङ)** विधाता, विधान

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कुत्ता वृद्ध अवस्था में लेखक के पास आया था। **(ख)** अच्छा भोजन, घर-भर का प्यार और सुरक्षा पाकर धीरे-धीरे कुत्ते की दशा में सुधार आता

चला गया। **(ग)** घर में शादी होने के कारण सभी लोग थककर घोड़े बेचकर सो गए, उसी दौरान घर में चोरी हो गई। **(घ)** जहाँगीर और नूरजहां के नागों का उल्लेख चोरी होने के बाद वाले संदर्भ में किया गया है। इसके द्वारा यह बताया गया है कि घर का मालिक भले ही लेखक हो परंतु उसमें राज्य तो लेखक की पत्नी का ही चलता है। **(ङ)** स्वयं कीजिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. सही मिलान कीजिए-

(क) नेत्र **(ख)** देह **(ग)** कुत्ता **(घ)** पेट **(ङ)** रोएँ **(च)** किशोर

3. एक वाक्य में उत्तर लिखिए-

(क) कुत्ता **(ख)** पंजों से खरौंद-खरौंदकर **(ग)** शरीर से बदबू आने के कारण **(घ)** दुत्कारते-फटकारते **(ङ)** वफादारी की।

4. स्त्रोत के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं- तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी (आगत)। चार प्रकार के तीन-तीन शब्द लिखिए-

तत्सम - मस्तक, कर्ण, मुख

तद्भव - आग, सूरज, काम

देशज - खिड़की, जूता, पगड़ी

विदेशी - किताब, चम्मच, स्कूल

5. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण-विशेष्य छाँटकर सामने लिखिए-

(क) बहुत, दिनों **(ख)** समूची, देह **(ग)** अच्छा, भोजन **(घ)** ठंडी, जमीन **(ङ)** बहुत, जख्म

6. निम्नलिखित शब्दों में विलोम शब्द लिखिए-

कृतघ्न - कृतज्ञ, **सजल -** निर्जल, **प्रीति -** घृणा, **अपरिचित -** परिचित, **दुत्कार -** सत्कार, **असहय -** सहय

7. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

कुत्ता - खान, **करुणा -** दया, **शरीर** - देह, घाव - जख्म, **मुँह -** मुख, **मौत -** मृत्यु, **जमीन -** धरती, **गाँव -** ग्राम

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) रामवृक्ष बेनीपुरी **(ख)** इस पाठ के माध्यम से वृद्ध आस्था में आने वाली स्थिती की समस्या उठाई गई है। **(ग)** कुत्ते की अंत समय में समूर्चा देह में खौरा लग गया था, जिसे अपेन ही पंजों से खरौंद-खरौंदकर इसने सारे बदन में घाव कर लिये थे। इसका पेट भी खराब हो गया था। **(घ)** लेखक के मित्र ने कुत्ते के बारे में सलाह दी कि 'कुचिला खिला दीजिए, मर जाएगा।'' दुसरे ने सलाह दी कि 'पचास पैसे भी बर्बाद न होंगे, गोली से उड़ा देता हूँ।''

1. इस पाठ में अनेक विदेशी शब्दों का प्रयोग हुआ है। अंग्रेजी, उर्दू ओर फारसी के शब्दों की एक सूची बनाइए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 15
जीवनोपयोगी वृक्ष

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) प्राणवाहिनी शुद्ध वायु **(ख)** सच्चे **(ग)** दवा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) मानव, प्रकृति **(ख)** प्राणवाहिनी **(ग)** सच्चे **(घ)** बरगद **(ङ)** आम

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) पेड़ों को काटकर मनुष्य अपना नुकसान स्वयं ही कर रहा है क्योंकि इससे वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा कम तथा कार्बन-डाई-ऑक्साइड की मात्रा अधिक हो रही है। **(ख)** बरगद की सबसे बड़ी विशेषता है- इसकी शाखाओं से लटकती-झूलती जड़ें, जो जमीन में पहुँचकर धरती में समा जाती हैं और बरगद के मूल तने के सहयोगी के रूप में, पेड़ को और अधिक मजबूत व सघन कर देती हैं। **(घ)** बंदनवार और मंगल कलश में प्रयोग होने के कारण आम का वृक्ष हमारी संस्कृति और परंपरा से जुड़ा हुआ है। **(घ)** नीम की पत्तियों को सुखाकर कीटनाशक के रूप में उनका प्रयोग करते हैं। नीम के पत्ते, छाल तथा बीज सभी से दवा बनती है।

नीम की लड़की से फर्नीचर ओर दनकी छोटी टहनियों से बनते हैं दातौन। साबुन, मंजन बनाने के साथ त्वचा की बीमारियों का मलहम भी नीम से बनता है। **(ङ)** नारियल का पेड़ सारे वर्ष फल देता रहता है। इसी कारण इसे दक्षिण का कल्पवृक्ष माना जाता है। **(च)** गुलमोहर के फूल से भोजन की रंगत बढ़ाने वाला रंग तथा लड़की मुलायम होने के कारण उससे आभूषण बनाया जाता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

2. **जो शब्द मूल शब्दों के अंत में जुड़कर उनका अर्थ बदल देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।**

   नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं इनमें से मूल शब्द तथा प्रत्यय छाँटिए-

   शब्द - मूल शब्द प्रत्यय। **भारतीय** - भारत, ईय। **घबराहट** - घबरा, आहट। **चंचलता** - चंचल, ता। **पढ़ाई** - पढ़, आई। **बचपन** - बच, पन। **दुकानदार** - दुकान, दार।

3. **जो शब्दांश किसी शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं-**

   निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग जोड़कर लिखिए-

   अवसर - सु, सुअवसर। **योग** - सु, सुयोग। **जान** - बे, जान। **मान** - अप, अपमान। **बल** - निर् + निर्बल। निर्बल - निर् + निर्बल।

4. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

   वायु - हवा, **आँख** - नयन, **सौंदर्य** - सुंदर, **धरती** - भूमि, **राजा** - भूपेश, **सुबह** - प्रातः, **सड़क** - मार्ग, **मित्र** - सखा

5. **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

   बसेरा - मानव ने आदिकाल से ही स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ों को अपना बसेरा बनाया था। **अभिन्न** - नारियल हमारी संस्कृति एवं परंपरा से अभिन्न रूप से जुड़ा है। **प्रांगण** - अपने प्रांगण में सभी को आश्रय देने वाले बरगद को देश की एकता का प्रतीक माना गया है। **पूज्य** - पीपल के वृक्ष को पूज्य माना जाता है। **प्रयुक्त** - गाँव में खंभों या गाड़ियों में प्रयुक्त किया जाता है। **विशालकाय** - विशालकाय वृक्ष बरगद अपनी बाहों को फैलाए हुए अनजाने में ही हम सबको अपनाने का मूल मंत्र देता है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) वृक्ष हमें भोजन, ईंधन, वस्त्र, छाया, औषधि, कागज, पेंसिल, रबर, गोंद, कोयला आदि प्रदान करते हैं। **(ख)** बरगद की सबसे बड़ी विशेषता है- इसकी शाखाओं से लटकती-झूलती जड़ें, जो जमीन में पहुँचकर धरती में समा जाती हैं और बरगद के मूल तने के सहयोगी के रूप में, पेड़ को और अधिक मजबूत व सघन कर देती है। **(घ)** नीम की पत्तियों को सुखाकर कीटनाशक के रूप में उनका प्रयोग करते हैं। नीम के पत्ते, छाल तथा बीज सभी से दवा बनती है। नीम की लकड़ी से फर्नीचर ओर उनकी छोटी टहनियों से बनते हैं दातौन। साबुन, मंजन बनाने के साथ त्वचा की बीमारियों का महहम भी नीम से बनता है। **(ङ)** नारियल का पेड़ सारे वर्ष फल देता रहता है। इसी कारण इसे दक्षिण का कल्पवृक्ष माना जाता है। **(घ)** गुलमोहर के फूल से भोजन की रंगत बढ़ाने वाला रंग तथा लड़की मुलायम होने के कारण उससे आभूषण बनाया जाता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

2. **नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं इनमें से मूल शब्द तथा प्रत्यय छाँटिए-**

   भारतीय - भारत, ईय, **घबराहट** - घबरा, आहट। **चंचलता** - चंचल, ता। **पढ़ाई** - पढ़, आई। **बचपन** - बच, पन। **दुकानदार** - दुकान, दार।

3. **निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग जोड़कर लिखिए-**

   अवसर - सु, सुअवसर। **योग** - सु, सुयोग। **जान** - वे, जान। **मान** - अप, अपमान। **बल** - निर् + निर्बल। **निर्बल** - निर् + निर्बल।

4. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

   वायु - हवा, **आँख** - नयन, **सौंदर्य** - सुंदर, **धरती** - भूमि, **राजा** - भूपेश, **सुबह** - प्रातः,

सड़क - मार्ग, **मित्र** - सखा

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

बसेरा - मानव ने आदिकाल से ही स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ों को अपना बसेरा बनाया था। **अभिन्न** - नारियल हमारी संस्कृति एवं परंपरा से अभिन्न रूप से जुड़ा है। **प्रांगण** - अपने प्रांगण में सभी को आश्रय देने वाले बरगद को देश की एकता का प्रतीक माना गया है। **पूज्य** - पीपल के वृक्ष को पूज्य माना जाता है। **प्रयुक्त** - गाँव में खंभों या गाड़ियों में प्रयुक्त किया जाता है। **विशालकाय** - विशालकाय वृक्ष बरगद अपनी बाहों को फैलाए हुए अनजाने में ही हम सबको अपनाने का मूल मंत्र देता है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) वृक्ष हमें भोजन, ईधन, वस्त्र, छाया, औषधि, कागज, पेंसिल, रबर, गोंद, कोयला ओर प्रदान करते हैं। **(ख)** बरगद की सबस बड़ी विशषता है- इसकी शाखाओं से लटकती-झूलती जड़ें, जो जमीन में पहुँचकर धरती में समा जाती हैं और बरगद के मूल तने के सहयोग के रूप में, पेड़ को और अधिक मजबूत व सघन कर देती है। **(ग)** भारत किा राष्ट्रीय वृक्ष बरगद तथा राष्ट्रीय फल आम को माना जाता है। **(घ)** महात्मा बुद्ध को महाप्रयाण की प्राप्ति पीपल के वृक्ष के नीचे ही बैठकर हुई थी। इसी कारण बौद्ध लोगों के लिए पीपल के वृक्ष का विशेष महत्व है।

1. अपने आसपास से विभिन्न प्रकार की पत्तियाँ एकत्रित कीजिए तथा उनके बारे में अपनी अध्यापिका से जानकारी प्राप्त कीजिए।

स्वयं कीजिए।

2. पेड़े-पौधों से संबंधित कविताएँ, मुहावरे कहावतें तथा लोकोक्तियाँ एकत्रित कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 16
सूर के पद

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) पठायो **(ख)** लपटायो **(ग)** माहिं

2. निम्नलिखित पदों को पूर्ण कीजिए-

(क) भोर भयो गैयन के पीछे, मधुबन मोहि पठायो।

चार पहर बंसी बन भटक्यौ, माँझ परे घर आयो।

(ख) तू माता मन की अति भोरी, इनको कहे पतियायो।

जिय तेरे कछु भेद उपजि हैं, जानि परायो जायो।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कृष्ण अपनी माँ को भोली कहते हैं क्योंकि वह आसानी से उनकी बातों में आ जाती है। **(ख)** वे गेंद को पैरों से मारकर तथा उसे रोकर खेल रहे थे। **(ग)** श्री कृष्ण बहुत ही नटखट, शरारती तथा सबका मन मोहने वाले थे। **(घ)** स्वयं कीजिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. सही मिलान कीजिए-

(क) माँ **(ख)** शाम **(ग)** भोली **(घ)** कुछ (ङ) यमुना

3. निम्नलिखित पदों के भावार्थ लिखिए-

(क) प्रस्तुत भावार्थ में सूरदास ने श्री कृष्ण की शरारतों का वर्णन करते हुए लिखा है कि जब सभी ग्वाल-बाल यशोदा मैया के पास कृष्ण के माखन चुराने की शिकायत करने आते हैं तक श्री कृष्ण बड़ी सरलता से कहते हैं कि मैया मेरी छोटी-छोटी बाहें छत पर लटकी हुई वस्तुओं को कैसे छू सकती हैं। मैंनें कोई माखन नहीं चुराया है। ये सब ग्वाल-बाल मुझसे शत्रुता करते हैं इसलिए अपनी शत्रुता निकालने के लिए उन्होंने मेरे मुख पर माखन लगा दिया है। **(ख)** प्रस्तुत दोहे के अनुसार सूरदास ने श्रीकृष्ण के अपने सखा के साथ खेलने का वर्णन किया है कि वे सब गेंद को मार-मार कर खेल रहे हैं। एक गेंद को अपने पैर से मारता है तथा दूसरा भागकर उसे रोकता है। आपस में सभी गेंद कोइस प्रकार मार-मार कर मन ही मन अति आनंदित हो रहे हैं।

4. निम्नलिखित के लिए एक शब्द लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) (गायक) शीला की बहन गायिका है। **(ख)**

(लेखक) विलियम शेक्सपीयर एक महान लेखक थे। **(ग)** (सुरीला) कोयला बहुत सही सुरीला गाती है। **(घ)** (जन्मांध) सूरदास जन्मांध थे। **(ङ)** (अदृश्य) कुछ वस्तुएूं अदृश्य होती हैं। **(च)** (प्रत्यक्ष) प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। **(छ)** (रसीला) आम एक रसीला फल है। **(ज)** (रसहीन) रसहीन फल कम खाने चाहिए।

5. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-**
गायक - गायिका, **पंडित -** पंडिताइन, **युवक -** युवती, **शिक्षक -** शिक्षिका, **वीर -** वीरांगना, **डिब्बा -** डिब्बी, **बूढ़ा -** बुढ़िया, **बकरा -** बकरी, **बलवान -** बलवती, **अध्यापक -** अध्यापिका

6. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-**
(क) राधा भोर होने से पहले उठ जाती है। **(ख)** बच्चे साँइन को खेलने जाते हैं। **(ग)** कार्य पूर्ण होने पर आनंद की अनुभूति होती है। **(घ)** अपने मन को सदैव शांत रखना चाहिए। **(ङ)** सौम्या हर कठिनाई का उपाय स्वयं खोजती है।

7. **निम्नलिखित शब्दों के सही हिंदी रूप लिखिए-**
मैया - माँ, **मौरी -** मेरी, **माखन -** मक्खन, **बन -** जंगल, **भोरी -** भोली, **जिय -** मन, **रोकत -** रोकना, **स्याम -** कृष्ण

8. **निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-**
माखन - म् + आ + ख् + न्। **मधुबन -** म् + अ + ध् + उ + ब् + अ + न्। **विधि -** व् + इ + ध् + इ। **परस्पर -** प् + अ + र् + स + प् + अ + र्। **आनंद -** अ् + आ + न् + अं + द् + अ। स्याम - स् + य् + आ + म्। **उपाय -** उ् + य् + आ + य्

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कृष्ण अपनी माँ से कह रहे हैं कि उन्होंने माखन नहीं चुराया। **(ख)** कृष्ण तर्क दे रहे है कि उनकी छोटी-छोटी बाँहे छत पर लटकी वस्तु को कैसे छू सकती हैं। **(ग)** खेलते-खेलते कृष्ण अपेन साथियों को नदी के पास ले गए। **(घ)** कृष्ण अपनी माता पर आरोप लगाते हैं कि वह अपने मन की बातों पर ही विश्वास कर रही हैं। उनकी बातों पर तो उन्हें विश्वास हो ही नहीं रहा है।

पाठ - 17
आजादी के परवाने

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-**
(क) चंद्रशेखर आजाद को **(ख)** हिंसा का **(ग)** 23 मार्च, 1931 को

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
(क) बलिदान, शासन **(ख)** संगठनकर्त्ता **(ग)** लाहौर **(घ)** उनके पीछे **(ङ)** कोहराम मच

3. **सही कथन के सामने सही (✔) और गलत कथन के सामने गलत (✘) का निशान लगाइए-**
(क) ✔ **(ख)** ✔ **(ग)** ✘ **(घ)** ✔ **(ङ)** ✔

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**
(क) लाठी चलाने का आदेश देने वाले अंग्रेज पुलिस कांतिकारियों की गोली से मारा गया। इस कांड में चंद्रशेखर आजाद, भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरू आदि ने भाग लिया। फिर दिल्ली के असेंबली हॉल से, अंग्रेज शासकों का दिल दहलाने के लिए बम फेंका गया। बम फेंकने वाले थे- भगतसिंह और सुखदेव, राजगुरु, बटुकेश्वर दत्त और क्रांतिकारियों पर मुकदमा चलाया गया। (ख) लाला लाजपतराय के सीने पर लाठियों लगने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। **(ग)** चंद्रशेखर आजाद ने अंग्रेजी सरकार के विरूद्ध स्वतंत्रता संघर्ष में बढ़कर हिस्सा लिया तथा अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। **(घ)** सन् 1931 का 23 मार्च का दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में प्रसिद्ध हो गया क्योंकि इस दिन भारत में अपने इतिहास में प्रसिद्ध हो गया क्योंकि इस दिन भारत में अपने तीन क्रांतिकारी जवानों को खो दिया था। **(ङ)** यह पाठ हमें अपने देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए प्ररित करते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए।**
स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित शब्दों का उदाहरण के अनुसार रूप बदलिए-

गोली - गोलियाँ, गोलियों। **लाठी** - लाठियाँ, लाठियों। **हड़ताल** - हड़तालें, हड़तालों। **कोठरा** - कोठरियाँ, कोठरों। **गली** - गलियाँ, गलियों। **चाल** - चाले, चालों।

3. निम्नलिखित शब्दों में से शब्द और उपसर्ग अलग-अलग करके लिखिए-

अभाव - भाव, अ। **अनशन** - शन्, अन। **सशस्त्र** - शस्त्र, स। **अपूर्व** - पूर्ण, अ। **सक्रिय** - क्रिय, स। **बेहद** - हद, बे

4. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए और इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) किसी मुश्किल कार्य की शुरूआत करना।, क्रांतिकारियों ने अपने देश की आजादी के लिए सिर पर कफन बाँध लिया। **(ख)** तुरंत होना।, रिया तो अपना कार्य पलक झपकते ही समाप्त कर लेती है। **(ग)** शोर मच जाना।, मिस्टर शर्मा की कक्षा में बच्चों ने कोहराम मचा रखा है।, **(घ)** कर्फ्यू में रमेश ने अपेन मित्र को अपनी जान की बाजी लगाकर बचाया।

5. निम्नलिखित शब्दों में हिंदी रूप लिखिए-

आजाद - स्वतंत्र, **लागू** - लगने या प्रयोग में आने योग्य, **बेरहमी** - निर्दयता, **फैसला** - न्याय, **सजा** - दंड, **पलटन** - पैछल सेना, **तारीख** - दिनांक, **मनहूस** - सबसे बुरा, **सरफरोशी** - सिर कटवाना, **तमन्ना** - इच्छा

6. शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए-

(क) इसमें देश के लिए मद मिटने की भावना है। **(ख)** आंदोलन से अंग्रेजों का शासन हिल उठा। **(ग)** पर वे लाहौर में काफी सक्रिय थे। **(घ)** देशवासियों का खून खोलने लगा। **(ङ)** समूचे देश में कोहराम मचा गया।

7. निम्नलिखित योजक शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) अमित और सुमि दोनों मित्र है। **(ख)** अंग्रेज सरकार ने कानून का ताक पर रख दिया। **(ग)** आप पहुँच तो गए किंतु देर कर दी। **(घ)** सुरेश, राम तथा रहीम अपने घर चले गए। **(ङ)** प्रीति हरा-भरा पेड़ अच्छा लगता है या सूखा? **(च)** साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाती हुई बकरी बेचारी ढेर हो गई अथवा मर गई।

8. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए-

शोक - अशोक, **बल** - दुर्बल, **पुत्र** - सुपुत्र, **देश** - विदेश, **मल** - निर्मल, **जल** - निर्जल, **चल** - अचल, **गंध** - सुगंध, **संग** - कुसंग, **आशा** - निराशा

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) 'बंसती चोला' शब्द देश के लिए बलिदान हो जाने को सूचित करता है। **(ख)** चंद्रशेखर आजाद, भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु, बटुकेश्वर, दत्त आदि। **(ग)** 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' का संगठन 1928 में कुछ परवानों ने किया। **(घ)** चंद्रशेखर आजाद का जीते जी अंग्रेजों के हाथ न आने का प्रण था। **(ङ)** गणेश शंकर विद्यार्थी सांप्रदयिक एकता बनाए रखने के प्रयास में धर्मांध भीड़ के हाथों शहीद हो गए।

1. क्रांतिकारियों के जीवन के प्रसंग पुस्तकालय से लेकर पढ़िए।

(क) स्वयं कीजिए।

2. काला पानी किस स्थान को कहा जात है? आजकल उसका क्या नाम है? इसके बारे में भी पता कीजिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 4

स्वयं कीजिए।

शैक्षिक मूल्यांकन - 2

1. सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए-

(क) सहिजन का **(ख)** योद्धा **(ग)** लट्टू की तरह **(घ)** सेंध **(ङ)** सच्चे

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(क) बरगद **(ख)** कोहराम मच **(ग)** शक्ति क्षीण **(घ)** वेद्यशाला **(ङ)** कुसुमपुर

3. सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत के

सामने गलत (✗) का निशान लगाइये-

(क) ✔ **(ख)** ✔ **(ग)** ✔ **(घ)** ✔ **(ङ)** ✔

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

(क) गाँधीजी के विचारों के द्वारा आत्मनुशासन से समय पर काम करने की आदत आती है। **(ख)** लाला लाजपतराय के सीने पर लाठियाँ लगने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। **(ग)** बरगद की सबसे बड़ी विशेषता है- इसकी शाखाओं से लटकती-झूलती जड़ें, जो जमीन में पहुँचकर धरती में समा जाती हैं और बरगद के मूल तने के सहयोगी के रूप में, पेड़ को और अधिक मजबूत व सघन कर देती हैं। **(घ)** कुत्ता वृद्ध अवस्था में लेखक के पास आया था। **(ङ)** ठंडी हवा

व्याकरण-ज्ञान

1. नीचे दिये गये शब्दों से मूल शब्द प्रत्यय अलग करिये-

(क) भारत, ईय **(ख)** घब ट्ट आहट **(घ)** पढ़, आई **(ङ)** बच, पन

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिये-

वायु - हवा, **आँख -** नेत्र, **सौंदर्य -** सुंदर, **सुबह -** प्रातः, **सड़क -** मार्ग, **मित्र -** सखा

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-

गायक - गायिका, **पंडित -** पड़िताइन, **बलवान -** बलवती, **वीर -** वीरांगना, **शिक्षक -** शिक्षिका

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिये-

माखन - म् + आ + ख् + अ + न् + ईय। **मधुबन -** म् + अ + ध् + ऊ + ब् + अ + न्। **उपाय -** उ् + ष् + आ + य्। **विधि -** व् + इ + ध् + इ। **परस्पर -** प् + अ + र् + स् + प् + अ + र।

संस्कार - 7

पाठ - 1
प्रार्थना

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) ईश्वर **(ख)** मानव का **(ग)** प्रातःकाल

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) जग-जीवन में जो चिर-महान्
सौंदर्यपूर्ण और सत्य-प्राण।

(ख) जिससे जीवन में मिले शक्ति,
छूटे, भयसंशय, अधंभक्ति।

(ग) ला सकूँ विश्व में एक बार,
फिर से नव जीवन का विहान

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) प्रस्तुत कविता में कवि संपूर्ण मानव-जाति का कल्याण करने की कामना करता हे। **(ख)** जीवन में शक्ति पाने के लिए कवि भय, संशय और अंधभक्ति से छुटकारा चाहता हे। **(ग)** कवि अखिल व्यक्ति जैसा बनने के लिए कह रहा है। **(घ)** अमर दान पाकर समस्त मानव जाति का कल्याण हो सकता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

(क) प्राण **(ख)** भक्ति **(ग)** संशय **(घ)** परित्राण **(ङ)** निखिल

3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ईश्वर में संपूर्ण व्यक्ति जैसा प्रकाश बनने की इच्छा प्रकट कर रहा है।

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

अमर - अजर, **भय -** अभय, **समय -** असमय, **हित -** अहित, **जीवन -** मृत्यु, **प्रकाश -** अंधकार

5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए-

जीवन - प्राण, जीविका। शक्ति - बल, बहादुरी। **प्रकाश -** उजाला, रोशनी। **मानव -** इंसान, मनुष्य। **नाथ -** ईश्वर, भगवान। **प्रभु -** ईश्वर, विधाता।

6. निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय जोड़कर लिखिए-

भय - भयहीन, **मानव -** मानवता, **प्रभु -** प्रभुता, **शक्ति -** शक्तिवान, **मनुज -** मनुजत्व, **विश्व -** विश्वता

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) श्री सुमित्रानंदन पंत। **(ख)** सौंदर्यपूर्ण तथा सत्यप्राण। **(ख)** सौंदर्यपूर्ण से आशय पूर्ण रूप से सुंदर तथा सत्यप्राण से आशय सत्य के लिए प्राण देने से है। **(घ)** नए जीवन का आंरभ।

1. कविता को कंठस्थ कीजिए और लयपूर्वक कक्षा में सुनाइए।

स्वयं कीजिए।

2. कविता के भावों को समझिए और स्वामी विवेकानंद के दर्शन से उनकी तुलना कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 2
ममता

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) शोण **(ख)** विक्रमादित्य ने **(ग)** अष्टकोण मंदिर

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) शोण, प्रवाह **(ख)** अनुचर **(ग)** सोना **(घ)** असमर्थ **(ङ)** सत्तर वर्ष

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) ममता विधवा थी तथा रोहतास दुर्गपति के मंत्री चूड़ामणि की अकेली दुहिता थी। **(ख)** चूड़मणि की चिंता का कारण उनकी विधवा पुत्री ममता थी। **(ग)** मुगल सैनिक ने ममता की कुटिया में आश्रय पाया। **(घ)** सैनिकों से बचने के लिए ममता मृगदाव में चली गई।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **किसने कहा-**
   (क) चूड़ामणि ने **(ख)** ममता ने **(ग)** मुगल ने **(घ)** पथिक **(ङ)** ममता ने
3. **निम्नलिखित शब्दों में सही शब्द पर (↳) का निशान लगाइए-**
   प्रकोष्ठ, विकीर्ण, भग्नावेष, क्लिष्ट, पतन्मोमुख
4. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचान कर उन्हें उचित स्थान पर लिखिए-**
   पुंल्लिग - सैनिक, अनुचर, दुर्ग, आश्रय, उपहार
   स्त्रीलिंग - विधवा, सहभागिनी, झोपड़ी, स्मृति, कीर्ति
5. **तुम कौन हो?**
   निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए-
   (क) कोई **(ख)** इतना **(ग)** वहीं **(घ)** तुम्ही **(ङ)** वही **(च)** किससे
6. **निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-**
   विधवा - व् + इ + ध् + अ + व् + अ। **चूड़ामणि -** च् + ऊ + ड़् + आ + म् + ण + ई। **मुगल -** म् + उ + ग! + अ + ल् + अ। **शेरशाह -** श् + ए + र + अ + श् + आ + ह् + अ। **कुटिया -** क् + उ + ट् + इ + य् + आ। **अगंतुक -** अ् + ग् + न् + त् + उ + क् + अ।
7. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-**
   संध्या - प्रातः, **सेवक -** मालिक, **वेदना -** संवेदना, **विधवा -** ब्याहता, **संभव -** असंभव, **आर्य -** अनार्य, **स्वस्थ -** अस्वस्थ, **साधारण -** असाधारण

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) ममता ने अपने पिता को स्वर्ण उपहार लेने से मना कर दिया क्योंकि वे ब्राह्मण थे और यह उनके लिए अनर्थ था। **(ख)** ममता ने मुगल सैनिक को शरण इसलिए दी क्योंकि वह अपने अतिथिदेव की उपासना का पालन **(ग)** हुमायूँ ने कुटिया से जाते समय ममता का घर बनाने का आदेश दिया था। **(घ)** मुगल सैनिक ममता की कुटिया के पास चित्र लेकर ममता का घर ढँढने आए थे, यह पता लगाने कि शहंशाह हुमायूँ किस छप्पर के नीचे आकर बैठे थे। **(ङ)** हुमायूँ का पुत्र अकबर था। उसने ममता के घर बनवाने के आदेश का पालन किया तथा उसने उनकी स्मृति में गगनचुंबी मंदिर बनवाया।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) ममता ने अपने पिता को स्वर्ण उपहार लेने से मना कर दिया क्योंकि वे ब्राहम्ण थे और यह उनके लिए अनर्थ था। **(ख)** ममता ने मुगल सैनिक को शरण इसलिए दी क्योंकि वह अपने अतिथिदेव की उपासना का पालन करना चाहती थी। **(ग)** हुमायूँ ने कुटिया से जाते समय ममता का घर बनाने का आदेश दिया था। **(घ)** मुगल सैनिक ममता की कुटिया के पास चित्र लेकर ममता का घर ढूँढ़ने आए थे, यह पता लगाने कि शंहशाह हुमायूँ किस छप्पर के नीचे आकर बैठे थे। **(ङ)** हुमायूँ का पुत्र अकबर था। उसने ममता के घर बनवाने के आदेश का पालन किया तथा उसने उनकी स्मृति में गगनचुंबी मंदिर बनवाया।

पाठ - 3

सफाई का महत्व

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-**
   (क) समाजसेवी **(ख)** मच्छरों से **(ग)** मलेरिया
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
   (क) मच्छर **(ख)** कूड़ा **(ग)** मुहूर्त **(घ)** मच्छर **(ङ)** हम सब
3. **सही कथन के सामने (✔) और गलत कथन के सामने (✘) का निशान लगाइए-**
   (क) ✔ (ख) ✔ (ग) ✔ (घ) ✔ (ङ) ✘
4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**
   (क) दादा जी ने मौसम के विषय में कहा कि रामचंद्र जी के समय में वर्षा के बाद मौसम कैसा सुंदर हो जाता है। **(ख)** रामराज्य से अभिप्राय है, उस काल में नदियों और पोखरों का जल निर्मल यानी साफ हो जाता था। न कहीं कीचड़ रहती थी और न कोई गर्द। कीचड़ नहीं रहती थी तो मच्छर भी नहीं होते मच्छर नहीं थे तो कोई बीमार भी नहीं

पड़ता था। **(ग)** मच्छर बीमारियों के दूत होते हैं। **(घ)** चौधरी के घर के सामने बड़ा गड्ढा था। (ङ) मच्छर के कारण मलेरिया बिमारी होती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए-

(क) पर, की, का **(ख)** में, का **(ग)** के लिए **(घ)** के **(ङ)** से

3. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

(क) जल **(ख)** ऋतु **(ग)** काम **(घ)** चादर **(ङ)** व्यक्ति

4. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय ढूँढ़कर लिखिए-

(क) जगह-जगह कूड़े का, ढेर लगा है **(ख)** वह इस समय रामायण, पढ़ रहा है। **(ग)** मच्छर, बीमारियों के दूत होते हैं। **(घ)** मलेरिया ठीक आपके घर के आगे, रहता है **(ङ)** आने-जाने वाले उन्हें अचरज से, देखते हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) गंगा एक पवित्र नदी है। **(ख)** मच्छर बीमारियों के दूत होते हैं। **(ग)** सरपंच के घर के आगे दो-तीन गड्ढे है। **(घ)** युवक एक फावड़ा लेकर आयां **(ङ)** युवक एक बुहारी भी लेकर आया। **(च)** सपंच का बच्चा बीमार हो गया।

6. रिक्त स्थान में सर्वनाम का शुद्ध रूप लिखिए-

(क) हमारे **(ख)** मुझे **(ग)** उसके **(घ)** उसे **(ङ)** मैं

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) पाठ में गाँव का दृश्य है और वहाँ दादा रामायण पढ़ रहे हैं। **(ख)** रामचंद्र जी के समय वर्षा के बाद मौसम सुंदर हो जाता था। **(ग)** वर्षा आज भी होती है, शरद ऋतु भी आती है। पर न कीचड़ दूर होती है, न गर्द। पानी जगह-जगह गड्ढों में भर जाता है। लोग उसी में कूड़ा डालते हैं और फिर मच्छर पैदा होते हैं। **(घ)** मच्छर बीमारियों के दूत होते हैं। बीमारियाँ उनके कंधों पर बैठकर आती है। इसीलिए मच्छर हमें बड़ा प्यार करते हैं। वे किसी से भेदभाव नहीं करते। सबको एक जैसा चाहते हैं और हमारा मन लुभाने के लिए गाना गाते हैं। **(ङ)** गंदगी दूर करने के लिए गाँव वालों ने गाँव का कूड़ा जंगलों में डालना आरंभ कर दिया, सभी गड्ढे भर दिए तथा सड़के साफ करने लगे। **(च)** चौधरी के घर जाकर दादा ने उससे गड्ढे के विषय में सवा ल किए। **(छ)** चौधरी ने गड्ढा स्वयं बंद कर दिया क्योंकि उसके बेटे को मलेरिया हो गया था।

1. आप अपने नगर से बीमारियों को दूर रखने के लिए क्या-क्या कदम उठाएँगे? अपनी अभ्यास-पुस्तिक में लिखिए।

स्वयं कीजिए।

2. 'रामराज्य' स्थापित करने से गाँधी का क्या अभिप्राय था? अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 4
उद्यमी नर

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) श्रम की **(ख)** भुजबल से **(ग)** रामधारी सिंह 'दिनकर'

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) इतना कुछ है भरा विभव का
निज इच्छित सुख-भाग सहज

(ख) ब्रहमा से कुछ लिया भाग में मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने भुजबल से ही पाया

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) कवि के अनुसार प्रकृति के भीतर छिपे खजाने को कठिन परिश्रम करने वाला पुरूष ही प्राप्त कर सकता है। **(ख)** मनुष्य अपेन भुजबल से स्वयं अपने भाग्य का निर्माण कर सकता है। **(ग)** भाग्यवाद के विरोध में कवि ने र्त दिए हैं कि यह पाप का आवरण तथा शोषण का शस्त्र में जिसमें एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का भाग दबाकर रखता है। **(घ)** सुख पाने का पहला अधिकार कठिन परिश्रम करने वाले की है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) ईश्वर **(ख)** पाया **(ग)** उगल **(घ)** पानी **(ङ)** छल

3. निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से रामधारी सिंह 'दिनकर' ने कहा है कि ईश्वर ने मनुष्य के लिए सभी तत्व आवरण (भूमि) के नीच छिपा रखे हैं तथा कठिन-परिश्रमी मनुष्यों ने उन्हें अपने संघर्षों से बाहर निकाल लिया है। **(ख)** निम्न पंक्तियों के माध्यम से 'दिनकर' जी ने उद्यमी नर के कठिन परिश्रम के पश्चात् यह कहा है कि जिसने कठिन परिश्रम करके अपना पसीना बहाकर कोई कार्य किया है तो उसे उसका प्रतिफल लेने के लिए पीछे मत रहने दो। ईश्वर की जिस प्रकृति को उसके अपने परिश्रम से परिजित किया है सबसे पहले सुख पाने का अधिकार तो उसी का है।

4. निम्नांकित शब्दों से 'वि' उपसर्ग अलग करके लिखिए-

वियोग - योग, **विकार** - कार, **विनम्र** - नम्र, **विलाप** - लाप, **विहार** - हार, **विशेष** - शेष

5. निम्नलिखित शब्दों के समनार्थी शब्द लिखिए-

निज - अपना, **नर** - मनुष्य, **ईश्वर** - भगवान, **धरती** - मातृभूमि, **धरती** - पृथ्वी, **उद्यमी** - कर्मण्य

6. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए वाक्य-भेद के अनुसार बदलिए-

(क) वाह! सूरज का लाल गोला दिखाई पड़ा। **(ख)** मैं पुस्तक नहीं पढ़ रहा हूँ। **(ग)** मोहन क्या खेल रहा है। **(घ)** शायद, आज वर्षा होगी। **(ङ)** तुम कम दिल्ली जाओ।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

स्वयं कीजिए।

2. 'मनुष्य अपने भाग्य का विधाता स्वयं है।' इस विषय के पक्ष-विपक्ष में अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 1

स्वयं कीजिए।

पाठ - 5
रोशनी

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) कारगिल **(ख)** जवानों की **(ग)** मेमने को **(घ)** रोशनी

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) घाटी **(ख)** प्रकृति, कारगिल **(ग)** रोशनी **(घ)** आँगन **(ङ)** पशु-प्रेम, आत्मविभोर

3. सही कथन के सामने (✔) का तथा गलत कथन के सामने (✘) का निशान लगाइए-

(क) ✘ **(ख)** ✔ **(ग)** ✔ **(घ)** ✘ **(ङ)** ✔

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) सूरज की गरमी से कारगिल का मौसम खुशनुमा होता था। **(ख)** अचानक पहाड़ों के पीछे गरजती तोपों की आवाज़ें धीरे-धीरे पास आने लगीं। शाहीन चिंतित हो उठी शाहीन ने आसमान की ओर नज़र उठाई। काले, भूरे रंग के बादल घिरते आ रहे थे। वह चिंतित थी कि जुनैद कब आएगा। **(ग)** रोशनी ने मेमने को बचाया क्योंकि दुश्मनों की गोलियाँ आँगन की कमज़ोर मिट्टी को छेद रही थी। **(घ)** प्रस्तुत कहानी हमें यह संदेश देती है कि हमें पशु-पक्षियों के साथ प्रेम तथा दया की भावना रखनी चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. उचित कारक-चिह्नों द्वारा वाक्य पूर्ण कीजिए-

(क) के, से **(ख)** की, के **(ग)** से **(घ)** ने, की **(ङ)** में, की

3. शब्दों को शुद्ध करके दोबारा लिखिए-

कारगील - कारगिल, **भोजन** - भोजन, **नीयामत** - नियामत, **सानती** - शांति, **सहिबर** - साहिब, **कोसीश** - कोशिश, **चोकी** - चौकी, **मुरच्छित** - मूर्च्छित

4. विलोम शब्द लिखिए-

ऋणी - दानी, **ठंडक** - गरम, **सुंदर** - कुरूप, **वीरता** - कायरता, **कमज़ोर** - ताकतवर, **भय** - अभय

5. निम्नलिखित वाक्यों में सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्यों को पहचान कर उनके नाम लिखिए-

(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** सरल वाक्य **(ग)** संयुक्त वाक्य **(घ)** मिश्र वाक्य **(ङ)** मिश्र वाक्य **(च)** सरल वाक्य **(छ)** संयुक्त वाक्य **(छ)** सरल वाक्य

मौखिक प्रश्न

(क) प्रकृति की सुंदरता चारों ओर कागिर की घाटी में बिखरी हुई थी। **(ख)** शाहीन के मन में भारतीय जवानों के प्रति भरोसा था तथा वह सोचती थी। **(ग)** रोशनी जनैद और शहीन की बेटी था **(घ)** फातिमा बुआ ने खिड़की-दरवाजे बंद करने की हिदायत दी क्योंकि चौकी पर जंग छिड़ गई थी। **(ङ)** नन्हीं रोशनी ने मेमने को बचाया। **(च)** रोशनी को जब होश आया तो उसने कहा कि माँ मेमना कैसा है।

कारगिल के युद्ध के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 6
पिता का पत्र

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) पाँच **(ख)** जमींदार को **(ग)** भगवान

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) पाँच दर्जे **(ख)** भूखों मर **(ग)** मंदिर, पुजारी **(घ)** प्रजा, धोखा **(ङ)** मरने के बाद, देवताओं

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) पुजारी लोग प्रजा को ठगते ओर धोखा देते थे, लेकिन इनके साथ कई बातों में उनकी मदद भी करते ओर उन्हें आगे भी बढ़ाते थे। **(ख)** उस जमाने में शायद लोगों को यह ख्याल न था कि ईश्वर एक है या वह कोई बड़ी ताकत है, जैसा लोग आज समझते हैं। वे सोचते होंगे कि बहुत-से देखता और देवियाँ हैं, जिनमें शायद-कभी लड़ाइयाँ भी होती हों। अलग-अलग शहरों और मूल्कों के देवता भी अलग-अलग होते थे। **(ग)** किसान की कमाई का बड़ा हिस्सा आदमी के हाथों में पड़ जाता था। खासकर राजा ओर दर्जे के दूसरे आदमियों और अमीरों के हाथ, उसकी टोली के दूसरे लोग जिनमें दरबारी भी शामिल थे, उन्हें बिल्कुल चूस लेते थे। (घ) यह पत्र नेहरू जी ने अपनी पुत्री इंदिरा को लिखा है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. सही मिलान कीजिए-

(क) आदमी **(ख)** जमीन **(ग)** पुजारी **(घ)** पूजारी **(ङ)** पुजारी

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

मुश्किल - परेशानी, **शहर** - नगर, **निर्दयी** - दयाहीन, **खूबसूरत** - सुंदर, **देवता** - सुर, **हिस्सा** - अधिकार

4. कोष्ठक में दिए शब्दों का उचित प्रकार करके वाक्य पूरे कीजिए-

(क) जोतकर **(ख)** चूसते **(ग)** होने लगे **(घ)** बनाए जाते **(ङ)** करते थे **(च)** पूजने लगे

5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए-

(क) वे जमींदार होंगे **(ख)** मुझे याद था। **(ग)** पुजारी ने प्रजा को धोखा दिया। **(घ)** मंदिर में बहुंत से पुजारी हैं।

6. निम्नलिखित अव्ययों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) उसे याद था कि याद मेरा जन्मदिन है। **(ख)** मुझे याद था। **(ग)** पुजारी ने प्रजा को धोखा दिया। **(घ)** मंदिर में बहुत से पुजारी हैं।

6. निम्नलिखित अव्ययों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) उसे याद था कि आज मेरा जन्मदिन है। **(ख)** राम और श्याम दोनों अच्छे मित्र हैं। **(ग)**

तुम तो बड़े मूर्ख निकले। **(घ)** तुम भी मेरे साथ आगरा चलो। **(ङ)** आप चाय या कॉफी में से कुछ भी ले लिखिए। **(च)** यह तो होना ही था।

7. प्रत्येक शब्द के सामने एकवचन ओर बहुवचन लिखिए-

किताब - किताबें, **आदमियों** - आदमी, **दरबारी** - दरबारियों, **चीजें** - चीज, **राजा** - राजाओं, **किसान** - किसानों, **देवता** - देवताओं, **पुजारियों** - पुजारी

8. निम्नलिखित वर्णों को मिलाकर शब्द लिखिए-

मजदूर, किसान, हिस्सा, मुश्किल, मूर्ति

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक

(क) दरबारी लोग जनता का सारा हिस्सा छीन लेते थे। **(ख)** शायद उनका ख्याल था कि देवता डरावने होते हैं, इसलिए वे उनकी भयानक मूर्तियाँ बनाते होंगे। **(ग)** राजा लोग पुजारियों से सलाह लिया करते थे। उस जमाने में किताबों का लिखना या नकल करना पुजारियों का ही काम था। **(घ)** लोगों के विचार थे कि अलग-अलग शहरों तथा मुल्कों के देवता थी अलग-अलग होते थे।

1. अपने माता-पिता या दादा-दादी से राजाओं की कहानियाँ सुनिए और लिखिए।

स्वयं कीजिए।

2. यदि आप किसी ऐसी व्यक्ति को जानते हैं जो अपने छोटों से दुर्व्यवहार करता है, तो उसे आप किस प्रकार समझाएँगे? अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 7

दुःख का अधिकार

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) पोशाक **(ख)** बुढ़िया **(ग)** साँप ने

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(क) पोशाकें **(ख)** अधेड़ उम्र **(ग)** रोटी के टुकड़े **(घ)** साँप **(ङ)** दुःखी

3. निम्नलिाखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जी निश्चित करती है।

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) पोशाक **(ख)** बुढ़िया **(ग)** साँप ने

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(क) पोशाकें **(ख)** अधेड़ उम्र **(ग)** रोटी के टुकड़े **(घ)** साँप **(ङ)** दुःखी

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम जरा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति का समझना चाहते हैं, उस समय वह पोशाक की बंधन ओर बड़प्पन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पंतग को सहसा भूमि पर नहीं रिग जाने देती हैं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुकने से रोके रहती हैं। **(ख)** नहीं **(ग)** यह शब्द गरीब स्त्री के लिए प्रयोग किया गया है। **(घ)** संभ्रांत महिला ओर गरीब महिला के शोक में केवल यह अंतर था कि गम मनाने के लिए भी सहूलियत होनी चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या अपेन शब्दों में कीजिए-

(क) प्रस्तुत पंक्ति में यह बताया गया है कि समाज में प्रायः पोशाकें ही मनुष्य का अधिकार तथा उसका दर्जा निश्चित करती हैं। पोशाक के द्वारा ही उसका सम्मान तथा अपमान किया जाता है। **(ख)** किसी मनुष्य को शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है अर्थात् यदि कोई मनुष्य गरीब है तो उसे अपना दुःख दिखाने का भी अधिकार नहीं है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में सभी पदों को उचित स्थान पर लगामकर पुनः लिखिए-

(क) वह हमारे अनेक बंद दरवाजे खोल देती है। **(ख)** अल्लाह भी वैसी ही बरकत देता है। **(ग)** बुढ़िया फफ्क-फफककर से रो रही थी। **(घ)** एक स्त्री का रोना देख उसके मन में व्यथा उठी। **(ङ)** कल जिसका बेटा चल बसा वह आज सौदा बेचने चली है।

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

अधिकार - इस पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है। **बंधन -** स्त्री का अपने पुत्र से गहरा बंधन प्रतीत होता था। **समीप -** समीप ही एक वृद्ध महिला रो रही थी। **घृणा -** वह मुझसे घृणा करता है। **राह -** राह में कोई भी न दिखाई पड़ा।

5. निम्नलिखित वाक्यो में से कारक छाँटकर लिखिए-

(क) की, में **(ख)** में, पर, में **(ग)** से, के, में, कर **(घ)** ने, के लिए **(ङ)** का

6. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

पोशाक - पोशाकें, **दरवाजा -** दरवाजें, **खरबूजे -** खरबूजा, **परिस्थिति -** परिस्थितियाँ, **दुकानें -** दुकान, **डलियाँ -** डाली, **माता -** माताएँ, **पोता -** पोतें

7. निम्नलिखित मुहावरों को अर्थ सहित वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

पत्थर दिल होना - बहुत कठोर होना, राघव तो अपने छोटे भाई के लिए पत्थर दिला हो गया है। **रास्ता न मिलना -** कोई मार्ग न दिखाई देना, सिया को तो अब कोई रास्ता नहीं मिल रहा है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम जरा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं, उस समय वह पोशाक ही बंधन और बड़प्पन बन जाती हैं, उस समय वह पोशाक ही बंधन और बड़प्पन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पंतग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देती हैं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुकने में रोके रहती है। **(ख)** महिला से कोई भी खरबूजे नहीं खरीद रहा था क्योंकि उसके पुत्र को मरे एक दिन भी नहीं हुआ था और वह खरबूजे बेच रही थी। **(ग)** दुःखी महिला के लिए लोग कर रहे थे कि जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगाकर बैठी है। **(घ)** भगवान दुखी महिला का पुत्र था और साँप के काटने पर परलोक सिधार गया। **(ङ)** वह संभ्रांत महिला पुत्र की मृत्यु के बाद अढ़ाई मास तक पलंग से उठ न सकी थीं। उन्हें पंद्रह-पंद्रह मिनट बाद पुत्र-वियोग में मूर्च्छा आ जाती थी और मूर्च्छा न आने की अवस्था में आँखों से आँसू न रूकते थे। दो-दो डाक्टर हरदम सिरहाने बैठे रहते थे। हरदम सिर पर बर्फ रखी जाती थी। शहर भर के लोगों के मन उस पुत्र-शोक से द्रवित हो उठते थे। **(च)** अन्त में, लेखक में कहा कि शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत होनी चाहिए ओर दुःखी होने का भी एक अधिकार है।

पाठ - 8
एकता में बाधक भ्रांति

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (५) का निशान लगाओ-

(क) लाल-लाल **(ख)** पत्तियों और शाखाओं में **(ग)** तीनों विनाश के गर्त में चले गए

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) सुनहरा **(ख)** लाल-लाल **(ग)** मुर्गा, ऊँची टहनी **(घ)** चुपचाप, को नष्ट **(ङ)** दोस्त

3. सही कथन के सामने (✓) और कथन के सामने (✓) का निशान लगाइए-

(क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) प्रस्तुत कहानी के लेखक मोहन राकेश हैं और उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि एक-दूसरे के बची पनपी गलत धारणाओं के कारण एकता के छिन्न-छिन्न हो जाने से किस प्रकार विनाश होता है। **(ख)** गलतफहमी तथा भ्रम के कारण तीनों की मित्रता तथा एकता टूट गई। **(ग)** यदि तीनों अपनी-अपनी समस्याओं को आपस में साझा कर लेते तो तीनों का जीवन सुरक्षित रह जाता है। **(घ)** यह कहानी हमें एकजूट रहकर जीने का संदेश देती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दोच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

(क) मुर्गा **(ख)** बंदर **(ग)** अमरूद **(घ)** टहनी **(ङ)** वर्षा

3. प्रस्तुत पाठ में से संयुक्त क्रियाएँ छाँटकर लिखिए-

स्वयं कीजिए।

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण छाँटिए और उनके भेद भी लिखिए-

(क) तब - कालवाचक क्रियाविशेषण, **(ख)** वहाँ, स्थानवाचक क्रियाविशेषण **(ग) थोड़ी** - कालवाचक क्रियाविशेषण **(घ)** खूब, परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

5. निम्नलिखित वाक्यों को सही करके दोबारा लिखिए-

(क) अमरूद के पेड़ पर लाल-लाल अमरूद लगे थे। **(ख)** कसाई मुर्गे को पकड़ने के लिए आया। **(ग)** मूसलाधार वर्षा आने से बहुत ओले गिरे। **(घ)** मुर्गा चुपचाप कुढ़ता रहा। **(ङ)** चिड़िया धर वाले बंदर को पकड़कर ले गए।

6. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

सुनहरा - स् + उ + न् + अ + ह् + अ + र् + आ। **चिड़ियाघर -** च् + इ + ड़् + य् + आ घ् + अ + र् + अ। **कोशिश -** क् + ओ + श् + श् + अ। **अमरूद -** अ् + म् + अ + र् + ऊ + द् + अ। **शाखा -** श् + आ + ख् + आ। **पिलपिले -** प् + इ + ल् + अ + प् + इ + ल् + ए।

7. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) - मैं तुम्हारी सहायता करने की कोशिश करुँगा। **(ख)** मेरे पास एक योजना है। **(ग)** अमरूदों की खुशबू कसाईयों का ध्यान अपनी ओर खींच लेता था। **(घ)** यह तो बहुत मुश्किल हो गई। **(ङ)** अब मेरे पास कोई मौका नहीं है। **(च)** मुसीबत के वक्त एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। **(छ)** बच्चा मेले में माता-पिता के साथ सुरक्षित होता है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) लेखक ने ऐसा इसलिए कहा कि तीनों एकजुट होकर एक-दूसरे की सहायता करते थे। **(ख)** पेड़ तथा बंदर के कारण मुर्गा कसाई की पकड़ में न आता था। **(ग)** पेड़ बंदर को अपनी पत्तियों और शाखाओं में छिपा लेता। **(घ)** जब फलवाले या स्कूल के बच्चे पेड़ से अमरूद तोड़ने के लिए आते, तब पहले उनका सामना बंदर से होता। बंदर इस तरह उनके इर्द-गिर्द चक्कर काटता और उन्हें डराता कि उनका पेड़ के नजदीक जाने का हौसला ही न होता। अगर उन लोगों को काटता और उन्हें डराता कि उनका पेड़ के नजदीक जाने का हौसला ही न होता। अगर उन लोगों के पास अपना कोई खाने-पीने का सामान होता तो उसे भी वह चट कर जाता। मौका लगने पर किसी के कान उमेठ देता। तो उसे भी वह चट कर जाता। मौका लगने पर किसी के बाल नोंच देता, किसी के काम उमेठ देता। इतने पर भी वे लोग पेड़ के नजदीक पहुँच जाते, तो वहाँ उन्हें मुर्गा बेजान-सा तड़पता नजर आता। मुर्गे की चोंच एक अमरूद में होती, जैसे कि अमरूद खाकर ही उसकी यह हालत हुई हो; लोग बीमारी के डर से अमरूद तोड़ने का इरादा छोड़कर वहाँ से लौट पड़ते। **(ङ)** मूसलाधार बारिश होने पर तीनों आपस में एक-दूसरे के लिए गलतफहमी पाल रहे थे। **(च)** तीनों की सोच का यह परिणाम हुआ कि तीनों विनाश के गर्त में चले गए। **(छ)** मुर्गे, बंदर ओर पेड़ की आपसी योजना पर वह चकित हुआ करती थी। उसने मुर्गे और बंदर के बाद पेड़ को इस हालत में जाते देखा, तो लंबी उसाँस के पास मन में कहा, ''जा रहा है यह भी लोगों का चूल्हा जलाने। बड़े दोस्त बने फिरते थे।।''

1. श्री मोहन राकेश की कुछ अन्य कहानियाँ पढ़िए।

स्वयं कीजिए।

2. 'एकता का महत्व' बताते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 2

स्वयं कीजिए।

शैक्षिक मूल्यांकन - 1

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) ईश्वर **(ख)** अष्टकोण मंदिर **(ग)** समाजसेवी **(घ)** मेमने को **(ङ)** पत्तियों और शाखाओं में

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(क) स्मृतियों की सरिता **(ख)** लाल-लाल **(ग)**

सोना (**घ**) मच्छर (**ङ**) रोशनी

3. सही कथन के सामने (४) तथा गलत के सामने (८) का निशान लगाइए-

(**क**) किसान की कमाई का एक बड़ा हिस्सा दूसरों के हाथों में पड़ जाता था। खासकर राजा और उसके दर्जे के दूसरे आदमियों और अमीरों के हाथ, उसकी टोली के दूसरे लोग, जिनमें दरबारी भी शामिल थे, उन्हें बिल्कुल चूस लेते थे। (**ख**) मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है। (**ग**) 'एकता में बाधक भ्रांति' नामक पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी किसी के विषय में गलतफहमी पालकर उस पर भ्रम करके अपनी एकता को भ्रष्ट नही करना चाहिए। (**घ**) 'हर एक नागरिक में अपने काम के लिए यह चाव, श्रम के प्रति यह श्रद्धा और पेशे के प्रति ईमानदारी के इस भाव का जागरण ही राष्ट की जीवन-शक्ति का सर्वोत्तम मापदंड है।' (**ङ**) भगवान ने आदमी को सपने में बताया कि जाओ, अमुक जगह पर एक साधु रहता है, उससे मिलो। उसके पास एक हीरा है, उसे ले लो।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों को शुद्ध करके पुनः लिखिये-

कारगील - कारगिल, **चोकी** - चौकी, **नीयमत** - नियामत, **सानती** - शांति, **कोसीश** - कोशिश

2. विलोम शब्द लिखिये-

ऋषि - दानी, **कमजोर** - ताकतवर, **सुंदर** - कुरूप, **भय** - अभय, **कीरता,** कायरता

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिये-

(**क**) व् + इ + ध् + अ + व् + आ। (**ख**) मुगल + म् + उ + ग् + अ + ल् + अ। (**ग**) श् + ए + र् + अ + श् + आ + ह् + अ। (**घ**) आ + ग् + न् + त् + उ + क् + अ। (**ङ**) क् + उ + ट् + इ + य् + आ

पाठ - 9

कर्तव्य परायणता

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(**क**) जफर मियाँ (**ख**) मजदूर के (**ग**) जफर मियाँ को

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(**क**) दिलचस्प (**ख**) रेत, बुरादा (**ग**) बाल, कंघा (**घ**) दबोच (**ङ**) स्मृतियों की सरिता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(**क**) जफर मियाँ एक नाई तथा दिलचस्प आदमी हैं। (**ख**) लेखक मजदूर को देखकर सोचता है कि संभवतः यह मजदूर हजामत के बाद आज नहाएगा ओर बालों में तेल डालकर कंघा करेगा, पर कल इनमें फिर वही धूल और बुरादा हो जाएँगे और ऐसे ही उलक्ष जाएँगे, जैसे आज उलझे हुए हैं। (**ग**) 'हर एक नागरिक में अपने काम के लिए यह चाव, श्रम के प्रति यह श्रद्धा और पेशे के प्रति ईमानदार के इस भाव का जागरण ही राष्ट्र की जीवन-शक्ति का सर्वोत्तम मापदंड है।'

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाएँ छाँटकर लिखिए-

(**क**) बुला लिया (**ख**) सोता रहा (**ग**) भर जाएगी (**घ**) आ गई (**ङ**) हँसा

3. निम्नलिखित गद्यांश में उचित विराम-चिह्न लगाकर दोबारा लिखिए-

मैं मजदूर को देखता हूँ और सोचता हूँ यह शायद पाँच-सात दिन से नहीं नहाया। बालों में उसके रेत भरा है और बुरादा भी। उसकी गदरन काली चीकट हो रही है। और तो और, मुँ पर भी धूल है, पर जफर साहब बड़ी लगन से उसक बाल काट रहे हें। जैसे यह मजदूर नूरजहाँ का भाई हो। कभी कंधे से नापते हैं, कभी कैंची से और फिर फुरक-फुरक दो-चार कैंची चलाते हैं।

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

आदमी - औरत, **मजदूर** - मालिक, **शूल** - फूल, **स्मृति** - विस्मृति, **संधि** - विच्छेद, **उठना** - बैठना, **ईमानदारी** - धोखाधड़ी, **जीवन** - मृत्यु

5. निम्नलिखित वाक्यों में आए रंगीन शब्दों के लिंग लिखिए-

(**क**) पुल्लिग (**ख**) पुल्लिग (**ग**) पुल्लिग (**घ**)

स्त्रीलिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) स्त्रीलिंग (छ) पुल्लिग

6. उर्दू-फारसी और अंग्रेजी के शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए-

उर्दू-फारसी के शब्द - हजामत, मजदूर, दिलचस्प, लिहाज, कारीगरी, इंतजार

अंग्रेजी के शब्द - सैलून, नंबर, अस्टिंट कलक्टर

7. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

दिलचस्प - ज़फर मियाँ एक दिलचस्प आदमी है। **इंतजार -** मुझे कभी इतंजार करना होगा। **लगन -** बड़ी लगन से वह मजदूर के बाल काट रहे थे। **स्थिति -** बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न हो गई। **स्मृति -** मैं स्मृतियों की सरिता में बहने लगा।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

स्वयं कीजिए।

1. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की कुछ पुस्तकें पुस्तकालय से लेकर पढ़िए और पंसद आए रेखाचित्र को कक्षा में पढ़कर सुनाइए।

स्वयं कीजिए।

2. मजदूरों के जीवन पर एक अनुच्छेद लिखिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 10
पारस मणि

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) हीरा **(ख)** सादगी का **(ग)** आचार्य विनोबा भावे ने

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए-

(क) उन्होंने अपनी आत्मा को ऊँचा उठाया **(ख)** जिसके पास भगवान होते हैं। **(ग)** बड़ी साधना की जरूरत होती है। **(घ)** मानवता की बड़ी सेवा करते हैं। **(ङ)** भगवान की सेवा करना

3. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के समोन (✗) का निशान लगाइए-

(क) ✓ **(ख)** ✗ **(ग)** ✗ **(घ)** ✓ **(ङ)** ✗

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) भगवान ने, आदमी को सपने में बताया कि जाओ, अमुक जगह पर एक साधु रहता है, उससे मिलो। उसके पास एक हीरा है, उसे ले लो। **(ख)** पेड़ के नीचे आदमी को एक हीरा मिला। **(ग)** अचानक उस आमदी के मन में एक विचार पैदा हुआ, 'साधु ने इसे यों ही क्यों डाल रखा है? जरूर उसके पास इस हीरे से भी मूल्यवान कोई चीज है, जिसने ऐसी अनमोल चीज को मिट्टी के मोल कबना दिया। यह हीरा तो आज है, कल नहीं। मुझे वही चीज प्राप्त करनी चाहिए जो हीरे को भी ठीकरा कर देती है।' इतना सोच उसने हीरे को नदी में फेंक दिया और साधु के पास चला गया। **(घ)** इस लेख के लेखक का नाम यशपाल जैन है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दोंच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

(क) शिक्षा **(ख)** रात्रि **(ग)** स्वप्न **(घ)** नर **(ङ)** तरु **(च)** आश्चर्य

3. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को अलग कीजिए-

(क) उससे **(ख)** उनके **(ग)** उन्होंने **(घ)** मैं

4. निम्नलिखित क्रियाओं में पूर्वकालिक क्रिया बनाइए-

चलना - चलाकर, **मिलना -** मिलकर, **दिखाना -** दिखकर, **दौड़ना -** दौड़कर, रचना - रचकर, **पढ़ना -** पढ़कर

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) संतों के दर्शन से शांति प्राप्त होती है। **(ख)** उसकी बातें बड़ी अचरज भरी थी। **(ग)** मेरे पास एक अनमोल हीरा है। **(घ)** मेरा परिवार बहुत खुशहाल है। **(ङ)** उसकी बातें सुनकर मुझे भ्रम हो गया है। **(च)** बड़ी मुश्किल से में यहाँ तक आया।

6. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

सपना - सपनें, **दवा -** दवाईयाँ, **नदी -** नदियाँ, **हीरा -** हीरें, **रचना -** रचनाएँ, **पैसा -** पैसे

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) हीरा पाने के बाद भी आदमी ने उसे नदी में फेंक दिया क्योंकि उसे लगा कि साधु के पास इस हीरे से भी मूल्यवान कोई चीज है, जिसने ऐसी अनमोल चीज को मिट्टी के मोल बना दिया है। **(ख)** सादगी के कारण गाँधी जी का नाम दुनिया में अमर हुआ। **(ग)** अचानक उस आदमी के मन में एक विचार पैदा हुआ, 'साधु ने इसे यों ही क्यों डाल रखा है? जरूर उसके पास इस हीरे से मूल्यवान कोई चीज है, जिसने ऐसी अनमोल चीज को मिट्टी के मोल बना दिया है। यह हीरा तो आज है, कल नहीं। मुझे वही चीज प्राप्त करनी चाहिए जो हीरे को भी ठीकरा कर देता है।' इतना सोच उसने हीरे को नदी में फेंक दिया और साधु के पास चला गया। **(घ)** इस लेख के लेखक का नाम यशपाल जैन है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दो उच्चारण कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-**
   (क) शिक्षा **(ख)** रात्रि **(ग)** स्वप्न **(घ)** तरु
3. **निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को अलग कीजिए-**
   (क) उससे **(ख)** उनके **(ग)** उन्होंने **(घ)** मैं
4. **निम्नलिखित क्रियाओं से पूर्वकालिक क्रिया बनाइए-**
   चलना - चलकर, **मिलना -** मिलकर, **दिखाना -** दिखकर, **दौड़ना -** दौड़कर, **रचना -** रचकर, **पढ़ना -** पढ़कर
6. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-**
   सपना - सपनें, **दवा -** दवाईयाँ, **नदी -** नदियाँ, **हीरा -** हीरें, **रचना -** रचनाएँ, **पैसा -** पैसे

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) हीरा पाने के बाद भी आदमी ने उसे नदी में फेंक दिया क्योंकि उसे लगा कि साधु के पास इस हीरे से भी मूल्यवान कोई चीज है, जिसने ऐसी अनमोल चीज को मिट्टी ने मोल बना दिया है। **(ख)** सादगी के कारण गाँधी जी का नाम दुनिया में अमर हुआ। **(ग)** प्रसिद्ध वैज्ञानिक आइंस्टीन ने लिखा था, 'आगे आने वाली पीढ़ियाँ मुश्किल से विश्वास कर पाएँगी कि इस धरती पर हाड़-माँस का बना गाँधी जैसा व्यक्ति कभी चलता-फिरता था!' **(घ)** खरा आदमी वह ळे, जो अपनी बुराइयों को दूर करता है और नीति का जीवन बिताते हुए अपने समाज और देख,ाके काम और है। ऐसा आदमी सबको प्रेम करता है और सबके सुख-दुख में कला आता है। **(ङ)** सूरज बिना बादल की इच्दा रखे, सबको धूप ओर रोशनी देता है, चाँद ठंडक पहुँचाता है, धरती अन्न देती है, पानी जीवन देता है, हवा प्राण देती है। **(च)** सारी दुनिया को सेवक अपनी सेवा से जीत सकता है।

1. **यदि आपको कभ यह सपना आए कि आपके घर के आँगन में एक हीरा पड़ा हुआ है तो आप क्या करेंगे?**
   स्वयं कीजिए।
2. **यदि प्रातः काल प्रार्थना करते समय अचानक आपके सामने भगवान प्रकट हो जाएँ तो आप उसने क्या प्रार्थना करेंगे?**
   स्वयं कीजिए।

पाठ - 11

सबक

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (↳) का निशान लगाओ-**
   (क) जूलिया को **(ख)** बुधवार को **(ग)** उसे सबक सिखाने के लिए
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
   (क) तनख्वाह **(ख)** पैसे **(ग)** पीला **(घ)** **(ङ)** दब्बू, भीरू
3. **सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-**
   (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✗
4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**
   (क) मेरे ख्याल से तुम्हें पैसों की जरूरत होगी। **(ख)** इतवार को तुमने छुट्टी मनाई है। **(ग)** जूलिया का चेहरा पीला पड़ गयां **(घ)** मैंने तुम्हारे साथ अन्याय किया है। **(ङ)** मैं तुम्हें सबक सिखाना चाहता था। **(च)** खामोश रहने से काम नहीं चलेगा।
5. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-**
   महीना - महीनों, **छुट्टी -** छुट्टियाँ, **चेहरा -** चेहरों, **बोली -** बोलियाँ, **खरोंच -** खरोंचों, **आँख -** आँखें

6. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों का छाँटकर लिखिए-

(क) मैंने, अपने **(ख)** मेरे, तुम्हें **(ग)** तुमने (घ) मैं, उससे **(ङ)** मैंने, तुम्हारे

7. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए-

नौकर - नौकरानी, **भाई** - बहन, मालिक, मालकिन, **बच्चा** - बच्ची, **माँ** - पिता, **चूहा** - चुहिया

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) जूलिया लेखक के बच्चों की गवर्नेस थी। **(ख)** पाठानुसार जुलिया ने बहुत छुट्टियाँ तथा एक बार एक कप तथा प्याला भी तोड़ दिया था। **(ग)** लेखक जूलिया को उसकी तनख्याह तथा उसकी छुट्टियाँ का हिसाब बता रहा था। **(घ)** जूलिया ने लेखक का विरोध नहीं किया क्योंकि वह दब्बू तथा भीरू थी। **(ङ)** लेखक जूलिया को सब सिखाना चाहता था इसलिए लेखक ने जूलिया को परेशान किया।

यदि किसी ने आप पर चोरी का झूठा दोष लगा दिया, तो आप उसका किस प्रकार विरोध करेंगे? लिखकर अपने अध्यापक/अध्यापिका को दिखाइए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 12
जग से न्यारा देश हमारा

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) भारत **(ख)** पृथ्वी **(ग)** सूर्य के

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) प्यारा देश, जय देशश, अजय अशेष, सदय विशेष

जरा न संभव अघ का लेश, संभव केवल पुण्य प्रवेश।

(ख) जग में कोटि-कोटि युग जीए, जीवन-सुलभ अमीरस पीए,

सुखद वितान सुकृत का सीए रहे स्वतंत्र हमेशा।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) हमारे देश में पुण्य-प्रवेश संभव है। **(ख)** तीनों लोकों में शीश पृथ्वी को कहा गया है। **(ग)** 'निशि का राकेश' का अर्थ 'रात्रि का चंद्रमा' है। **(घ)** कवि ने भात की सुंदरता के बोर में सूर्य, चंद्रमा, नदी, पुष्प, पृथ्वी आदि की सुंदरता के माध्यम से वर्णन किया है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

(क) प्यारा **(ख)** देश **(ग)** लेश **(घ)** गंगा **(ङ)** पीए

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने भारत देश की महिमा तथा सुंदरता का गुणगान करते हुए कहा है कि भारत देश प्रकृति का एक स्वर्ग जैसा फूल है। जिसमें तीनों लोकों के समान प्रेम के मूल्य को प्रिय बताया गया है जिसका तिलक स्वयं सुंदर प्रकृति ने अपनी नदी से किया है, जहाँ रात्रि में चंद्रमा चमकता है तथा अपनी शीतल छाया से सबको आनंदित करता है। वह है जय जय प्यार भारत देश।

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

शोभित - श् + ओ + भ् + इ + त् + अ। **देशेश** - द् + ए + श् + ए + श् + अ। **स्वर्गिक** - स् + व् + अ + ग + र् + इ + क् + अ। **सुललित** - स् + उ + ल् + अ + ल् + इ + त् + अ। **हिमालय** - ह् + इ + म् + आ + च् + अ + ल् + अ। **स्वतंत्र** - स् + व् + अ + त् + न् + अ + त् + र् + अ।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-

निशि - सुबह, **संभव** - असंभव, **सौभाग्य** - दुर्भाग्य, **विशेष** - सामान्य, **फूल** - काँटा, **पृथ्वी** - आसमान

6. निम्नलिाखित शब्दों का अर्थ लिखिए औ वाक्य बनाइए-

(क) लाडला, राजा अपनी माँ का बहुत प्यारा है। **(ख)** सजा हुआ, उसके सिर मुकुट शोभित हो रहा है। **(ग)** सिर, हमरा शीश को धरती माता को अर्पित है। **(घ)** स्वभाव, विजय की प्रकृति सबका मन मोह लेती है। **(ङ)** नदी, गंगा एक पवित्र नदी है।

7. निम्नलिखित शब्दो पर्यायवाची लिखिए-

फूल - पुष्प, **राकेश** - चंद्रमा, **जगत** - जग,

निशि - रात्रि

सह-शैखिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) भारत का प्यारा देश है। **(ख)** कवि ने भारत देश को पृथ्वी का स्वर्गिक फूल बताया है। **(ग)** जय जय शुभ्र हिमालय-शृंगा, कलरव-निरत कल्लोलिनी गंगा, भानु-प्रताप, चमकृत गंगा, तेज-पुंज तप-वेश। जय जय प्यारा भारत देश।। कवि ने उसका वर्णन चौथे संदर्भ में किया है। **(घ)** कवि ने रचयिता श्रीधर पाठक है।

1. **इस कविता को कंठस्थ करके स्वर सहित सुनाइए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **श्रीधर पाठक के जीवन के बारे में विस्तार से जानिए।**
   स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 3

स्वयं कीजिए।

पाठ - 13
संघर्ष

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**
   (क) कैसे लोग मोती लेकर बाहर आते हैं। **(ख)** हिम्मत **(ग)** दोनों
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
   (क) सुख, पहले **(ख)** संयम, आराम **(ग)** जिंदगी **(घ)** साहस **(ङ)** जिंदगी, जोखिम **(च)** जिंदगी
3. **सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-**
   (क) ✗ **(ख)** ✓ **(ग)** ✗ **(घ)** ✗
4. **विपरीतार्थक शब्दों का उचित मिलान कीजिए-**
   (क) मृत्यु **(ख)** काँटा **(ग)** धूप (घ) बेखौफ **(ङ)** अमीर **(च)** अंधकार

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चाकरण कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए-**
   रोशनी - अँधेरा, **सुख** - दुख, **विकास** - अविकास, **शीतल** - भड़कीला, **रात** - दिन, **सुख** - दुख, **पक्ष** - विपक्ष, **आराम** - बैचेन
3. **निम्नलिखित प्रत्ययों से कोई तीन-तीन शब्द बनाइए-**
   हार - निहार, बिहार, फलाधर। **दार** - दीदार, ईमानदार, जोड़ीदार, **नी** - बेइमानी, देवरानी, जेठानी
4. **निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी रूप लिखकर वाक्य बनाइए-**
   (क) कष्ट, पवन जोखिम भरा जीवन व्यतीत कर रहा है। **(ख)** आवश्यक, मुझे तुम्हारी राय की जरूरत नहीं है। **(ग)** भय, राधव को चेतन का खौफ सदा रहता है। **(घ)** परेशानी, तुम किसी मुसीबत में हो क्या? **(ङ)** आभास, मुझे थोड़ी-थोड़ी शीतलता महसूस हो रही है। **(च)** इरादा, तुम्हारा मकसद मुझे समझ नहीं आया।
5. **निम्नलिखित वाक्यों में अकर्मक एवं सकर्मक क्रियाएँ छाँटकर लिखिए-**
   (क) सकर्मक क्रिया **(ख)** सकर्मक क्रिया **(ग)** सकर्मक क्रिया **(घ)** अकर्मक क्रिया **(ङ)** अकर्मक क्रिया
6. **निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव शब्द लिखिए-**
   (क) कर्म - कार्य, **हस्त** - हाथ, **दिवस** - दिन, **अग्र** - आगे, **पुष्प** - फूल, **मुख** - मुँह

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) चाँदनी की ताजगी और शीतलता का आनंद वह मनुष्य लेता है जो दिन-भर धूप में थककर लौटा है, जिसके शरीर को अब तरलाई की जरूरत महसूस होती है ओर जिसका मन यह जानकर संतुष्ट है कि दिन-भर का समय उसके किसी अच्छे काम में लगाया है। **(ख)** 'त्येक्तेन मुञ्जीथाः' से अभिप्राय है जीवन का भोग त्याग के साथ करो। **(ग)** विंस्टन चर्चिल ने जीवन के बारे में कहा है कि जिंदगी की सबसे बड़ी सिफ़त हिम्मत है। आदमी के और सारे गुण हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं। **(घ)** जिंदगी की दो सूरतें है। एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए, और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी

के साथ अँधियारी का जाल बुन रही हों, तब भी वह पीछे को पाँव नहीं हटाए। दूसरी सूरज यह है कि यह उन गरीब आत्माओं की हमजोली बनए जाए, जो न बहुत अधिक सुख पाती है और न जिन्हें दुःख पाने का ही संयोग है। **(ङ)** साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। **(च)** 'बड़ी-जीजें बड़ें सकंटों में ही विकास पाती हैं,' इसका अर्थ है बड़ी-बड़ी हस्तियाँ बड़ी-बड़ी मुसीबतों पर पलकर दुनिया पर कब्जा करती हैं। **(छ)** मनुष्य को कामना का दामन छौआ नहीं करना चाहिए क्योंकि दामन बड़ा होने पर ही सफलता उस दामन में सभा सकती है।

आप अपने जीवन को किस प्रकार जीन पसंद करते हैं? बताइए-

स्वयं कीजिए।

पाठ - 14

नीलकंठ

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (4) का निशान लगाओ-**

   (क) बड़े मियाँ से **(ख)** नीलकंठ **(ग)** चित्रा ने

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

   (क) इनसान **(ख)** सजीव, उड़ने **(ग)** मोर के बच्चे **(घ)** झूले **(ङ)** जाली **(च)** नीलकंठ

3. **सही कथन के सामन (✔) और गलत कथन के सामने (✘) का निशान लगाइए-**

   (क) ✔ (ख) ✘ (ग) ✔ (घ) ✔ (ङ) ✘ (च) ✔

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

   (क) बड़े मियाँ मोर के बच्चों को अन्य खरीदारों की बजाय लेखिका को ही देना चाहते थे क्यों अन्य खरीदार उन्हें मारकर उनके पंजों के दवा बनाना चाहते थे। **(ख)** सबके द्वारा चिढ़ा दिया जाने के कारण ही मोर के बच्चों के पालन-पोषण में लेखिका का व्यवहार और प्रयत्न कुछ विशेष हो गया। **(ग)** चित्रा लेखिका की बिल्ली थी। दोनों मोर के बच्चों द्वारा लेखिका की मेज को अपना सिंहासन बना लेने वाली स्थिति चित्रा के लिए असहाय थी। **(घ)** मेघ के गर्जन के ताल पर ही नीलंकठ तथा राधा के आरंभ होता। और फिर मेघ जितना अधिक गरजता, बिजली जितनी अधिक चमकती, बूँदों की रिमझिमाहट जितनी तीव्र होती जाती, नीलकंठ के नृत्य का वेग उतना ही अधिक बढ़ता जाता और उसकी केका का स्वर उतना ही मंद्र से मंद्रतर होता जाता।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चरण कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

2. **निम्नलिखित वाक्यों में से संबंधबोधक शब्दों को छाँटिए-**

   (क) के निकट **(ख)** के पीछे **(ग)** के पीछे, के नीचे **(घ)** के साथ **(ङ)** की ओर

3. **निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं के काल भेद सहित लिखिए-**

   (क) संदिग्ध वर्तमान **(ख)** अपूर्ण वर्तमान **(ग)** सामान्य वर्तमान **(घ)** अपूर्ण वर्तमान **(ङ)** संदिग्ध वर्तमान **(च)** सामान्य वर्तमान

4. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-**

   अनाधिकार - अन + अधिकार, **नवागंतुक -** नव + आगंतुक, **उपर्युक्त -** उप + युक्त, **मंडलाकार -** मंडल + आकार, निश्चेष्ट - निश्चय + इष्ट, **विस्मयाभिभूत -** विस्मय + अभिभूत, **मेघाच्छन्न -** मेघ + आच्छन, **आनंदोत्सव -** आनंद + उत्सव

5. **निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-**

   चमकीला - च् + अ + म् + अ + क् + ई + ल् + आ। **चंद्रिका -** चं + न् + अ + द् + र + इ + क् + आ। **नीलकंठ -** न् + ई + ल् + अ + क् + न् + अ + रु + अ। **खरगोश -** ख् + अ + र् + ग् + ओ + श् + अ। **असाधारण -** अ् + स् + आ + ध् + आ + र् + ण् + अ

6. **निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए-**

   सुकुमारता - सुकुमार + ता, **आगमन -** आ + गमन, **सम्मानपूर्वक -** सम्मान + पूर्वक, **चमत्कारिक -** चमत्कार + इक, **चिड़ीमार -** चिड़ी + मार, **सजीव -** स + जीव, **अप्रसन्न -** अ + प्रसन्न, **अपरिचित -** अ + परिचित, **पल्लवित -** पल्लव + इत, **स्वाभाविक -** स्वाभाव + इक।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) लेखिका के चिड़ियाघर में नवागंतुक मोर के बच्चों का स्वागत नववधू की भाँति किया गया। **(ख)** मोर के सिर पर कगली ओर सघ्ञन, ऊँची तथा चमकीली हो गई। चोंच अधिक बंकिम और पैनी हो गई, गोल आँखों में इंद्रनील की नीलाभ द्युति झलकने लगी। लंबी नील-हरित ग्रीवा की हर भंगिमा में धूपछाँही तरंगें उठने-गिरने लगीं। दक्षिण-वाम दोनों पंखों में सलेटी और सफेद आलेखन स्पष्ट होने लगे। पूँछ लंबी हुई और उसके पंखों पर चंद्रिकाओं के इंद्रधनुषी रंग उद्दीप्त हो उठे। रंग-रहित पैरों को गर्वीली गति ने एक नई गरिमा से रंजित कर दिया। **(ग)** दंडविधान के समान उन जीव-जंतुओं के प्रति उसका प्रेम भी असाधारण था। प्रायः वह मिट्टी में पंख फैलाकर बैठ जाता और वे सब उसकी लंबी पूँछ और सघन पंखों में छुआ-छुऔअल-सा खेल खेलते रहते थे। **(घ)** कुब्जा अपने नाम के अनुरूप सिद्ध हुई क्योंकि उसके कारण हँसते-खेलते चिड़ियाघर का करूण अंत हो गया। **(ङ)** नीलकंठ के करूण अंत का कारण कुब्जा थी।

1. **महादेवी वर्मा ने पशु-पक्षियों पर अनेक संस्मरण और रेखाचित्रों की रचना की है। उनके गौरा, सोना, गिल्ल आदि पर लिखे संस्मरण पुसतकालय से पुस्तकल लेकर पढ़िए।**
   स्वयं कीजिए।
2. **'पशु-पक्षियों' के प्रति हमें प्रेम ओर सहानुभूमि का व्यवहार रखना चाहिए।' इस विषय पर अनेन सहपाठियों के विचार-विमर्श कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।

पाठ - 15
कर्ण

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-**
   (क) दुर्योधन की **(ख)** कृष्ण-कर्ण **(ग)** कर्ण्ण को
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
   (क) श्रीकृष्ण, विक्षुब्ध, क्रोधित **(ख)** कुशल-मंगल **(ग)** पांडु **(घ)** युद्ध **(ङ)** सूतपुत्र
3. **सही कथन के सामने (4) और गलत कथन के सामने (8) का निशान लगाइए-**
   (क) ✘ (ख) ✘ (ग) ✔ (घ) ✔ (ङ) ✔
4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**
   (क) दुर्योधन की सभा में श्री कृष्ण शांतिदूत बनकर आये थे परंतु उसका कोई फायदा न हुआ इसलिए वे निराश थे। **(ख)** कर्ण के कुंती पुत्र होने का भेद कृष्ण के हृदय के सालता रहा। **(ग)** भाग्य तथा सूतपुत्र होने के कारण कर्ण को ग्लानि ओर लाछना भोगनी पड़ी। **(घ)** कर्ण में अपना संपूर्ण जीवन दुर्योधन के चरणों में अर्पित कर लिए कुछ भी अदेय नहीं है। **(ङ)** 'तुम परशुराम के पास शिष्य, उद्भट योद्धा और अद्वितीय धनुर्धर हो। हे महारथी कर्ण! क्या यह भाग्य की क्रूर लीला नहीं है कि परम गुणों से मंडित तुम जैसा नर-रत्न आज दुर्योधन जैसे कुबुद्धि ग्रस्त के साथ मित्र भाव से जुड़ा है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **विपरीत शब्दों का सही मिलान कीजिए-**
   (क) अशांति **(ख)** बुरा **(ग)** दूर **(घ)** घृणापूर्वक **(ङ)** मित्र **(च)** कनिष्ठ
3. **निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-**
   (क) "मित्रता से बढ़कर संसार में कुछ भी शीतल, मधुर ओर सुखदायी नहीं है।" ये कथन कर्ण ने श्री कृष्ण से कहे हैं क्यों वह दुर्योधन को अपना परम मित्र मानता था। सभी ने कर्ण को सुतपूत्र होने का लांछन दिया तथा उसका तिरस्कार किया परंतु उस समय कर्ण ने उसे अपना 'बंधु' कहकर उसे अपने बराबर का स्थान दिया।
4. **उपर्युक्त पाँचों अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।**
   (क) कुछ रूककर उन्होंने कर्ण की ओर ध्यान दिया। **(ख)** यह युद्ध का आतंक शरद के बादलों की तरह देखते-देखते विलीन हो जाएग। **(ग)** फीकी हँसी के साथ उसने कहा। **(घ)** उन्होंने कर्ण की और ध्यान से देखा। **(ङ)** कृष्ण ने कर्ण के समीप जाकर रथ रोका।
5. **ऐसा ही किन्हीं दो अव्ययों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए-**
   मैं अपना जीवन दुर्योधन को अर्पित कर चुका हूँ इसलिए मैं आपका प्रस्ताव तुम ओर पांडव भाई-भाई हो।

6. 'अ' उपसर्ग वाले चार शब्द अर्थ सहित लिखिए-

अग्रज, अनुज, अनर्थ, अदेय

7. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) सगा **(ख)** कृतज्ञ **(ग)** मित्र **(घ)** अग्रज **(ङ)** सुखदायी **(च)** धनुर्धारी

8. निम्नलिखित शब्दों का विग्रह कीजिए-

जयगान - राष्ट्र के लिए **गान,** अंगरक्षक - अंग के लिए रक्षक, **मातृभूमि** - मातृभूमि, **राजसिंहासन** - राज्य का सिहांसन, **नरसंहार** - नर का संहार

निम्नलिखित विग्रह किए गए पदों में समस्त पद बनाइए-

कुंती का पुत्र - कुंतीपुत्र, **शरण में आया हुआ** - शरणार्थी, **इंद्र का पद** - इद्रंपद, **गुण से हीन** - गुणहीन, **रसोई के लिए घर** - रसोईधर

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कृष्ण कर्ण को पांडव पक्ष में मिलाना चाहते थे क्योंकि वह पांडवों का बड़े भाई था। **(ख)** सब कुछ जानने के बाद भी कर्ण दुर्योधन के पक्ष में ही रहना चाहता था क्योंकि वह दुर्योधन को अपना परममित्र मानता था। **(ग)** ''मित्र हो तो ऐसा!'' कृष्ण ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि कर्ण अपनी मित्रता के आगे इंद्रपद ठुकराने के लिए भी तैयार था। **(घ)** कृष्ण ने कर्ण के विषय में कहा कि तुम्हें विधाता ने अद्‌वितीय बल, बुद्‌धि, पुरूषार्थ और पराक्रम दिया है। तुम्हें संसार परम दानी, निस्सहायों और वंचितों का रक्षक 'महात्मा कर्ण' कहता है। तुम परशुराम के परम शिष्य, उद्‌भट योद्‌धा और अद्‌वितीय धनुर्धर हो। **(ङ)** 'ऐसा चरित्र असंभव है'- वाक्यांश में कर्ण जैसे चरित्र की बात की जा रही है।

आपको ऐसा कौन-सा प्रिय मित्र है, जिसे आप कह सकें 'मित्र हो तो ऐसा!' उनके गुणों की एक सूची बनाइए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 16
सरोजिनी नायडू

अभ्यास

पाठ-बोध

शैक्षिक आकलन

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

(क) 13 वर्ष **(ख)** इंग्लैंड **(ग)** 1930 ई0 में **(घ)** 2 मार्च, 1949 को

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) 1300 **(ख)** भारत-कोकिला **(ग)** गोविन्द राजुल नायडू **(घ)** द गोल्डन थ्रेश होल्ड **(ङ)** ऋणि

3. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(क) ✓ **(ख)** ✓ **(ग)** ✗ **(घ)** ✓ **(ङ)** ✗ **(च)** ✓

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) वे जब कविता-पाठ करने लगतीं तो उनका संगीतमय मधुर-स्वर सुनकर श्रोता मंत्र-मुग्ध हो जाते। यही कारण है कि सरोजिनी को 'भारत कोकिला' की उपाधि प्रदान की गई। **(ख)** सरोजिनी के तीन कविता संग्रह प्रकाशित हुए। **1.** द गोल्डेन थ्रेश होल्ड **2.** द ब्रीकेन विंग **3.** द सेप्टर्ड फ्लूट **(ग)** परतंत्र देश में एक कवियत्री का कर्तव्य होना चाहिए कि वह देश भर में चारों तरफ घूम-घूमकर स्वाधीनता का संदेश फैलाए। **(घ)** गाँधी जी की मृत्यु का आघात उनके लिए बड़ा घातक सिद्‌ध हुआ। धीरे-धीरे उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। 1 मार्च, 1949 को जब वे बीमार थीं, उन्होनें नर्स से गीत सुनाने का आग्रह किया। नर्स का मधुर गीत सुनते-सुनते वह चिरनिद्रा में सो गईं। 2 मार्च, 1949 को प्रातः साढ़े तीन बजे भारत कोकिला सदा के लिए मौन हो गई।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. नीचे दी गई पंक्तियों की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए-

गाँधी जी की मृत्यु के पश्चात्, जब पूरे देश-भर में उदासी छा गई, तब सरोजिनी नायडू ने अपनी श्रद्‌धांजलि में कहा कि मेरे गुरू, मेरे नेता, मेरे पिता की आत्मा शांत होकर विश्राम न करे बल्कि उनकी राख गतिमान हो उठे। चंदन की राख, उनकी अस्थियाँ इस प्रकार जीवंत हो जाएँ और उत्साह से परिणर्ण हो जाएँ कि समस्त भारत उनकी मृत्यु के बाद वास्तविक स्वतंत्रता पाकर पुनर्जीवित हो उठे।

3. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी ठीक करके लिखिए-

अंर्तजातीय - अंतर्जातीय, **रिणी** - ऋणि,

कवियत्री - कवयित्री, **साबाशी** - शाबाशी, **परसिद्ध** - प्रसद्धि, **उत्साह** - उत्साह

4. अंतर्जातीय की भाँति चार शब्द 'अंतर' लगाकर लिखिए ओर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

अतंप्रातीय - इस अंतप्रीतीय विवाह के लिए उन्हें अनुमति दे दी। **अतंर्मुखी** - सरोजिनी नायडू बहुत अतंर्मुखी थी। **अतंर्धान** - यह कहत ही वह अंतर्धान हो गया। **अंतराष्ट्रीय** - यह योजना अतंराष्ट्रीय स्तर पर की जा रही है।

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय करके लिखिए-

शाबाशी - ई, **गंभरता** - ता, **भारतीय** - ईय, **वैवाहिक** - इक, **संबोधित** - इत, **ज्ञानवती** - ली, **वास्तविक** - इक, **जोशीला** - ला

6. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

निर्माता - विध्वंस, **उपस्थित** - अनुपस्थित, **प्रथम** - द्वितीय, **स्वेदशी** - परदेसी, **वरदान** - अभिशाप, **परतंत्र** - स्वतंत्र

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, सन् 189 ई0 को हैदराबाद में हुआ था। **(ख)** सरोजिनी नायडू में काव्य-लेखन की विशेष प्रतिभा थी। **(ग)** 'द गोल्डेन थ्रेश होल्ड'। **(घ)** गाँधी जी की मृत्यु का आघात उनके लिए बड़ा घातक सिद्ध हुआ। धीरे-धीरे उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। 1 मार्च, 1949 को जब वे बीमार थीं, उन्होंने नर्स से गीत सुनाने का आग्रह किया। नर्स का मधुर गीत सुनते-सुनते वह चिरनिद्रा में सो गईं। 2 मार्च, 1949 को प्रातः साढ़े तीन बजे भारत कोकिला सदा के लिए मौन हो गई। **(ङ)** उन्होंने नारी मुक्ति और नारी शिक्षा आंदोलन शुरू किया। नारी विकास को ध्यान में रखकर वे 'अखिल भारतीय महिला परिषद' की सदस्य बनीं। **(च)** गाँधी जी का मृत्यु उनके लिए घातक साबित हुई।

स्वाधीनता संग्राम पर आधारित पुस्तकों से कुछ प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी प्राप्त कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 17
उड़ीसा

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) कलिंग **(ख)** 1 अप्रैल, 1936 को (ग) चिल्का

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) मृत्यु, खाखेल **(ख)** 1592 **(ग)** चारों दिशाओं, मठों **(घ)** चिल्काझील **(ङ)** धर्मगीतों, भगवान

3. सही कथन के सामने (✔) ओर गलत कथन के सामेन (✘) का निशान लगाइए-

(क) ✔ **(ख)** ✔ **(ग)** ✘ **(घ)** ✔ **(ङ)** ✔

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) उड़ीसा को 'कलिंग' और 'उत्कल' जैसे अनेक नामों से जाना जाता रहा है। परंतु मुख्य रूप से इस राज्य की भूमि भगवान जगन्नाथ की भूमि के रूप में विश्व में प्रसिद्ध है। **(ख)** अपनी ललित कलाओं, भित्ति कला, पटचित्र, नृत्य, ओड़िसी संगीत, ओड़िसी नृत्य, वास्तुकला व मूर्तिकला के लिए विख्यात है। **(ग)** चावल उड़ीसा की मुख्य फसल है। गन्ने के अलावा तिलहन, दानों, जूट, नारियल, हल्दी ओर मूँगफली भी खूब पैदावार होती है। **(घ)** चार धाम जोशीमठ, रामेश्वरम्, द्वारिकापुरी तथा जगन्नाथपुरी हैं और ये चारों दिशाओं में स्थि हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए-

(क) रक्तपात **(ख)** ग्लानि **(ग)** मार्ग **(घ)** मंदिर **(ङ)** एकता

3. निम्नलिखित शब्दों को मिलाकर लिखिए-

दंडक + अरण्य - दंडकारण्य, **देव + आलय** - देवालय, **धर्म + आत्मा** - धर्मात्मा, **विद्या + आलय** - विद्यालय, **परम + आनंद** - परमानंद, **वार्ता + आलाप** - वार्तालाप

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) उसका जन्म दीपावली के दिन ही हुआ। **(ख)** मैं प्रातः जल्दी उठ जाता हूँ। **(ग)** सायं को मैं कॉफी पीना पसंद करता हूँ। **(घ)** उसके पास अल्प स्मरण शक्ति है। **(ङ)** तुमने दीर्घ प्रश्नों के उत्तर गलत लिखे हैं। **(च)** संतों ने उसे चिरंजीवी

होने का आशीर्वाद दिया **(छ)** मुझे ग्रीष्म ऋतु बिल्कुल पसंद नहीं है।

5. क्रिया-पदों को रेखांकित कीजिए तथा उनके सामने लिखिए कि क्रिया सकर्मक है या अकर्मक-

(क) अकर्मक क्रिया **(ख)** सकर्मक क्रिया **(ग)** सकर्मक क्रिया **(घ)** सकर्मक क्रिया **(ङ)** सकर्मक क्रिया

6. निम्नलिखित शब्दों में 'इत' प्रत्यय लगाकर लिखिए-

परिचय - परिचित, **विकास** - विकसित, **नियम** - नियमित, **प्रचलन** - प्रचलित, सम्मान - सम्मानित, **अपमान** - अपमानित, **भ्रम** - भ्रमित, **पुष्प** - पुष्पित

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) 1 अप्रैल, 1936 को उड़ीसा को अलग प्रांत का दर्जा मिला। **(ख)** उड़ीसा में मई तथा जून के महीने में इक्कीस दिनों तक 'चंदन जात्रा मेला' मनाया जाता है। फरवरी-मार्च माह में 'महाशिवरात्री' का मेला लगाया जाता है। तथा चंद्र मास फाल्गुन की पूर्णिमा के दिन से 'दौल जात्रा मेले' की शुरूआत होती है। **(ग)** जगन्नाथ जी की रथयात्रा उड़ीसा और बंगाल में अत्यंत लोकप्रिय है। यह पर्व जून-जौलाई के महने में मनाया जाता है। पुरी में होने वाले इस सर्वपमुख त्योहार के लिए काष्ठ के रथ ओर अन्य उपयोग में आने वाली सामग्री उड़ीसा के विभिन्न प्रांतों से भेजी जाती है। रथसयात्रा के जाने और लौटने के के समय दोनों ही बार रथ को तीर्थयात्रियों और भक्तों के द्वारा खींचा जाता है। **(घ)** उदयगिरि की बौद्ध व जैन गुफाएँ, हीराकुंड बाँध, दुदुमा जलप्रपात आदि। **(ङ)** कलाप्रिय उड़ीसावासी मंदिरों की दीवारों और निजी मकोनों की दीवारों को को अभिचित्रित करते हैं। उड़ीसा के पटचित्र भारत और विदेशों में प्रसिद्ध हैं। पीतल की मछलियाँ, सींग के खिलौने, तारकशी के आभूषण, कपड़े और खेलखड़ी से बनी वस्तुएं आदि दूर-दूर तक मशहूर हैं। चावल के द्रव से दीवारों और धरती पर चित्रांकन करना जिसे 'चित्रा' कहते हैं, यहाँ की महिलाएँ खूब करती हैं।

1. यदि आपकों उड़ीसा में रहना पड़े, तो आपको अपने प्रांत की कौन-कौन सी बातें याद आएँगी?

स्वयं कीजिए।

2. पाठ को पढ़कर उड़ीसा की विशेषताओं को दर्शाते चित्रों युक्त एक परियोजना तैयार कीजिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्याकन - 4

स्वयं कीजिए।

शैक्षिक मूल्यांकन - 2

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) जूलिया को **(ख)** दोनों **(ग)** कजली ने **(घ)** कलिंग **(ङ)** मजदूर के **(च)** अध्यापक **(छ)** औषधि **(ज)** दोनों **(झ)** 2 मार्च, 1949 को **(ङ)** कर्ण को

2. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइये-

(क)✗ (ख)✗ (ग)✓ (घ)✗ (ङ)✗

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

(क) जूलिया का मालिक उसे सबक सिखाना चाहता था। **(ख)** निधि का राकेश का अर्थ रात्रि का चंद्रमा है। **(ग)** चित्रा लेखिका की बिल्ली थी। दोनों मोर के बच्चों द्वारा लेखिका की मेज को अपना सिंहासन बना लेने वाली स्थिति चित्रा के लिए असहाय थी। **(घ)** चावल उड़ीसा की मुख्य फसल है। गन्ने के अलावा तिलहन, दालें, जूट, नायिलन, हल्दी ओर मूँगफली की भी खूब पैदावार होती है। **(ङ)** हाँ, हमें दूसरों के प्रति दयालु होना चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी करके लिखिये-

कवियत्री - कवयित्री, **परसिद्ध** -प्रसिद्ध, **साबसी** - शाबाशी, **उतसाह** - उत्साह, **रिणी** - ऋणि

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीत शब्द लिखिये-

निर्माता - विध्वंस, **प्रथम** - द्वितीय, **वरदान** - अभिशाप, **उपस्थित** - अनुपस्थित, **स्वदेशी** - पर देसी, **परतंत्र** - स्वतंत्र

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छे कीजिये-

फाल्गुन - स् + अ + फ् + ऊ + त् + र् + इ। **प्रगति** - प् + र् + अ ग् + अ + त् + इ। **जादूगर** - ज् + आ + द् + ऊ + ग् + अ + र् + अ। **रूपया** - र् + उ + प् + अ + य् + आ। **समाप्त** - स् + अ + म् + आ + प् + त् + अ

संस्कार - 8

पाठ - 1
प्रार्थना

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) प्रभु से **(ख)** संकट-सागर में **(ग)** रवींद्रनाथ टैगोर

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) अपने दुख से व्यथित चित्त को
सांत्वना देने की भिक्षा नहीं माँगता,
दुखों पर विजय पाऊँ,
यही आशीर्वाद दे-यही प्रार्थना है।

(ख) मुझे बचा ले यह प्रार्थना लेकर
मैं तेरे दर पर नही आया
केवल संकट सागर में तैरते रहने की शक्ति माँगना हूँ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) प्रस्तुत कविता के रचयिता रवीद्रंनाथ टैगोर हैं। **(ख)** कविता का मूल संदेश यह है कि हम अपनी आत्मशक्ति पर विश्वास रखते हुए उस परम महाशक्ति के प्रति श्रद्धावान बनें और दीनतामुक्त जीवन जिएँ, क्योंकि विपत्तियाँ तो प्रत्येक मनुष्य के सामने आती रहती हैं, ये हमारे बुद्धि-बल, साहस और कार्यकुशलता की परीक्षा लेकर हमें दृढ़ बनाती हैं। **(ग)** यह प्रार्थना गीत अन्य प्रार्थना गीतों से भिन्न हैं क्योंकि इस गीत में कवि कठिनाइयों, संकेटों, मुसबतों से लड़ने की शक्ति मागँ, रहा है, उन्हें मिटाने के लिए नहीं कह रहा है। **(घ)** कवि प्रभु से प्रत्येक संकट सागर से बाहर निकलने की शक्ति माँग रहा है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) द्वार **(ख)** चित्त **(ग)** सहायता **(घ)** अंतर **(ङ)** सागर **(च)** क्षण

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

विपत्ति - व् + इ + प् + अ + त् + त् + इ। **कथित -** क् + अ + ह् + आ + य् + अ त् + आ। **स्वीकार -** स् + व् + ई + क् + आ + र् + अ। **सहायता -** स् + अ + ह् + आ + य् + अ + त् + आ। **अनिष्ट -** अ् + न् + इ + ष् + ट् + अ। **शक्ति -** श् + अ + क् + त् + इ।

4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

विपत्ति - मुसीबत, **प्रार्थना -** विनती, **भिक्षा -** भीख, **अनिष्ट -** अशुभ, **प्रभाव -** छाया, **सागर -** समुद्र

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) यह प्रार्थना लेकर मैं तेरे द्वार पर नहीं आया। **(ख)** दुख से व्यथित चित्त को सांत्वना देने की भिक्षा नहीं माँगता। **(ग)** मैं दीनता स्वीकार करके आवश न बनूँ। **(घ)** संकट-सागर में तैरते रहने की शक्ति माँगता हूँ। **(ङ)** जब सारी दुनिया मेरा उपहास करेगी तब मैं शक्ति न होऊँ।

6. निम्नलिखित वाक्यों में आए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके वाक्य पुनः लिखिए-

(क) हे प्रभु! विपत्तियों से रक्षा करो। **(ख)** मैं दुखों पर विजय पाऊँ ऐसा आशीर्वाद चाहिए। **(ग)** मैं कभी दीनता स्वीकार करके अवश न बनूँ। **(घ)** मैं केवल संकट-सागर में तैरते-रहने की शक्ति माँगना हूँ। **(ङ)** यह भार वहन करके चलता रहूँ।

7. निम्नलिखित वाक्यों में आए सर्वनाम शब्द छाँटिए-

(क) यह, मैं, तेरे **(ख)** अपने **(ग)** अपने **(ग)** यही **(घ)** तेरी, मुझे **(ङ)** मेरा **(च)** मेरा

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कवि ने प्रथम पंक्तियों में विपत्तियों से भयभीत न होने की प्रार्थना की है। **(ख)** संसार के अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट ही कवि के भाग्य में आए हैं। **(ग)** सारी दुनियाँ के उपहास करने पर भी कवि शक्ति न होने के लिए कह रहा है।

1. आप ईश्वर से अपने लिए क्या-क्या माँगना चाहेंगे?

स्वयं कीजिए।

2. कोई अन्य प्रार्थना अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखिए और स्मरण कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 2
नीम का पेड़

अभ्यास

शैखिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) नीम का पेड़ **(ख)** तेजा ने **(ग)** नहीं

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) ऋण **(ख)** पुराना पेड़ **(ग)** प्रतिष्ठित **(घ)** दंग रह गए। **(ङ)** चेहरे

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) ब्याज न दे पाने के कारण मनोहर सिंह को नीम का पेड़ गिरवी रखना पड़ा। **(ख)** मनोहर सिंह ने ठाकुर शिवपाल सिंह से गिरवी रखे पेड़ को न काटने की प्रार्थना की क्योंकि यह पेड़ उसके पिता द्वारा लगाया गया था। **(ग)** हाँ, मनोहर सिंह तेजा के कारण नीम का पेड़ बचाने में सफल रहा।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) चाव **(ख)** छाँव **(ग)** गठिया **(घ)** मेवा **(ङ)** हर्ष **(च)** खाना

3. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

''ऋण का पाप तो देने से ही कटेगा।'' यह कथन मनोहर सिंह ने ठाकुर शिवपाल सिंह से कहा कि यदि हम किसी से ऋण लेते हैं तो हमें उसका भुगतान भी करना चाहिए अन्यथा उस ऋण का भार हमारे ऊपर सदैव रहता है।

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-

(क) हम अपेन देश की रक्षा करेंगे। **(ख)** तुम्हें क्या हुआ है? **(ग)** मैं आपको अपना पता दूँगा। **(घ)** तुम मुझे अपना पता दो। **(ङ)** तुमसे कोई काम नहीं हो सकता।

6. इसी प्रकार निम्नलिखित के शब्द-परिवार बनाइए-

उपयोग - उपयोगी, उपयोगिता। **अवश्य** - आवश्यक, आवश्यकता। **कार्य** - कार्यक्षमता, कार्यरत । **कथन** - कथनवस्तु, कथनपूर्वक

6. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

रुपया - रूपये, **गाँवों** - गाँव, **बातें** - बात, **निबोली** - निबोलियाँ, **झोंपड़ी** - झोंपड़ियाँ, बुड्ढे - बुड्ढा, **अँगूठियों** - अँगूठी, **पेड़** - पेड़ों

7. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

अंधेर करना - अत्याचार करना, हिटलर ने पूरे देश पर अंधेर किया हुआ था। **नाक कटना** - बेइज्जती होना, रामू की तो पूरे गाँव में नाक कट गई है। **समय का फेर होना** - समय बदलना, पवन की नौकरी लगते ही उसके परिवार केस यम का फेर हो गया। **राह देखना** - प्रतीक्षा करना, रिया बहुत देर से अपने पापा की राह देख रही है। रंग उड़ गया।

8. निम्नलिखित शब्दों को उचित प्रत्यय लगाकर लिखिए-

ऋण - ऋणि, **उदार** - उदारता, सप्ताह - साप्ताहिक, **मीठा** - मिठास, **प्रतिष्ठा** - प्रतिष्ठिता, **जंगल** - जंगली, **बच्चा** - बच्ची, **मधुर** - मधुरता

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) मनोहर सिंह के नीम के पेड़ से गहरा लगाव था क्योंकि वह अपने पिता ने लगाया था। राजा ने मनोहरसिंह के कष्ट को सुनकर पैसे देकर उसकी सहायता की। **(ख)** तेजा ने पिता ने पुनः मनोहर सिंह को रूपये दे दिए क्योंकि तेजा ने मनोहर सिंह को अपनी सोने की अगूँठी दे दी थी। **(ग)** ठाकुर शिवपाल सिंह ने कहा कि मैं मियाद खत्म होने के बाद भी रूपये लेने के लिए तैयार हूँ। उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह जानता था कि मनोहर सिंह के पास रूपये नहीं है पंरतु जब तेजा के पिता ने मनोहर को रूपये दे दिए।

1. तेजा ने मनोहर सिंह की सहायता की, क्या उसने सही किया? यदि हाँ तो बताइए क्यों?

स्वयं कीजिए।

2. वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं, कैसे? अपने विचार लिखिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 3
राष्ट्र का स्वरूप

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) भूमि, जन और संस्कृति से **(ख)** जलवायु के बिना **(ग)** संस्कृति

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) भूमि **(ख)** निधियाँ, वसुंधरा **(ग)** मातृभूमि **(घ)** भाव **(ङ)** जन

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) भूमि का निर्माण देवों ने किया। **(ख)** विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के

भौतिक स्वरूप का एक नया ढाँचा तैयार करना है। **(ग)** मनुष्य के अभाव में राष्ट्र की कल्पना असंभव है। **(घ)** भूमि, भूमि पर बसेन वाला जन ओर जन की संस्कृति, इन तीनों के सम्मिलन से राष्ट्र का स्वरूप बनता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) आकाश **(ख)** नारी **(ग)** विध्वंस **(घ)** अधर्म **(ङ)** पिता **(च)** पतन

3. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

'समन्वययुक्त जीवन ही राष्ट्र का सुखदायी रूप है।' यह कथन बिल्कुल सत्य है। समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है। किसी जन को पीछे छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। इसलिए समग्र राष्ट्र को जागरण और प्रगति की एक जैसी उदार भावना से सचांलित होना चाहिए।

4. निम्नलिखखित शब्दों सं स्त्रीलिंग में लिखिए-

बलवान - बलवती, **गुणवान -** गुणवती, **श्रीमति -** श्रीमती, **भगवान -** भगवती, **रूपवान -** रूपवती, **दयावान -** दयावती

5. निम्नलिखित शब्दों में विशेषण-विशेष्य शब्द छाँटिए-

विशेषण - आनंदप्रद, गंभरी, उपजाऊ, कुशल, विशाल। **विशेष्य -** कर्तव्य, सागर, शक्ति, शिल्पी, प्रांगण।

6. पाँच 'निर्' उपसर्ग वाले तथा पाँच 'स' उपसर्ग वाले शब्द लिखिकर उनके अर्थ भी लिखिए-

निर् + जन - निर्जन, **निर् + अपराध -** निरपराध, अपराधरहित, **निर् + जन -** निर्जन, **निर् + भय -** निर्भय, भयरहित, **निर् + मल -** निर्मल, **स + पुत्र -** सपुत्र, अच्छा पुत्र। **स + फल -** सफल, **स + पुत्र -** सपुत्र, अच्छा पुत्र, **स + धर्म -** सधर्म, **स + जीव -** सजीव, जीवित प्राणी

7. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) संसार में निर्भय होकर जीना चाहिए। **(ख)** वन हमारी अमूल्य निधि है। **(ग)** रिया के घर सब कुशल मंगल है। **(घ)** तुम इतने गंभीर क्यों रहते हो। **(ङ)** विशाल बहुत ही समझदार लड़का है। **(च)** तुम अर्जुन की शक्ति से भली-भाँति परिचति हो।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक-प्रश्न

(क) भूमि के पार्थिक स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जाग्रत होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। इसलिए भारत की संपूर्ण जानकारी होना आवश्यक है। **(ख)** धरती माता की कोश में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं उनके कारण यह वसुंधरा कहलाती है। **(ग)** राष्ट्र के साभी हाथों को पृथ्वी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार पाने का अधिकार होना चाहिए क्योंकि सभी को प्रसन्नता, उत्साह और अथक प्ररिश्रम के द्वारा नित्य आगे बढ़ना चाहिए। **(घ)** एक ही मातृभूमि के पुत्र होने के कारण विभिन्नताएँ होते हुए भी उनका सौहार्दभाव अखंड है। **(ङ)** बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है; संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास ओर अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि संभव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है। **(च)** लेखक ने समृद्धिशाली राष्ट्र की कल्पना की है।

1. आप जिस प्रांत में रहते हैं, उसकी संस्कृति का वर्णन एक अनुच्छेद में कीजिए।

स्वयं कीजिए।

2. 'भारतीय संस्कृति' इस शीर्षक से संबंधित पुस्तकालय से पुस्तक ढूँढ़कर पढ़िए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 4
गोभी का फूल

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) हरी सब्जी का **(ख)** गोभी के फूल **(ग)** नहीं

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) बाजार में सभी कुंजड़े उन्हें अच्छी तरह पहचानते हैं। घर की साग-सब्जी वे ही बाजार से रोज खरीदकर ले जाते हैं। हरे धनिए की गड्डी पैसे या दो पैसे की तीन लेना, शलजम के पत्ते तुड़वाकर तुलवाने का आग्रह करना, आलू छाँट-छाँटकर चढ़वाना, सड़ा कुम्हड़ा दूसरे दिन कटा हुआ वापस कराना अरबी धुलवानक, मिट्टी हटाकर लेना आदि अनेक ऐसी बातें है जिनके कारण सब्जीमंडी का हर कुंजड़ा उन्हें पहचानता है। **(ख)** 'हया' नामक वस्तु प्लेटफार्म पर ही छोड़कर डिब्बे के भीतर धुआ। प्रस्तुत पंक्ति में 'हया' नामक शब्द 'गोभी के फूल' के लिए प्रयोग किया गया। रेल के डिब्बे के भीतर भीड़ ठसाठस भरी हुई थी

तश्ज्ञा जल्दी-जल्दी में वह अपना झाबा बाहर भूल गया। अतः अंदर जाकर उसे गोभी के फूल की चिंता सताने लगी। **(ग)** दूसरे के सामान को लोष्ठवत् देखने के लिए अपनी पंरपरा में बहुत दिनों से आग्रह है। गाड़ी के भीतर, जब तक उठा ले जाने का मौका न हो, हर आदमी दूसरे का सामान ठीक इसी तरह देखता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) बाबू हनुमान प्रसाद को कौन नहीं जानता होगा। बहुत देर तक उसे हिसाब लगाना पड़ता है कि सौदे के बाद घाटे में आखिर कौन रहा! इसलिए कौन नहीं चाहता था कि वे उसकी दुकान पर ही उस दिन के बाजार का व्रत तोड़ें। **(ख)** जब लेखक अपने गोभी के फूल का झाबा बाहर ही छोड़कर अंदर डिब्बे में चला गया पर डिब्बा अंदर लोगों से ठसाठस भरा हुआ था। कोई भी टस से मस होने को तैयार नहीं था। लेखक को गोभी के फूल की चिंता सताये जा रही थी। सुझाव तो बहुतेरे आए पर कोई भी अपनी जगह से तिलभर भी हिलने के लिए तैयार न था इसलिए निःशस्त्रीकरण की तरह गोभी के फूलों की भी समस्या ज्यों-की-त्यों बनी रही।

3. किससे, किससे कहा-

(क) लेखक ने, हनुमान प्रसाद से **(ख)** हनुमान प्रसाद ने, लेखक **(ग)** लेखक ने, स्वयं

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) गोभी के गठे हुए पत्तेदार फूल जनता की इतनी लाखें खा चुके थे कि हारे हुए उम्मीदवार की तरह उन्हें पहचानना कठिन रहा था। **(ख)** स्टेशन पूरे इतने हमलों के बाद उसमें कितने विटामिन शेष बचे थे, यह सोचते हुए हनुमान प्रसाद जी को गोभी देने की लेखक की हिम्मत नहीं पड़ी। **(ग)** लेखक ने वहीं के बाजार से पाँच-पाँच आने के गोभी के फूल खरीदकर उन्हें दे दिए।

5. शब्दों में ज़रा-सा फेर उनका अर्थ बदल देता है। इस पाठ में कुछ शब्द ऐसे आए हैं जो सुननें में लगभग समान लगते हैं किंतु उनकी वर्तनी और अर्थ अलग होते हैं। ऐसा शब्दों को श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द कहते हैं; जैसे-

कर्म - कार्य, **क्रम** - सिलसिला, **चर्म** - झिल्ली, **चरम** - अंतिम, **तरंग** - लहर, **तुंरग** - घोड़ा, **पध** - पौध्या, **पध्य** - कविता, **वदन** - अगला भाग, बदन - शरीर

6. निम्नलिखित शब्दों के हिंदी पयार्यवाची शब्द लिखिए-

मर्ज - बीमारी, **खराब** - बेकार, **वक्त** - समय, **काफी** - बहुत, **खूबसूरत** - सुंदर, **सफर** - यात्रा, **मुसाफ़िर** - राहगीर, **जवाब** - उत्तर

7. निम्नलिखित को पढ़िए और जानिए-

हनुमान प्रसाद जी तभी उधर से गुजर रहे थे। पिछले शनिवार को रामप्रसाद जी गुजर गए। मैं डिब्बे में तो चढ़ गया पर मुझे गोभी के फूल की चिंता सता रही थी। उस चिड़िया के पर तो बहुत सुंदर है।

8. पढ़िए और जानिए-

निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए-

(क) बाबू हनुमान प्रसाद यि सरर संसार में किसी वस्तु को आदिकरण मानते हैं, तो वह है- ''हरी सब्जी।'' **(ख)** हैं.... हैं...., इधर नहीं! इधर गोभी है और उधर जाइए। अरे भाई! बचकर निकलिए। ओह! ''दो फूल कहाँ गए?'' मैं चिल्लाया। **(ग)** दूसरा बोला, ''बैंच के नीच कर दीजिए, बैंच के।''

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कोई भी कुंजड़ा नहीं चाहता था कि बाबू हनुप्रसाद उनकी दुकान पर आएँ क्योंकि बहुत देर तक उन्हें हिसाब लगाना पड़ता है कि सौद के बाद घाटे में अखिर कौन रहा! **(ख)** हनुप्रसाद प्रसाद ने बताया कि फल जरा गठा हुआ लीजिएगा। बिखरा हुआ फूल जल्दी खराब हो जाता है और देखिए, अकसर उस पर झाँई पउ. जाती हे, यह न रहे। बहुत-से गोभी वाले पत्ते निकाल लेते हैं, वे पत्ते न निकालने पाएँ। पूरी गोभी लीजिएगा। जो कैलोरी पत्तों में होती है, वह फूल में होती हीं नहीं। पत्तों के डंठल का अचार बहुत अच्छा होता है। **(ग)** गाड़ी आई ठसाठस भरी हुई मेल। मारामारी का दृश्य। गाड़ीवालों ओर बेगाड़ीवालों का वर्ग संघर्ष। अतंतः दृश्य में कुछ शांति आई। धीरे-धीरे लोग पानी लेने के लिए डिब्बे से बाहर निकले। मेरे कुली ने 'अब न चूक चौहान' की तरह मुझे ललकारा। ममैं भीतर घुसने लगा। भीतरवाले मुझे दूसरे डिब्बे में खाली जगह के बारे में अतिरिक्त जानकारी के साथ रेलवे के सारे कानून एक साथ समझाने को तुल गए पर 'हया' नामक वस्तु मैं प्लेटफार्म पर छोड़कर ही डिब्बे के भीतर घुसा था। **(घ)** गोभी के चक्कर में लेखक की कुली से तू-तू, मैं-मैं हो गई। कुली इनाम माँगने पर अड़ा हुआ था और लेखकर गिरी हुई गोभी के दाम लेने पर। दोनों एक-दूसरे को अपनी-अपनी भाषा में ऊँच-नीच कहने लगे। **(ङ)** पाठ के अंत में लेखक ने

वहीं के बाजार से पाँच-पाँच आने के गोभी के फूल खरीदकर हनुमान प्रसाद को दे दिए।

1. बाबू हनुमान प्रसाद की तरह ही यदि आपको कोई व्यक्ति गोभी लाने के लिए कहे तो, तो आप क्या करेंगे?

स्वयं कीजिए।

2. क्या किस बात अथवा वस्तु में मीन-मेख निकालना अच्छी बात है? सोच-समझकर अपने विचार लिखिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 1

स्वयं कीजिए।

पाठ - 5

संगति का प्रभाव

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर ही (✔) का निशान लगाओ-

(क) सुपंखी **(ख)** तोते की **(ग)** राजा **(घ)** मधुर ओर विनम्र

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) दो बच्चे **(ख)** सुख-स्वप्नों **(ग)** कड़की, आँधी **(घ)** चोरों **(ङ)** समझ, आचरण

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) सुपंखी तो आँधी के साथ उड़कर चारों की एक बस्ती में जा गिरा ओर सुकंठी एक पर्वत से टकराकर बेसुध हो गया, जहाँ लुढ़ककर वह ऋषियों के एक आश्रम मे जा गिरा। **(ख)** सुपंखी चोरों की बस्ती में पला-बढ़ा। **(ग)** ऋषियों की संगति में रहने के कारण सुकंठी का स्वभाव मधुर और विनम्र था। **(घ)** हाँ, हम संगति के अच्छे-बुरे प्रभाव से सहमत हैं, क्योंकि जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी बुद्धि तथा आचरण होता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-

''संगति, मति-गति सब कुछ बदल देती है।'' यह कथन बिल्कुल सत्य है। इस कहानी में यही बताया गया है कि एक ही माँ। के दोनों बच्चें होने के बाद भी केवल संगति के कारण, दोनों के आचारण व्यवहार, सभ्यता तथा बुद्धि में कितना अतंर था। अतः जैसी हम संगति रखेंगे, वैसी ही हमारी बुद्धि तथा अचारण होगा।

3. निम्नलिखित वाक्यों को उद्देश्य, उद्देश्य का विस्तार, विधेय और विधेय का विस्तार में वर्गीकृत कीजिए-

(क) उद्देश्य - हरे-हरे पंख और लाल-चोंच वाले दो शुक-शावक, **विधेय** - हरे-भरे पेड़ पर **(ख) उद्देश्य** - तोते का बच्चा, **विधेय** - चोरों की बस्ती में **(ग) उद्देश्य** - गाता हुआ बंजारा, **विधेय** - बहुत दूर **(घ) उद्देश्य** - तुम्हारा लिखने-पढ़ने का काम, **विधेय** - अभी तक **(ङ) भोजन** - करते हुए भी, **विधेय** - बड़ी तेजी से

4. निम्नलिखित शब्दो में 'सु' उपसर्ग ओर 'ई' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए-

नाम - सुनामी, **मुख** - सुमुखी, **पर्ण** - सुपर्णी, **रंग** - सुरंगी, **बल** - सुबली, **कुमार** - सुकुमारी

5. पाठ से ऐस तीन युग्म शब्द चुनिए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

वन के सारे वृक्ष, झाड़ी-झुरमुट तहस-नहस हो गए। दोनों प्रत्येक कार्य साथ-साथ करते थे। सभी ऋषि-मुनि भिक्षाटन के लिए गए हुए थे।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) दोनों एक ही जैसे थे- हरे, हरे पंख, लाल चोंच, चिकनी और कोमल देह। जब बोलते तो दोनों के कंठ से एक ही जैसी ध्वनि निकलती थी। **(ख)** सुपंखी की कर्कश वाणी सुनकर राजा भयभीत हो उठा। **(ग)** सुकंठी की विनम्रता तथा शिष्टता पूर्ण वाणी सुनकर राजा चकित हुआ। **(घ)** सुकंठी ने अपने तथा सुपंखी के विषय में सुब कुछ बताकर राजा की दुविधा को दूर किया। **(ङ)** यदि हमें अपना आचरण अच्छा तथा सभ्य बाना है तो हमें सदैव अच्छी संगति में रहना चाहिए।

1. प्रसिद्ध सुक्ति हैः जैसी संगत बैठिए, वैसा ही फल दीन।' - जैसी आपकी संगति होगा, आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? सोच-विचारकर लिखिए।

स्वयं कीजिए।

2. आप कैसे मित्रों की संगति करना चाहेंगे; इस पर कक्षा में अपने विचार प्रकट कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 6

प्रेमचंद का बचपन

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) बाँस की कमानी से **(ख)** मौलवी साहब के

(ग) बचपन की

2. सही कथन से सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) प्रस्तुत पाठ मुंशी प्रेमचंद्र के विषय में है। (ख) प्रेमचंद्र बचपन में बहुत शरारती थे। (ग) प्रेमचंद्र के गाँव का नाम लहही था। (घ) अपने पिताजी के डर के कारण प्रेमचंद्र ने झूठ बोला कि उन्होंने रूपया नहीं चुकाया था।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. समान अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) प्रतिदिन (ख) उत्तर (ग) आनंद (घ) उपस्थिति (ङ) सप्ताह

3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

प्रस्तुत पंक्तियाँ लेखक (मुंशी प्रेमचंद) ने अपनी एक कहानी 'चारी' में अपने बचपन को याद करते हुए लिखती है कि हाय बचपन, तेरी याद नहीं भूलती, सारी बातें आँखों को सामने फिर आ जाती हैं। चमरौंधे जूते पहनकर उस वक्त जितनी खुशी होती थी, अब फ्लैक्स के बूटों से भी नहीं होती, गरम पनुए रस में जो मजा था, अब वह गुलाब के शरबत में भी नहीं; चबेने और कच्चे बेरों में जो रस था, तब वह अंगूर और खीरमोहन में भी नहीं मिलता।

4. सोच-समझकर लिखिए-

(क) लेखक अपने चचेरे भाई हलधर (असली नाम बलभद्र) के साथ दूसरे गाँव में एक मौलवी साहसब के यहाँ पढ़ने जाया करता था। (ख) लेखक की उम्र आठा साल तथा उसका चचेरा भाई उससे दो वर्ष बड़ा था। (ग) दोनों प्रातः काल बासी रोटियाँ खाते थे तथा दोपहर के लिए मटर और जौ का चबेना लेते थे। (घ) मौलवी साहब के यहाँ हाजिरी रजिस्टर नहीं था और न ही गौर-हाजिरी पर जुर्माना लगता था।

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) रोता-पीटता वह अपने घर चला गया। (ख) रामू को पकड़े झनकती-पटकती नवाब की माँ के पास आ धमकी। (ग) नवाब की मंडली आम बीन-बटोरकर चंपत हो जाती। (घ) नवाब गुल्ली-डंडा खेलने में भी प्रवीण थे। (ङ) यह तो उनकी बाल-प्रकृति थी।

6. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तित कीजिए-

(क) मुझसे यहाँ बैठा नहीं जाता है। (ख) हमने एक पौधा लगाया है। (ग) प्रेमचंद्र द्वारा बचपन में एक रूपया चुराया। (घ) मौलवी साहब द्वारा फारसी पढ़ाई गयी। (ङ) मैंने शरबत पिया।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) बचपन में प्रेमचंद फसल के दिनों में खेत में घुसकर ऊख तोड़ लाते, मटर-उखाड़ लाते, ढेले मार-मारकर आम तोड़ते आदि। तथा रोज नई-नई शरारतें क्रिया करते थे। (ख) मौलवी साहब के यहाँ पढ़ाई करते समय वे आगे का उत्तर कभी तो थाने के सामने खड़े सिपाहियों की कवायद देखते, कभी भालू या बंदर नाचनेवाले मदारी के पीछे-पीछे घूमने में दिन काट देते, कभी रेलवे स्टेशन की ओर जाते और गाड़ियों की बहार देखते। (ग) हजारों संसूबे बाँधते थे, हजारों हवाई किले बनाते थे। यह अवसर बड़े भाग्य से मिला था। इसलिए रूपयें को इस तरह खर्च करना चाहते थे कि ज्यादा-से-ज्यादा दिनों तक चल सके। उन दिनों पाँच आने सेर बहुत अच्छी मिठाई मिलती थी। आधा सेर मिठाई से हम दोनों अफर जाते; लेकिन यह ख्याल हुआ कि मिठाई खाएँगे तो रुपया आज भी गायब हो जाएगा। कोई सस्ती चीज खानी चाहिए जिसमें मजा भी आए, पेट भी भरे और पैसे भी कम खर्च हों। (घ) उस रूपये को लेकर हलधर और प्रेमचंद को प्रेमचंद के पिताजी के विकराल रूप का सामना करना पड़ा।

1. आपका बचपन कैसा बीता? अपने बचपन की खट्टी-मीठी यादें बताइए।

स्वयं कीजिए।

2. प्रेमचंद्र की जीवन 'कलम का सिपाही' पढ़िए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 7
दो पंक्षी

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निमनलिखित के सही उत्तर पर सही (4) का निशान लगाओ-

(क) सोना (ख) आजादी (ग) पिंजरे का पंछी (घ) रवींद्रनाथ ठाकुर

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) सोने के पिजरे में था पिंजरे का पक्षी
और वन का पंछी वन में,
जाने कैसे एक बार दोनों का मिलन हो गया।

कौन जाने उसके मन में क्या था
(ख) वह का पंछी कहता है,
''नहीं, मैं वहाँ उड़ूँगा कैसे?''
पिंजरे का पंछी कहता है,
''हाय, बादलों में बैठने का ठोर कहाँ है?''
इस तरह दोनों एक-दूसरे को चाहते तो हें,
किंतु पास-पास नहीं आ पाते।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) दोनों बराबर रखे पंछी में से एक तो पिंजरे में रहता था तथा अन्य वचन में रहता था। **(ख)** वन के पंछी ने पिंजरे में बंद पंछी से वन में चलने के लिए कहा। नहीं, पिंजरे का पंछी आजाद नहीं हुआ क्योंकि उसमें उड़ने की शक्ति नहीं थी।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने दो पंछियों के माध्य से यह स्पष्ट किया है जिस मनुष्य को सीमित दायरे में रहकर सुख-सुविधाएँ भोगने में ही सुख का अनुभव होता है, वह आजाद नहीं होना चाहता और आजाद मनुष्य किसी भी लालच में नहीं रहना चाहता है। वह स्वतंत्र रहने में ही सुख का अनुभव करता है।

3. इसी तरह अग्रलिखित शब्द-मूहों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

गीत गाने वाला - गायक, **रक्षा करने वाला** - रक्षक, **जिसमें पंक्षी को कैन किया जाता है** - पिंजरा, **पक्षियों का शिकार करने वाला** - शिकारी, जो **पंछी वन में रहता है** - वन्यपक्षी

4. निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए-

(क) के, में **(ख)** का, में **(ग)** के, ने, के **(घ)** से, में **(ङ)** के, ने, के, को

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

पक्षी - पंक्षी, **वन** - जंगल, **जंगल** - वन, **बादल** - मेघ, **आकाश** -आसमान, **बांधा** - मुश्किल

6. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

जीवन - मृत्यु, **उच्च** - नीच, **गगन** - धरती, **सभ्य** - असभ्य, **सबल** - दुर्बल, **विशाल** - छोटा

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) एक पंछी तो वन में रहता था तथा अन्य पिंजरे में। **(ख)** पिंजरे के पंछी ने बताया कि अब उसमें उड़ने की शक्ति नहीं है। **(ग)** दोनों पंछी मिलकर नहीं रह पाए क्योंकि न तो पिंजरे का पंछी पिंजरा छोड़कर वन में जाने को तैयार हुआ, न ही वन का पंछी पिंजरे में रहने को तैयार हुआ। **(घ)** इस कवि से यह संदेश मिलता है कि जिस मनुष्य को सीमित दायरे में रहकर सुख-सुविधाएँ भोगने में हही सुख का अनुभव होता है, वह आजाद नहीं होना चाहता और आजाद मनुष्य किसी भी लालच में नहीं आना चाहता है। वह स्वतंत्र रहने में ही सुख का अनुभव करता है।

1. इस कविता के माध्यम से कवि रवींद्रनाथ ठाकुर क्या बताना चाहते हैं?

स्वयं कीजिए।

2. दोनों पंछियों के जीवन में से आपको किसका जीवन अच्छा लगा और क्यों?

स्वयं कीजिए।

पाठ - 8
मेरी विदेश यात्रा

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) लोहा बनाने का **(ख)** देशी **(ग)** वेनिस शहर में

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) टाटा **(ख)** टामस कुक कंपनी **(ग)** पूरख रूख **(घ)** मनुष्य, शरीर **(ङ)** मार्सेल्स

3. सही कथन के सामने (✔) और गलत कथ्न के सामने (✘) का निशान लगाइए-

(क) ✔ **(ख)** ✔ **(ग)** ✔ **(घ)** ✔ **(ङ)** ✔

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) डॉ0 राजेंद्र प्रसाद विदेश जाने की तैयारी करने लगे। **(ख)** डॉ0 राजेंद्र प्रसाद ने भारतीय कपड़े तैयार करवाए। **(ग)** गाँधी जी से विदा लेने के लिए डॉ0 राजेंद्र प्रसाद साबरमती गए। **(घ)** डॉ0 राजेंद्र प्रसाद टामस कुक कपंनी की ओर से प्रबंधित जहाज से मुंबई से चले। **(ङ)** स्फिंक्स एक अजीब चीज है। मुँह मनुष्य का और शरीर जानवर का है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. समान अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) पास **(ख)** विदेश **(ग)** शर्म **(घ)** व्यवस्था **(ङ)** भरोसा **(च)** पुराना

3. निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग करके नए शब्द बनाइए-

आ - बुलाया, गिराया, **ता -** दासता, नीचता, **अंत -** बेअंत, बलवंत, **नी -** बेइमानी, जेठानी, **आहट -** चिल्लाहट, फसफसाहट, **आऊ -** म्याऊँ, बुलाऊँ, ई - देवरानी, गुलामी

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) मूर्ति का शृगांर बहुत सुंदर था। **(ख)** यात्राक्रम का समय निश्चित कर दिया गयां **(ग)** लेखकर विलायत जाने के लिए उत्सुक था। **(घ)** उन्होंने कई राजाओं की कब्र देखी। **(ङ)** लेखक भारतीय पोशाक में विलायत गए थे।

5. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक-चिह्न छाँटकर लिखिए-

(क) की, का **(ख)** में **(ग)** में, से **(घ)** की, से **(ङ)** का **(च)** में, के लिए

6. रेखांकित पदों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग करते हुए वाक्यों को पुनः लिखिए-

(क) गाँधी जी महान् व्यक्ति थे। वे अहिंसा का पाठ पढ़ाते थे। **(ख)** मेरी माँ बहुत सुदंर हैं। वह मुझे अत्यधिक चाहती हैं। **(ग)** कविल मुर्ख छ्रा है। वह सदैव शैतानियाँ ही करता रहता है। **(घ)** कृष्ण और बलराम सगे भाई हैं। वे एक ही विद्यालय में पढ़ते हैं। **(ङ)** कला मेरी सखी है। वह मुंबई में रहती है।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) डॉ0 राजेंद्र प्रसाद का विदेश जाने का कारण था कि उनके बाबू हरिजी चाहते थे कि वह वहाँ के बैरिस्टरों की मदद करें। **(ख)** डॉ0 राजेंद्र प्रसाद ने अपने लिए हिंदुस्तानी कपड़े बनवाए क्योंकि वे अपने नियमों को भंग नहीं करना चाहते थे। **(ग)** डॉ0 राजेंद्र प्रसाद ने काहिरा का अजायबघर देखा। डॉ0 राजेंद्र प्रसाद ने वहाँ पिरामिड, म्यूजियम, मस्जिद आदि भी देखा। **(घ)** स्फिंक्स एक अजीब चीज है। मुँह मनुष्य का और शरीर जानवर का है। एक बहुत बड़ी मूर्ति उस रेगिस्तान में इसी शक्ल की बनी पड़ी है। सुनते हैं कि प्राचीनकाल में इससे प्रश्न किए जाते थे और वह भविष्य की बातें बता देता था। पर यह जो कुछ कहता था उसका समझना बहुत कठिन था। अब ये बात तो नहीं है, पर यह मूर्ति ही, उस प्राचीन समय कराती रहती है। (ङ) अजीब शहर है। समुद्र घर-घर में है। घर से निकलकर नाव से ही बारह जाया जाता है। नाव के सिवा वहाँ कोई दूसरी सवारी नहीं होती। पानी के बीच में चट्टानें हैं, उन्हीं पर मकान बने हैं। जो मशहूर गिरजाघर है, वहाँ कुछ खाली जगह है।

1. मिस्त्र के पिरामिडों विषय में जानकारी प्राप्त कर अभ्यास-पुस्तिक में लिखिए।

स्वयं कीजिए।

2. लंदन में जमीन के अंदर चलने वाली रेल के इतिहास पर एक लेख लिखिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 2

स्वयं कीजिए।

शैखिक मूल्यांकन - 1

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) प्रभु से **(ख)** तेजा ने **(ग)** संस्कृति **(घ)** गोभी के फूल **(ङ)** राजा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(क) टामस कुक कंपनी **(ख)** चोरों **(ग)** हताशहोकर **(घ)** चेहरे **(ङ)** भूमि

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

(क) ऋषियों की संगति में हरने के कारण सुकंठी का स्वभाव मधुर और विनम्र था। **(ख)** प्रेमचंद बचपन में बहुत शरारती थे। **(ग)** स्फिंक्स एक अजीब-चीज है। मुँह मनुष्य का और शरीर जानवर का है। **(ङ)** कवि प्रभु से प्रत्येक संकट सागर से बाहर निकलने की शक्ति माँग रहा है।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी करके लिखिये-

(क) अत्याचार करना **(ख)** बेइज्जती होना **(ग)** समय बदलना **(घ)** होश उड़ना **(ङ)** प्रतीक्षा करना

2. शब्दों को उचित प्रत्यय लगाकर लिखिये-

ऋण - ऋणी, **सप्ताह -** साप्ताहिक, **मधुर -** मधुरता, **जंगल -** जंगली

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिये-

पक्षी - पंछी, **जंगल -** वन, **वन -** जंगल, **बादल -** मेघ, **बाधा -** मुश्किल, **आकाश -** गगन

पाठ - 9
गुफाओं की कलाकृतियाँ

अभ्यास

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**

   (क) लाल-सफेद **(ख)** नृवराह अवतार की

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

   (क) लाल, सफेद **(ख)** औरंगाबाद, 30 **(ग)** विश्वसांस्कृति धरोहर **(घ)** परंपरा की **(ङ)** निवास स्थान को विहार तथा उपासना ग्रह को चैत्य नाम से जाना जाता है।

3. **सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-**

   (क) ✗ **(ख)** ✗ **(ग)** ✓ **(घ)** ✓ **(ङ)** ✓

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

   (क) शायद कभी उसने अपनी स्वयं की परछाईं देखकर चित्र उकेरना सीखा होगा या गीली मिट्टी अथवा बालू में पड़े हाथों-पैरों या जानवरों के पंजों के निशानों ने उसके भीतर के कलाकार को कुछ रचना करने के लिए प्रेरित किया होगा। **(ख)** भीमबेटकों के शिलाचित्रों के मुख्यतः शेर, चीते, हाथी, भालू, छिपकली आदि जानवरों के चित्र देखने को मिलते हैं। **(ग)** प्राकृतिक गुफाओं में रहने के पश्चात् मानव ने प्रगति की कालांतर में खोदने ओर पत्थरों पर आघात कर सकने वाले हथियारों का निर्माण किया। इन गुफाओं का काट-काटकर आकार देते-देते उसने अनेक प्रकार की मूर्तियों और नक्काशियों को भी इन चट्टानों में चित्रित कर दिया। चिंतन, मनन और योग के स्थल के रूप में प्रयुक्त की जाने लगीं और अनेक धार्मिक संप्रदायों ने इनका भरपूर उपयोग किया। **(घ)** गुप्तकालीन मूर्तिकला उदयगिरी की गुफा मंदिरों में देखने को मिलती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

2. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-**

   पवित्र - अपवित्र, **धूमिल** - साफ, **प्रगति** - दुर्गति, **प्रत्यक्ष** - अप्रत्यक्ष, **निर्माण** - विध्वंस, **उत्कर्ष** - अपकर्ष, **सूर्योदय** - सूर्यास्त, **उच्चतम** - नीचतम, **अभूतपूर्व** - भूतपूर्व, **प्राकृतिक** - कृत्रिम

3. **रिक्त स्थानों को क्रिया-विशेषण शब्द द्वारा भरिए तथा क्रिया-विशेषण भेद लिखिए-**

   (क) कभी-कभी, कालवाचक क्रिया विशेषण **(ख)** रीतिवाचक क्रिया विशेषण **(ग)** मैदान में, स्थानवाचक क्रिया विशेषण **(घ)** बाहर, स्थानवाचक क्रिया विशेषण **(ङ)** अब, कालवाचक क्रिया विशेषण **(च)** बुरा, रीतिवाचक क्रिया विशेषण

4. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

   आपदा - कठिनाई, **प्रगति** - वृद्धि, **गणेश** - गजानन, **युद्ध** - आक्रमण, **स्त्री** - औरत, **गुफा** - गुफा, **शिला** - मूर्ति, सफेद - **चिट्टा**

5. **निम्नालिखित शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए-**

   साहित्य से संबंधित - साहित्यिक, **विज्ञान से संबंधित** - वैज्ञानिक, **इतिहास का ज्ञाता** - इतिहासकार, **परंपरा से संबंधित** - पारंपरिक, जो **पहले हो चुका हो** - भूतपूर्व, **जो पहले न हुआ हो** - अभूतपूर्व, संस्कृति से संबंध **रखने वाला** - सांस्कृतिक, **भूगोल से संबंध रखने वाला** - भौगोलिक, जो **आँखों के सामने हो** - प्रत्यक्ष, **जो आँखों के सामने न हो** - अप्रत्यक्ष

6. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-**

   यथेष्ट - यथ + एष्ट, **चरमोत्कर्ष** - चरम + उत्कर्ष, **सर्वोत्तम** - सर्व + **उत्तम, एकांत** - एक + अंत, **सूर्योदय** - सूर्य + उदय, **कालांतर** - काल + अंतर

मौखिक प्रश्न

(क) शिकार की खोज में जंगल-जंगल भटकता मानव जब प्राकृतिक गुफाओं, शैलाश्रयों में रहने लगा होगा, तब उसे वह स्थान वर्षा, तूफान, गर्मी, सर्दी और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाने वाला अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक प्रतीत हुआ होगा। तब मानव के सौंदर्य बोध ने उसे एक नई दृष्टि दी होगी और उसने अपनी इन गुफाओं की शिलाओं को चित्रों से चजा दिया होगा। यहीं से शुरू हो गई गुफाओं की शिलाचित्र की परंपरा। **(ख)** भीमबेटका के शिलाचित्रों की यह विशेषता है कि हजारों साल के बाद भी ये शिलाचित्र धूमिल नहीं हुए हैं। और वे आज भी अपनी गाथा सुन रहे हैं। **(ग)** उदयगिरी की गुफाओं की सर्वाधिक प्रसिद्ध मूर्ति वाराह अवतार की है। यह विश्वविख्यात प्रतिमा है जिसमें प्रतिमा का शरीर मानव का है किंतु उसका खुख वाराह का है जिसके नथुने में पृथ्वी स्थित दिखाई गई है। **(घ)** बौद्ध धर्म के प्रचारकों द्वारा निर्मित कला का सर्वोत्कृष्ट रूप अंजता की गुफाओं में दिखाई पड़ता है। औरंगाबाद से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित इन गुफाओं को देखकर सभी स्तंभित हो जाते हैं। पहाड़ियों को काटकर बनाई गयी विशाल गुफाएँ जिनमें न केवल बुद्ध के

जीवन से संबंधित जातक कथाएँ चित्रित हैं, बल्कि भगवान बुद्ध की विशालकाय मूर्तियाँ, उन मूर्तियाँ का सौष्ठव, सौंदर्य और भाव-भंगिमाएँ देखकर दर्शन अचंभित रह जाते हैं गुफाओं में सुदर नक्काशी वाले स्तंभ, अभूतपूर्व चित्र, मूर्तियाँ और बुद्ध की अनेक प्रतिमाएँ हैं। अजंता की गुफाओं का निर्माण बौद्ध भिक्षुओं के निवास स्थान के रूप में जिन्हें 'विहार' कहा जाता था तथा उपासना गृह के रूप में जिन्हें 'चैत्य' कहते थे, हुआ था। **(ङ)** एलोरा की गुफाओं में चट्टानों को काटकर हिंदु मंदिर, बौद्ध विहार ओर जैन मठ निर्मित किए गए हैं जो धार्मिक समन्वय का सर्वोत्तम उदाहरण हैं। पाँचवीं और दसवीं शताब्दी के मध्य भारत कला के उच्चरतम शिखर पर तो भी ही, सर्वधर्म समभाव का विलक्षण उदाहरण भी था। इन गुफाओं में बौद्ध गुफाएँ सबसे पुरानी हैं जिनमें मुख्यतः विहार थे। इनमें निवास के अतिरिक्त बुद्ध बोधिसत्व और बुद्ध के अन्य अवतारों की सुंदर प्रतिमाएँ बनी हैं। **(च)** ऐलोरा के स्मारकों में सबसे महत्वपूर्ण कैलाश मंदिर है जो चट्टानों को तराशकर बनाया गया है। इनको देखकर कलाकारों की दक्षता और रचनात्मकता का कायल हुए बिना नहीं रहा जा सकता। नृत्य करते नटराज की प्रतिमा, चट्टानों पर शिव विवाह का दृश्य, कैलाश पर्वन में बैठ शिव-पार्वती, नंदी बैल की प्रतिमा आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिनका विलक्षण सौंदर्य लोगों को बाँध लेता है। नक्काशीदार स्तंभ, दीवारों पर उकेरे दृश्य सभी अभिभूत करने वाले हैं।

1. **पाठ में वर्णित गुफाओं के नाम लिखिए। यदि आप उन्हें देखने जाना चाहेंगे तो आप वहँ कैसे जाएँगे और उसके बारे में क्या-क्या जानकारी प्राप्त करना चाहेंगे।**
   स्वयं कीजिए।
2. **गुफा मंदिरों पर परियोजना कार्य कीजिए। इसे आप सामूहिक रूप से भी कर सकते हैं।**
   स्वयं कीजिए।

पाठ - 10
जुरमाना

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-**
   (क) जुरमाना **(ख)** अलारक्खी का **(ग)** बच्ची बीमार थी
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
   (क) सौकड़ों **(ख)** **(ग)** सूली **(ग)** हताश होकर होकर **(घ)** उड़ गया **(ङ)** 6 रूपये
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**
   (क) वेतन का दिन औरों के लिए हँसने का तथा अलारक्खी के लिए रोने का था क्योंकि उसे पैसे कटने का डर होता था। **(ख)** अधिक छुट्टियाँ होने के कारण अलारक्खी पर जुरमाना हो जाता था। **(ग)** हुसैनी ने अपनी पत्नी अलाखक्खी का यह कहकर ढाँढस बँधाया कि ''तू इतना उदास क्यों है? तलब ही न कटेली, कटने दे। अबकी से तेरी जान की कमम खाता हूँ। एक घूँट दारू या ताड़ी नहीं पीऊँगा।।'' **(घ)** नहीं, दरोगा वास्तव में कठोर हृदय का नहीं था।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-**
   नर - नारी, **रिपु** - मैत्री, **नेकनाम** - कुनाम, **अदब** - बेअदब, **सूरत** - मूरत, **किस्मत** - बदकिस्मत, **नसीब** - बदनसीब, **दुआ** - बदुआ
3. **निम्नलिखित का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए-**
   तखमीना करना - वह बार-बार जुरमाने की रकम का तखमीना करती। **कानाफूसी करना** - वह बार-बार कानाफूसी कर रही थी। फूट-फूट कर **रोना** - बच्चे को देखकर वह फूट-फूट कर रोई। **मन सूली पर टँगा रहना** - तलब के दिन तो अलारक्खी का मन सूली पर टँगा रहता था। **कलेजा धक्-धक् करना** - अलारक्खी का कलेजा धक्-धक् करने लगा।
4. **उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए-**
   (क) वह उठ गया। वह चलने के लिए उठ गया। **(ख)** लड़की चिल्लाई। लड़की चिल्लाकर बेहोश हो गई। **(ग)** वह घब्राई। उसने घबराकर आँखें मूँद ली। **(घ)** अलारक्खी को देखा। अलारक्खी को देख औरतें कानाफूसी करने लगीं। **(ङ)** अलारक्खी चौंक गई। वह अपना नाम सुनकर चौंक पड़ी।
5. **निम्नलिखित विशेषण रूप लिखिए-**
   नर - साँवला, **रिपु** - पुराना, **उदासी** - घोर, **एकता** - घनिष्ठ, **रोग** - भयकंर, **दया** - अत्याधिक, **नाम** - अच्छा, **प्रसन्नता** - बहुत

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कई बार काम पर देने से जाने के कारण अलारक्खी सोच रही थी। कि इस बार उसका आधा वेतन कट जाएगा। **(ख)** जब अलारक्खी ने अली खाँ **(ग)** अलारक्खी यह सोचकर भयभीत हो उठी

कि अब तो दरोगा निश्चित ही उसे बरखास्त कर देगा। **(घ)** अलारक्खी का पश्चाताप इसलिए हुआ कि दरोगा ने इस बार उसका कोई जुर्माना नहीं काटा था, उसे पूरा वेतन दिया था।

1. यह कहानी आज भी सार्थक क्यों है, इस विषय पर कक्षा में अपने विचार प्रकट कीजिए।

स्वयं कीजिए।

2. अधिकारी वर्ग और अधीनस्थ कर्मचारीगण के आपसी आदर्श संबधों पर अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 11
भगवान के डाकिये

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) दोनों **(ख)** चिट्ठियाँ **(ग)** ओस

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

(क) पक्षी और बादल
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से।
दूसरे महादेश को हैं।

(ख) हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए,
पक्षियों की पांखों पर तिरता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) पक्षी तक्षा बादल को कवि ने भगवान के डाकिए कहा है। **(ख)** भाप पानी बन जाता है। **(ग)** हाँ **(घ)** वह चिट्ठी आने पर आता है और चिट्ठियाँ लाता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) बलवान **(ख)** जाते **(ग)** आँकते **(घ)** भेजती **(ङ)** गिरता

3. निम्नलिखित पंक्तियाँ का अर्थ स्पष्ट कीजिए-

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने स्पष्ट करते हुए यह कहा है कि हम तो भगवान के डाकिए (बादल तथा पक्षी) की चिट्ठी को नहीं पढ़ सकते, परंतु हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि एक देश की धरती दूसरे देश की धरती को सुगंध भेजती है और वह सुगंध हवा में तैरते हुए पक्षियों के पंखों पर गिरती है।

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) पक्षी भगवान के डाकिए हैं। **(ख)** पक्षी और बादल दोनों भगवान के डाकिए हैं। **(ग)** पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँधते हैं। **(घ)** वह सौरभ हवा में तैरती है। **(ङ)** एक देश की भाप बनकर दूसरे देश में गिरती है।

5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

पक्षी - पंछी, खग। **बादल** - मेघ, जलधर, **सुगंध** - महक, खुशबू। **पहाड़** - गिरी, पर्वत। **पानी** - जल, नीर। **पंख** - पर, पाँख

7. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कीजिए-

नीलकमल - नीले हे। जिनके कमल, **कालीमिर्च** - काली है मिर्च जो, **पुरुषोत्तम** - पुरूषों में उत्तम, चरणकमल - कमल के समान चरण, **कमलनयन** - कमल के समान नयन

8. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) राक्षण (रावण एक बहुत बड़ा राक्षस था।)
(ख) दुर्गंध - (उसके अदंर से दुर्गंध आ रही है।)
(ग) जल - (घर के चारों ओर आग लग गई।)
(घ) धरती - आकाश (पक्ष्ज्ञी आकाश में उड़ते हैं।) **(ङ) विदेश** - (वह विदेश जा रहा है।)
(च) काँटा - (गुलाब के पौधे में बहुत काँटे होते हैं।)

9. निम्नलिखित वर्णों को मिलाकर शबद लिखिए-

ब् + आ + द् + अ + ल् + अ - बादल, **म् + अ + ह् + आ + द् + ए + श् + अ** - महादेश, **च् + इ + ट् + ठ् + इ + य् + आ + अ** - चिट्ठियाँ, **स् + उ + ग् + अं + ध् + अ** - सुगंध, **स् + ओ + र् + अ + भ् + अ** - सौरभ

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) कवि ने पक्षी ओर बादल को भगवान के डाकिए इसलिए कहा है क्योंकि ये एक स्थान से आकर दूसरे स्थान को जाते है। **(ख)** उनकी लाई चिट्ठियाँ को पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ सस्वर पढ़ते हैं। **(ग)** कवि ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि हम पक्षी तथा बादल की भाषा नहीं समझ सकते।

1. आज विश्व में संवाद आदान-प्रदान का माध्यम इंटरनेट है। ई-मेल के द्वारा हम तुरंत संदेश प्राप्त रकते हैं और उसका उत्तर भी

तत्काल भेज सकते हैं। ई-मल के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 12
गिल्लू

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-**

   (क) सोनजूही में **(ख)** कौवे **(ग)** दो वर्ष

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

   (क) पीली-कली **(ख)** मेरे काकपुराण **(ख)** दो वर्ष **(घ)** अंत **(ङ)** समाधि

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   (क) गमले के चारों कौए चोचों से छुआ-छुऔअल जैसा खेल खेल रहे थे। **(ख)** इनके कर्कश स्वर के कारण कौए की काँव-काँव को अवमानना की दृष्टि से देखा जाता है। **(ग)** गिलहरी का बच्चा लेखिका को घोंसले से बाहर गिर पड़ा मिला जिसमें कौवे सुलभ आहार खोज रहे थे। **(घ)** सोनजूही की लता के नीचे गिल्लू को समाधि दी गई। इसलिए भी कि उसे वह लता सबसे अधिक प्रिय थी, इसलिए भी किए उस लघुगात का, किसी बंसती दिन, जूही के पीताभी छोटे फूल में खिल जाने का विश्वास, लेखिका को संतोष देता है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

2. **निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

3. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ समान प्रतीत होते हुए भी प्रयोग में सुक्ष्म अंतर लिए हुए हैं इसी अंतर को स्पष्ट करते हुए इन शब्द-युग्मों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

   अवमानित - अपनी आर्थिक स्थित के कारण मेहमानों के बीच उसे अवमानना का सामना करना पड़ा। **अपमानित** - अपने कार्य के कारण राजू को अपमानित होना पड़ा। **आश्वस्त** - वह बहुत आश्वस्त प्रतीत हो रहा है। **विश्वस्त** - तुम्हारें अंदर विश्वस्त की क्षमता होती चाहिए। **अवस्था** - डॉ0 प्रभात अपनी अंमि अवस्था में चल रहे हैं। **आयु** - तुम्हारी आयु कितनी है? **जननी** - हमें हमारी जननी का सम्मान करना चाहिए। **माता** - मेरी माता का नाम मिसेज सुगंधा है।

4. **निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द, उपसर्ग व प्रत्यय अलग अलग कीजिए-**

   मूलशब्द - गंध, गंध, मान, मान, स्वस्थ, माद, नाद, रोग

   उपसर्ग - दुर, सु, स, अव, अ, स, अ, नी

   प्रत्यय - इत, इत, इत, इत, ता, रित, रित, ई

5. **'उसका दौड़ने का क्रम तब तब चलता रहता जब तक मैं उसे पकड़ने के लिए न उठती। रेखांकित शब्द-समूह कालबोधक क्रियाविशेषण है।**

इसी प्रकार के क्रियाविशेणों का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य बनाइए-

उसके आस-पास कोई कमी नहीं है फिर भी वह रोता रहता है। बच्चे अंदर बैठे है तो बाहर कौन है।

उसका खेलने का क्रम तब तक चलता रहा जब तक मैंने उसे नहीं रोका वह अब कभी भी चोरी नहीं करेगा।

6. **निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-**

   सोनजूही - स् + ओ + न् + अ + ज् + ऊ + ह् + ई

   हरीतिमा - ह् + अ + र् + ई + त् + इ + म् + आ

   स्वर्णिम - स् + व् ृ र् + ण् + इ + म् ृए अ

   अवमानित - अ् + व् + अ + म् + आ + न् + इ + त् + अ

   विवेचन - व् + इ + व् + ए + च् + अ + न् + अ

   पीताभ - प् + ई + त् + आ + भ् + अ

7. **इस पाठ में गिल्लू की बोली के लिए 'चिक्-चिक्' शब्द का प्रयोग हुआ है।**

   निम्नलिखित प्राणियों की बोलियों के नाम लिखिए-

   मोर - पीऊ-पीऊ, **शेर** - दहाड़ना, गधा - ढेचूँ-ढेचूँ, **गाय** - रम्भाना, **कौवा** - काँव-काँव, **तोता** - टाँय-टाँय, **कोयल** - कूँ-कूँ, **हाथी** - चिंघाड़ना

8. **निम्नलिखित जातिवाचक संज्ञाओं को व्यक्तिवाचक का रूप दीजिए-**

   गिलहरी - गिल्लू, **कौवा** - कालू, **अभिनेत्री** - रेखा, **नेता** - महात्मा गाँधी, **पर्वत** - हिमालय, **मीनार** - कुतुबमीनार, **अभिनेता** - अमिताभ बच्चन, **इमारत** - लालकिला

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक शब्द

(क) लेखिका को उस छोटे जीव की याद आई जो इस लता की सघन हरीतिमा में छिपकर बैठता था और फिर उसके निकट पहुँचते ही कंधे पर कूदकर उसे चौंका देता

था। **(ख)** हाँ, गिल्लू एक समझदार प्राणी था। लेखका की अस्वस्था में वह तकिये पर सिरहाने बैठकर अपेन नन्हें-नन्हें पंजों से उसके सिर और बालों को प्यार से हौले-हौले सहलाता रहता। **(ग)** कौवे को गमले के चारों ओर चोचों से छुआ-छुआऔअल मारने के कारण लेखिका ने कौए को ऐसा कहा। **(घ)** स्वयं हिलाकर अपने घर में झूलता और अपनी काँच के मनकों-सी आँखों से कमरे के भीतर और खिड़की से बाहर न जाने क्या देखता-समझता रहता था। परंतु उसकी समझदारी और कार्यकलाप पर सबसे आश्चर्य होता था। **(ङ)** घर में अनेक पशु-पक्षी होने के बावजूद गिल्लू उनमें अपवाद था क्योंकि वह बिल्कुल अजीब हरकतें करता थां अपनी इस अजीब हरकतों तथा कार्यकलापों के कारण वह लेखिका के लिए अपवाद था।

1. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र ओर संस्मरण संग्रह प्रकाशित है। पुस्तकालय से पुस्तकें लेकर पढ़िए ओर बताइए कि कौन-सा संस्मरण आपको सबसे अच्छा लगा।

स्वयं कीजिए।

2. गिल्लू की भाँति आप भी अपने किसी प्रिय पशु/पक्षी का रेखाचित्र अपने शब्दों में खींचिए।

स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 3

स्वयं कीजिए।

पाठ - 13
सादा जीवन

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) शुचिता **(ख)** दोनों की **(ग)** जिसमें दया-सच्चाई होती है।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) शरीर, मन **(ख)** भोजन **(ग)** पवित्र, दया **(घ)** सादगी **(ङ)** चरित्र, बुआ

3. सही कथन के सामने (✔) और गलत कथन के सामने (✘) का निशान लगाइए-

(क) ✔ (ख) ✘ (ग) ✔ (घ) ✘ (ङ) ✘ (च) ✔

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) शुचित का बड़ा महत्त्व है। धर्म के दस लक्षणों में एक लक्षण शुचिता भी है। शुचिता से शरीर और मन दोनों बलवान होते हैं। यही कारण है कि बड़े-बड़े महान पुरुष शुचिता को अपने जीवन में विशेष रूप से स्थान देते हैं। **(ख)** भोजन में स्वच्छता पर ध्यान देना आवश्यक है। खाने की वस्तुएँ साफ-सुथरी हों, भोजन सफाई के साथ बनाया गया हो और सफाई के साथ किया जाए। अर्थात् हाथों और पैरों को भली प्रकार साफ कर लिया जाए। **(ग)** मन की पवित्रता तीन तरह से प्राप्त की जा सकती है- प्रार्थना और कीर्तन करके, अच्छी पुस्तकों पढ़कर तथा सत्संग सुनकर। **(घ)** राजा ने एक साधारण व्यक्ति को चुना क्योंकि वह सादा जीवन जीन के साथ-साथ, चरित्रवान तथा विवेकवान भी था।

पाठ-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. निम्नलिखीत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) प्रस्तुत पाठ में यह कहा गया है कि हमें अपना मन पवित्र रखना चाहिए। सत्संग मन की पवित्रता की खान होती है। जिस तरह बहुमूल्य पत्थर खान से निकलते हैं, उसी प्रकार मन की पवित्रता की ज्योति भी सत्संग से निकलती है। **(ख)** प्रस्तुत पंक्ति में यह बताया गया है कि जिस तरह पवित्र नदियों के जल में नहाने पर भी कमंडल की कड़वाहट ज्यों-की-त्यों बनी रहती है, उसी प्रकार मन में बुराई रहने से तीर्थ में जाने और नदियों के जल में नहाने से कुछ नहीं होता। मनुष्य को तीर्थों में न दौड़कर अपने मन को ही पवित्र बनाना चाहिए। अतः मन वही पवित्र है, जिसमें दया होती है, सच्चाई होती है और अहिंसा होती है।

5. निम्नलिखित प्रत्ययों में दो-दो नए शब्द बनाइए-

अक्कड़-बुझक्कड़ - भुलक्कड़, **कक्कड़, अक-पाठक** - सेवक, लेखक। **वाला-फलवाला** - सब्जीवाला, फूलवाला। **इया-सुखिया** - मुखिया, दुखिया। **आवा-छलावा** - बुलावा, दिलावा, **आन-चढ़ान** - पठान, मिष्ठान।

6. शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए-

लात - लतियाना, **साठ** - सठियाना, **गर्म** - गर्माना, **चिकना** - चिकनाई, **झूठा** - झूठा, हाथ - हथियाना, **गाँव** - गाँठना, **दोहरा** - दोहराना।

7. निम्नलिखित परसर्गों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) के, में, का **(ख)** की, से की **(ग)** की, को, के लिए **(घ)** ने, पर, के लिए **(ङ)** में, पर

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) अपने चारों ओर का वातावरण स्वच्छ करके शरीर की पवित्रता तथा प्रार्थना-कीर्तन, अच्छी पुस्तकें पढ़कर हम मन की पवित्रता प्राप्त कर सकते हैं। **(ख)** मन की पवित्रता के लिए ये आवश्यक हैं। **(ग)** यात्रा से लौटने पर श्रीकृष्ण ने अपने कमंडल का चूर्ण बनाकर सभी को थोड़ा-थोड़ा बाँट दिया तथा यह समझाया कि मन को पवित्र करने के लिए तीर्थों पर जाने की आवश्यकता नहीं है। मन वही पवित्र है जिसमें दया, सच्चाई तथा अहिंसा होती है। **(घ)** राजा ने ऐसे आदमी को मंत्री के पद के लिए चुना, जो बहुत ही सादे कपड़े पहले हुए था। उस आदमी ने आश्चर्य में पकड़कर राजा नेसपूछज्ञ, ''महाराज, आपके दरबार में सुंदर कपड़े पहने हुए बड़े-बड़े विद्वान मौजूद हैं। आपके मुझ साधरण आमदी को मंत्री-पद केक लिए क्यों चुना?'' राजा ने उत्तर दिया, ''आपकी सादगी को देखकर''। आदमी ने दूसरा प्रश्न किया, ''महाराज, मैं सादे पकड़े पहले हुए था। हो सकता है, मेरे सादे कपड़ों का कारण मेरी गरीबी हो। फिर क्या आपने मुझे चुनकर भूल नहीं की?'' राजा ने उत्तर दिया, ''मैं सादगी को पहचानता हूँ। आपके शरीर पर सादगी है, मुझे पूरा विश्वास है कि उसके भतर एक उज्ज्वल चरित्र ओर विवेक छिपा हुआ है। मुझे मंत्री-पद के लिए ऐसे आमदी की आवश्यकता है, जो विद्वान तो हो ही, चरित्रवान और विवेकवान भी हो।'' **(ङ)** महात्मा गाँधी का उदाहरण देखकर लेखक सादगी को समझाना चाह रहे हैं। **(च)** मार्टिन लूथर कहते हैं, ''हे मनुष्यों, तुम तड़क-भड़क में जितना समय गँवाते हो, यदि उनका समय अपने विचारों को सुंदर बनाने में लगाओ, तो तुम अपना ही कल्याण नहीं करोगे, अपने देख और समाज का भी कल्याण करोगे और मार्टिन लूथर का कहना बिल्कुल सच है।

1. **कुछ ऐसे महापुरुषों के बारे में पढ़िए, जिन्होंने अपना जीवन सादगी और शुचिता से जीते हुए लोगों के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया।**
   स्वयं कीजिए।
2. **शुचिता और सादगी का जीवन में स्थान' विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।

पाठ - 14
गौरा

शैक्षिक आकलन

पाठ-आकलन

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-**
   (क) गाय **(ख)** ग्वाले का दूध बिक सके **(ग)** दुख में
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**
   (क) ध्यानपूर्वक **(ख)** गौरांगिनी, गौरा **(ग)** दुग्ध दोहन, समाधान **(घ)** हृदय **(ङ)** गोपालक
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**
   (क) गौरा को पालने में लेखिका के मन में दुविधा थी क्योंकि खाद्य की किसी भी समस्या के लिए पशु-पक्षी पालना उन्हें कभी रूचिकर नहीं लगता था। **(ख)** गय जब लेखिका के बंगले पर पहुँची, तब मेरे परिचितों आसेर परिचारकों में श्रद्धा का ज्वार-सा उमड़ आया। उसे लाल-सफेद गुलाबों की माला पहनाई, गई, केशर-रोली का बड़ा-सा टीका लगाया गया, घी का चौमुख दिया जालकर आरती उतारी गई और उसे दही-पेड़ा खिलाया गया। **(ग)** गौरा प्रातः अऔर सांय बारह सेर के लगभग दूध देती थी, अतः लालमणि के लिए कई सेर छोड़ देने पर भी इतना अधिक शेष रहता था कि आसपास के बाल गोपाल से लेकर कुत्ते-बिल्ली तब सब पर मानो 'दूधो नहाओ' का आशीर्वाद फलित होने लगा। कुत्ते-बिल्लियों ने तो एक अद्भुत दृश्य उपस्थित कर दिया था। दुग्ध-दोहन के समय से बस गौररा के सामने एक पंक्ति में बैठ जाते और महादेव उनके खाने के लिए निश्चित बरतन रख देता है। किसी विशेष आयोजन पर आमंत्रित अतिथियों के समान वे परम शिष्टता का परिचय देते हुए प्रतीक्षा करते रहते। फिर नाप-नापकर सबके पात्रों दूध डाल दिया जाता, जिसे पीने के उपरांत वे एक बार फिर अपने-अपने स्वर में कृतज्ञता-ज्ञापन सा करते हुए गौरा के चारों ओर उछलते-कूदने लगते। (घ) पेट में सुई जाने के कारण गौरा की मृत्यु हुई।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए-**
   प्रस्तुत पंक्ति में लेखिका ने गौरा गाय का वर्ण करते हुए लिखा है कि जब वह एक युवा गाय बन गई तो उसने एक पुत्र तो को जन्म दिया। बछड़े का नाम लालमणि रखा गया। तब लेखिका ने कहा कि अब हमारे घर में मानों दुग्ध-महोत्सव आरंभ हो गया है।
3. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए-**
   स्नेह - प्रेम, प्यार। **प्रशंसा** - बड़ाई, तारीफ, **रोग** - बीमारी, व्याधि, **पशु** - जानवर, जीव। **आलोक** - प्रकाश, उजाला, **समीर** - वायु, हवा।
4. **निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द लिखिए-**
   प्रतिक्षित - प्रतिक्षा में, इंतजार में। **निकटता** -

समीपता, नजदीक। **नागरिक** - नगरनिवासी, नगर संबंधी। **चिकित्सक** - डॉक्टर, वैद्य। **रंगीन** - रंग-बिरंगा, कई रंगों का, **चमकीला** - भड़कीला, चमकदार।

5. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से शब्द बनाइए-

ज्ज - सज्जा, **त्त** - पत्ता, **ल्ल** - बल्ला, **ट्ट** - खट्टा, **क्क** - पक्का, **स्स** - रस्सा।

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) पुष्ट लचीले पैर, भरे पुट्ठे, चिकनी भरी हुई पीठ, लंबी सुडौल गर्दन, निकलते हुए छोटे-छोटे संगी, भीतर की लालिमा की झलक देते हुए कमल की दो अधखुली पंखुड़ियों जैसे काल, लंबी ओर अंतिम छोश्र पर काले सघर चामर का स्मरण दिलाने वाली पूँछ, सबकुछ साँचे में ढला हुआ-सा था। **(ख)** उसकी आँखों के आत्मीय विश्वास के कारण गाय को 'करूणा की कविता' कहा है। **(ग)** प्रस्तुत पंक्ति में गौरा की अंतिम विदाई (उसके मरने के पश्चात्) का वर्णन किया गया है कि जब गौरा को ले जा रहे थे मानों ऐसा लग रहा था कि करूणा का सागर उमड़ गया हो। **(घ)** लेखिका ने लखनऊ, कानपुर आदि नगरों से पशु-विशेषज्ञों को बुलाया, उसे सेब का रस पिलाया तथा शक्ति के लिए इंजेक्शन लगवाए।

1. यदि ग्वाला पकड़ा जाता तो उसके साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए था?

स्वयं कीजिए।

2. क्या हमें अपने स्वार्थ के लिए किसी जीव का जीवन लेने का अधिकार है? मित्रों के साथ चर्चा कीजिए।

स्वयं कीजिए।

पाठ - 15
नौकर

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-

(क) मॉस्को में **(ख)** क्योंकि उसे रूपयों से भरा एक बैग मिला था। **(ग)** क्योंकि वह वृद्ध दंपति पर पड़ने वाली मुसीबतों से व्यथित हो उठा था।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) गाँव, मॉस्को **(ख)** सूखे, अभावग्रस्त **(ग)** मुस्कराहट **(घ)** पैसा, बरबाद **(ङ)** चालाकी **(च)** नौकरी

3. सही कथन के सामने (✔) ओर गलत कथन के सामने (✘) का निशान लगाइए-

(क) ✔ **(ख)** ✘ **(ग)** ✘ **(घ)** ✘ **(ङ)** ✔ **(च)** ✔

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) जरासीम के गाँव की कुछ ही दूसरी पर मॉस्को शहर स्थित था। **(ख)** जरासीम एक किसान का पुत्र था। **(ग)** कोचवान ने जरासीम को एक व्यापारी के यहाँ नौकरी दिलवाई। **(घ)** जरासीम ने वृद्ध दंपत्ति की वेदना से व्यथित होकर नौकरी करने से मना कर दिया। उसने बिल्कुल सही किया।

व्याकरण-ज्ञान

1. शब्दों का उच्चारण कीजिए-

स्वयं कीजिए।

2. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-

(क) कठिन **(ख)** ग्राम **(ग)** सेना **(घ)** साथ **(ङ)** प्रसन्न **(च)** वृद्ध

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संबंधबोधक और क्रिया-विशेषणों को छाँटकर अलग-अलग वर्गों में लिखिए-

(क) क्रियाविशेषण - दिन भर **(ख) सबंधबोधक** - के अंदर **(ग) क्रियाविशेषण** - पहले **(घ) संबंधबोधक** - के पहले **(ङ) क्रियाविशेषण** - सामने **(च) क्रियाविशेषण** - सामने

4. निम्नलिखित शब्दों के वाक्य बनाकर लिखिए-

(क) बड़े दिन पहले मॉस्को में काम मिलना दुष्कर होता था। **(ख)** मैं उन्हें निराश्रित नहीं कर सकता। **(ग)** वह अकारथ हमें कष्ट नहीं दे रहा है। **(घ)** गाँव के सूखे तथा अभावग्रस्त जीवन का वह अभ्यस्त नहीं था। **(ङ)** वह यह जानने के लिए बहुत उत्सुक है। **(च)** वृद्ध की पीड़ा देख वह व्यथित हो उठा।

6. निम्नलिखित वाक्यों में 'रहना' क्रिया के उचित रूप भरिए-

(क) रही **(ख)** रही **(ग)** रहा **(घ)** रहा **(ङ)** रहती

7. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

दुष्कर - आसान, **गृहस्थ** - सयांसी, **दयालु** - निर्दयी, **अनावश्यक** - आवश्यक, **प्रशंसा** - निंदा, **कृतज्ञ** - कृत्घ्न

8. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

पुत्र - बेटा, **घोटा** - अश्व, **पत्नी** - अर्धांगिनी, **गृह** - घर, **मित्र** - सखा, **नौकर** - दास

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(क) जरासीम फौज में भर्ती होने के लिए गाँव गया था तथा वह फौज में भर्ती नहीं हो पाया। गाँव के सूखे तथा अभावग्रस्त जीवन का वह अभ्यस्त नहीं था, इसलिए वह वापस आ गया। **(ख)** चैगोर दानिलिक जरासीम के गाँव का था ओर उसका मित्र भी। उसने रजासीम से पअने मालिक के यहाँ नौकरी करने के लिए कहा। **(ग)** चैगोर ने अपने मालिक से कहा कि "मेरे गाँव का एक लड़का यहाँ आया हुआ है। बड़ा भी भला है, वह, पर बेचारा बेकार है। आप उसे नौकर रख लीजिए। घर का सारा ऊपरी काम कर दिया करेगा। **(घ)** जरासीम को नौकरी पर रखने के लिए चैगोर ने पोलीकारपिक तथा उसकी पत्नी की निंदा की। **(ङ)** वृद्ध दपंत्ति अपने भविष्य के विषय में बातें कर रहे थे कि हम गरीबों की जिंदगी कितनी बुरी है। हम सवेरे से लेकर आधी रात तक काम में जुटे रहते हैं और ऐसे ही सारी जिंदगी बिता देते हैं। और, तक एक दिन सुनते हैं- निकल जाओ यहाँ से। **(च)** जरासीम ने वृद्ध की वेदना से व्यथित होकर इस नौकरी को न करने का फैसला किया। इससे उसकी ब्रमता तथा दयालुता का पता चलता है।

1. **आपको इस कहानी में किसका चरित्र सबसे अच्छा लगा और किसका नहीं? कारण सहित स्पष्ट कीजिए और अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखिए।**

   स्वयं कीजिए।

पाठ - 16
सूखे सुमन से

शैक्षिक आकलन

पाठ-बोध

1. **निम्नलिखित के सही उत्तर पर सही (✔) का निशान लगाओ-**

   (क) पुष्प पर **(ख)** दोनों **(ग)** स्वार्थमय

2. **कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-**

   (क) स्निग्ध किरणें चंद्र की तुझको हँसाती थी सदा,

   (ख) रात तुझ पर वारती थी मोतियों की संपदा!

   (ग) लोरियाँ गाकर मधुप निद्रा विवश करते तुझे,

   यत्न माली का रहा, आनंद से भरता तुझे!

   (ख) कर दिया मधु ओर सौरभ, दाना सारा एक दिन,

   किंतु रोता कौना है तेरे लिए दानी सुमन?

   मत व्यथित हो फूल! किसको सुख दिया संसार ने?

   स्वार्थमय सबको बनाया, है यहाँ करतार ने।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

   (क) प्रस्तुत कविता की रचयित्री महादेवी वर्मा हैं। **(ख)** यह कविता सूखे सुमन को संबोधित करके लिखी गई है क्योंकि प्रस्तुत कविता में यही बताया गया है कि जब पुष्प अपने पूर्ण रूप में होता है तो सब उसे चाहते हैं, किंतु उसके सूख जाने पर कोई उसे देखता तक नहीं। **(ग)** सूखे पुष्प के माध्यम से कवयित्री ने यही स्पष्ट किया है कि मनुष्य जब सुख-सुविधाओं से पूर्ण रहता है तो सब उसके मित्र होते हैं, धनादिन होने पर अथवा वृद्ध अवस्था में असहाय हो जाने पर कोई उसके पास नहीं आता। (घ) भगवान ने सभी प्राणियों को स्वार्थमय बनाया है।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों का उच्चारण कीजिए-**

   स्वयं कीजिए।

2. **तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए-**

   (क) कंटक **(ख)** कठोर **(ग)** आंरभ **(घ)** आर्द्र (ङ) सायं (च) गगन

3. **निम्न पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए-**

   (क) प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने सूखे पुष्प को संबोधित करते हुए लिखा है कि आज तेरे सूख जाने पर तुझे चाहने वाला भ्रमर भी तेरे पास तक नहीं आता, प्रकृति का लाल रंग भी तुझे प्राप्त नहीं होता। जिस वायु ने तेरे खिले होने पर तुझे गोद में लोकर प्रेम बरसाया था, आज तेरे सूख जाने पर उसी वायु के तीव्र झोके ने तुझे धरती पर सुला दिया है। **(ख)** प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने पुष्प को संबोधित करते हुए लिखा है कि हे विश्व के फूल! तू सदैव खिला होने पर सबके हृदय को भाता रहा, तू सबको अपना सबकुछ दान करके भी सदैव मुस्कराता रहा है। जब तेरी इस दशा को देखकर संसार तुझ पर दया, दुख नहीं दिखाता, तो सुमन! हम जैसे बिना सार के मनुष्यों के दुख पर कौन रोएगा।

4. **निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द अलग कीजिए-**

   सूखे सुमन - सूखे, सुकोमल। **पुष्प** - सुकोमल। **स्निग्ध किरणें** - स्निग्ध, **मुख मंजु** - मुख, **चाहत भ्रमर** - चाहक, **तीव्र झोंके** - तीव्र, **दानी सुमन** - दानी, **स्वार्थमय संसार** - स्वार्थमय

5. **निम्नलिखित अक्षरों को मिलाकर कीजिए-**

   कली, शैशव, लुब्ध, मंजु, सौरभ

6. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए-**

(**क**) मुस्कराता था, खिलाती अंक में तुझको पवन। (**ख**) स्निग्ध किरणें चंद्र की हसाँती थी तुझको सदा। (**ग**) लोरियाँ गाकर मधुर निद्रा विवश करते तुझे। (**घ**) अंत का यह दृश्य आया था कभी क्या ध्यान में? (**ङ**) आज तुझको देखकर चाहक भ्रमर आता नहीं! (**च**) कौन रोएगा सुमन! हम से मनुज निस्सार को?

सह-शैक्षिक आकलन

मौखिक प्रश्न

(**क**) प्रारंभिक दशा में फूल, एक कली के रूप में होता है, जिसे पवन अपनी गोद में खिलाती है। अनेक भ्रमर उस पर मडँराते हैं। चंद्र की किरणें उसे हँसाती है तथा माली आनंद तथा स्नेह भरे नयनों से उसे निहारता है। (**ख**) जब व्यक्ति संपूर्ण सुख- सुविधाओं में होता है तब फूल की यही प्रारंभिक दशा व्यक्ति के जीवन में आती है। (**ग**) जब फूल उद्यान में अठखेलियाँ करता रहता है तथा व्यक्ति अपनी सुख-सुविधाओं में होता है, तब उन्हें अपने अंत का दृश्य ध्यान नहीं आता। (**घ**) वृद्धावस्था में मनुष्य की दशा असहाय हो जाती है। (**ङ**) कवयित्री अपनी वृद्धावस्था दशा की कल्पना करके व्यथित हो जाती है। (**च**) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवयित्री ने मनुष्यों के स्वार्थपूर्ण व्यवहार की चर्चा करते हुए कहा कि जब पुष्प अपने पूर्ण रूप में होता है तो उसके चहाने वाले बहुत होते हैं, किंतु उसके सूख जाने पर कोई उसे देखता तक नहीं है। ठीक ऐसे ही मनुष्य जब सुख-सुविधाओं से पूर्ण रहता है तो बस उसके मित्र होते हैं, धनादि न होने अथवा वृद्ध अवस्था में असहाय हो जाने पर कोई पास नहीं आता।

1. **महादेवी वर्मा की अन्य कविताएँ पढ़िए और उनमें निहित अर्थ को स्पष्ट कीजिए-**
   स्वयं कीजिए।
2. **कविता के अनुसार सुमन ओर मनुष्य की तुलना अपने सहपाठियों के साथ कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।

सह-शैक्षिक मूल्यांकन - 4

स्वयं कीजिए।

शैक्षिक मूल्यांकन - 2

1. **सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-**
   (**क**) दोनों (**ख**) दो वर्ष (**ग**) शुचिता (**घ**) गाय (**ङ**) मॉस्कों में
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-**
   (**क**) मुस्कराहट (**ख**) परंपरा की (**ग**) पवित्र, दया (**घ**) हृदय (**ङ**) परपंरा की
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-**
   (**क**) "तू इतना उदास क्यों है? तलब की न कटेगी, कटने दे। अबकी से तेरी जान की कसम खाता हूँ। एक घूँट दारू या ताड़ी नही पीऊँगा। (**ख**) गमले के चारों और कौए चोचों से छुआ-छुऔअल जैसा खेल खेल रहे थे। (**ख**) इनके कर्कश स्वर के कारण कौए की काँव-काँव को अवमानना की दृष्टि से देखा जाता है। (**ग**) सूखे पुष्प के माध्यम से कवयित्री ने यही स्पष्ट किया है कि मनुष्य जब सुख-सुविधाओं से पूर्ण रहता है तो सब उसके मित्र होते हैं, धनादि न होने पर अथवा वृद्ध अवस्था में असहाय हो जाने पर कोई उसके पास नहीं आता। (**घ**) कोचवान ने जरासीम को एक व्यापारी के यहाँ नौकरी दिलवाई। (**ङ**) पेट में सुई जाने के कारण गौरा की मृत्यु हुई।

व्याकरण-ज्ञान

1. **शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिये-**
   स्नेह - प्रेम, प्यार। **रोग** - बीमारी, व्याधि। **आलोक** - प्रकाश, उजाला। **प्रशंसा** - तारीफ, बड़ाई। **पशु** - जानवर, जीव। **समीर** - हवा, वायु।
2. **निम्नलिखित शब्दों के मूल शबद लिखिये-**
   प्रतिक्षित - प्रतीक्षा में, **नागरिक** - नगर निवासी, **रंगीन** - रंग-बिरंगा, **निकटता** - समीपता, **चिकित्सक** - डॉक्टर, चमकीला - भड़कीला।
3. **विलोम शब्द लिखिये-**
   दुष्कर - आसान, **दयालु** - निर्दयी, **प्रशंसा** - निंदा, **गृहस्थ** - संयासी, **अनावश्यक** - आवश्यक, **कृतज्ञ** - कृतघ्न।